ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • रांची • श्रावण शुक्ल पक्ष 12 • विक्रम संवत 2080 • रविवार, 30 जुलाई 2023 • वर्ष-24 • अंक- 177 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00

परेश रावल की 'द स्टोरीटेलर' का ... पेज 12 पर

कड़ी सुरक्षा के बीच राजधानी रांची में निकला मुहर्रम का जुलूस

नवीन मेल संवाददाता। रांची
राजधानी रांची में मुहर्रम का जुलूस अलग-अलग क्षेत्रों से निकाला गया। मेन रोड, डोरंडा सहित अन्य कई स्थानों में कड़ी सुरक्षा के बीच जुलूस निकाला गया। एहतियातन जुलूस के गुजरने वाले सभी इलाकों के बिजली भी काट दी गई है ताकि कोई अप्रिय घटना नहीं हो सके। मेन रोड में निकाले गए जुलूस और झांकियां देखते ही बन रही है। इसके लिए जगह-जगह स्टॉल लगाकर जुलूस निकालने वाले लोगों को शरबत से स्वागत किया जा रहा है। झांकी में युवा अपनी खेल कौशल के कलाओं का भी प्रदर्शन भी कर रहे हैं। खिलाड़ियों ने गर्मजोशी के साथ अपने खेल का प्रदर्शन किया। कई इलाकों में ताजिया का जुलूस भी निकला। इसमें काफी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। अलग-अलग हिस्से से खिलाड़ियों की टोली निकली। डंके और तासे की आवाज के बीच कई जुनून भरे खेलों का भी प्रदर्शन किया। मातमी नारों के साथ निकले जुलूस की सुरक्षा में जिला प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी तैनात थे। जुलूस में आकर्षक ताजिया भी बनाया गया है। झारखंड विधानसभा के प्रारूप के साथ-साथ चंद्रयान-3 के प्रारूप भी शामिल हैं।

गिरिडीह : मुहर्रम के जुलूस में भिड़े दो पक्ष, कई घायल

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह
तिसरी थाना इलाके के पालमरुआ के अदसार मदरसा के समीप शनिवार को मुहर्रम के जुलूस में एक ही समुदाय के दो पक्षों में खूनी झड़प हो गई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर तत्काल तिसरी थाना प्रभारी प्रदीप कुमार पुलिस जवानों के संग पहुंचे और हालात को अपने नियंत्रण में लिया। थाना प्रभारी ने दोनों पक्ष के लोगों को समझा बुझाकर शांत कराकर स्थिति पर काबू पाया।

बताया जाता है कि अडसार मदरसा के समीप जुलूस के दौरान दोनों पक्ष आपस में इस कदर भिड़े कि एक दूसरे पर जमकर लाठी और पत्थर चलाया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस को भी दोनों पक्षों को शांत कराने के लिए हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। घटना के बाद

अडसार मदरसा के समीप काफी संख्या में पुलिस जवानों को तैनात कर दिया गया है। हालात पर नजर रखने के लिए डीएसपी के साथ बीडीओ संतोष प्रजापति, तिसरी के लोकायनायनपुर थाना प्रभारी समेत काफी संख्या में पुलिस जवानों को तैनात रखा गया है।

मुहर्रम में ताजिया जुलूस निकालने की परंपरा पूरी की जा रही थी। इसी दौरान एक पक्ष की ओर से ताजिया निकाला गया था। यही ताजिया जब तिसरी थाना इलाके के ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

NEWS इन ब्रीफ

ओमान में फंसे राज्य के छह प्रवासी मजदूरों ने वापसी की लगाई गुहार

रांची। गिरिडीह, बोकारो और हजारीबाग के छह प्रवासी मजदूर मुस्लिम देश ओमान में एक प्राइवेट कंपनी में पिछले कुछ महीनों से बंधक बने हुए हैं। इन मजदूरों के परिजनों ने इस मामले की जानकारी मिलने के बाद अब राज्य व केंद्र सरकार से उन्हें वापस लाने की गुहार लगाई है। प्रवासी मजदूरों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली ने भी राज्य सरकार से अपील की है कि ओमान देश की राजधानी मस्कट में एक प्राइवेट कंपनी में फंसे इन मजदूरों की स्वदेश वापसी की व्यवस्था राज्य सरकार करे। गिरिडीह के बगोदर के महूरी गांव निवासी किशोर महतो, बोकारो के पेक निवासी युगल महतो और हजारीबाग के नेरकी गांव के संजय महतो के अलावा अलग अलग गांव के दिनेश महतो, अर्जुन महतो शामिल हैं। छह मजदूर जिस निजी कंपनी में नजरबंद है। उस कंपनी में सारे मजदूर पिछले साल दिसंबर में मोबाइल टावर लगाने गए थे।

सीएम की पहल : देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े उद्योग की होगी स्थापना

354.28 करोड़ रुपए का होगा निवेश

नवीन मेल संवाददाता। रांची
मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने जमशेदपुर में देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े उद्योग की स्थापना के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री के इस पहल के बाद अब देश में पेट्रोल, डीजल और बैटरी साथ जल्द हाइड्रोजन ईंधन से भी वाहन चलेंगे। इसको लेकर मुख्यमंत्री ने निवेश के प्रस्ताव पर मैसर्स टीजीईएसपीएल के साथ एमओयू हस्ताक्षर करने के प्रस्ताव पर सहमति दे दी है।

मेसर्स टाटा मोटर्स लिमिटेड एवं मैसर्स कमिंस इंक., यूएसए के संयुक्त उपक्रम मेसर्स टीसीपीएल ग्रीन एनर्जी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (टीजीईएसपीएल) द्वारा जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम में हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन, ईंधन-अज्ञेयवादी इंजन, एडवांस केमिस्ट्री तथा एच2 ईंधन वितरण प्रणाली के निर्माण/उत्पादन के लिए ईकाई की स्थापना के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस कमेटि एवं हाई पावर कमेटी की स्वीकृति की प्रत्याशा में निवेश के प्रस्ताव पर सहमति दे दी है।

एमओयू के उपरांत जमशेदपुर में देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े उद्योग के स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा। इस कार्य में हाइड्रोजन इंजन बनने की नवीनतम तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिसका लाभ आने वाले समय में पूरे देश को होगा।

हाइड्रोजन ईंधन के फायदे

हाइड्रोजन ऐसा ईंधन है, जिसकी क्षमता अन्य ईंधनों के अपेक्षा अधिक होती है। इसका एनर्जी लेबल अधिक होता है। यह सस्ता और हल्का होता है। ऐसे में पेट्रोल और डीजल के बीच इसे एक बेहतर विकल्प माना जा सकता है। हाइड्रोजन ईंधन से प्रदूषण को काफी हद तक नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। भारतीय बाजार और विश्व स्तर पर हाइड्रोजन इंजन की जरूरतों को पूरा करने के लिए 4000 हाइड्रोजन आईसी इंजन-ईंधन एग्नोस्टिक इंजन और 10,000 बैटरी सिस्टम की उत्पादन क्षमता के निर्माण आवश्यक जरूरतों की आपूर्ति और नई सहायक इकाइयों की स्थापना के लिए स्थानीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देगा।

पीएलएफआई के दो उग्रवादी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। खूंटी
जिले के मुरहू थाना क्षेत्र के सुरूंदा गांव के पास चल रहे पुल निर्माण कार्य के कर्मचारियों के साथ मारपीट करने और जेसीबी और स्कूटी तथा एक मोटरसाइकिल को क्षतिग्रस्त करने के मामले में पुलिस ने दो वॉकी-टॉकी हैंडसेट और रिवाल्वर के साथ प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएएफआई के सक्रिय उग्रवादियों वीर सिंह पूर्ति और जॉर्ज सांडी पूर्ति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से लोडेड रिवाल्वर, दो जिंदा कारतूस पीएलएफआइ का पर्चा, चंदा रसीद, पिट्ठू सहित अन्य सामान बरामद किये हैं।

पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने अपने कार्यालय में शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि शुक्रवार को उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई के एरिया कमांडर टीरा बोदरा उर्फ राडूंग बोदरा उर्फ लंबू अपने दस्ते के सदस्यों के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए सांड़ी गांव के जंगल में बैठक करने वाला है। सूचना के सत्यापन और

आवश्यक कार्रवाई के लिए अपर पुलिस अधीक्षक अभियान रमेश कुमार और खूंटी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित कुमार के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया।

छापेमारी दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए साड़ी गांव के जंगल में सर्च अभियान चलाया गया। सर्च अभियान के दौरान वॉकी टॉकी से बातचीत करने की आवाज सुनाई दी। पुलिस को देखते ही वे भागने लगे। पुलिस के जवानों ने दो लोगों को खदेड़ कर पकड़ लिया। पूछने पर उन्होंने अपना नाम वीर सिंह पूर्ति उम्र 25 वर्ष ग्राम सांडीगांव थाना मुरहू और जॉर्ज सांडी पूर्ति उम्र 23 वर्ष ग्राम कोमान टोला जातेबेडा थाना बनगांव पश्चिमी सिंहभूम बताया। तलाशी लेने पर उनके पास से वॉकी-टॉकी के दो हैंड सेट और अन्य सामान बरामद किये गये।

बताया गया कि जॉर्ज सांडीपूर्ति के खिलाफ पहले ही उग्रवादी घटनाओं और अन्य संगीन धाराओं के तहत बंदगांव थाने में मामला दर्ज है। गिरफ्तार उग्रवादियों ने पुलिस के समक्ष स्वीकार किया कि सुरूंदा में चल रहे पुल निर्माण कार्य के ठेकेदार को एरिया कमांडर टीरा बोदरा उर्फ लंबू द्वारा फोन कर लेवी की मांग की गई थी लेकिन लेवी नहीं देने पर 25 जलाई को निर्माण कार्य पर जाकर मजदूरों के साथ उन्होंने मारपीट की थी और जेसीबी, मोटरसाइकिल और स्कूटी को क्षतिग्रस्त कर दिया था। छापेमारी दल में एएसपी अभियान रमेश कुमार, खूंटी के एसडीपीओ अमित कुमार, मुरहू थाना प्रभारी चूड़ामणि टुडू, पुलिस अवर निरीक्षक रितेश कुमार, दिगंबर पांडे, लक्ष्मण चौधरी, विक्की ठाकुर के अलावा तकनीकी शाखा खूंटी और मुरहू और सायको थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

ब्लैकमेल से परेशान होकर महिला ने दी जान

थाना के ड्राइवर पर शोषण का आरोप, इलाके में तनाव

नवीन मेल संवाददाता। रांची
रांची के खलारी थाना क्षेत्र मे एक रहने वाली महिला के द्वारा आत्महत्या करने की वजह से इलाके में तनाव हो गया है। परिजनों का आरोप है कि खलारी थाने के ड्राइवर इरशाद के द्वारा यौन शोषण कर महिला को ब्लैकमेल किया जा रहा था, इसी से तंग आकर उसने अपनी जान दे दी।

क्या है पूरा मामला

खलारी थाना क्षेत्र के जी टाइप क्वार्टर में रहने वाली एक शादीशुदा 32 वर्षीय महिला ने शनिवार को अपने ही घर मे फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।महिला के देवर का आरोप है कि उसकी भाभी के साथ खलारी थाने के प्राइवेट ड्राइवर इरशाद ने दुष्कर्म कर उसका वीडियो बना लिया था। वीडियो के जरिये ही वह महिला को लगातार ब्लैकमेल करते हुए उसका यौन शोषण कर रहा था। महिला लोक लाज के भय से किसी को कोई जानकारी भी नही दे पा रही थी। वह कई बार ड्राइवर इरसाद से वीडियो डिलीट करने की गुजारिश कर चुकी थी।

सीएम-स्पीकर पर अनर्गल भाषा का प्रयोग, शिकायत दर्ज

नवीन मेल संवाददाता। रांची
मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधानसभा अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतो और मंत्री मिथिलेश ठाकुर के बारे में (सोशल मीडिया) यूट्यूब पर आपत्तिजनक और अनर्गल भाषा का प्रयोग करने के आरोप में अरगोड़ा थाना में लिखित शिकायत की गई है। इस संबंध में झारखंड मुक्ति मोर्चा(झामुमो) के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने अरगोड़ा थाना में शनिवार को लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया है कि यह वीडियो भोकाल नामक यूट्यूब चैनल पर प्रसारित किया गया था। मुख्यमंत्री , स्पीकर और मंत्री के बारे में यूट्यूब पर आपत्तिजनक, अनर्गल और अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए एक विडियो अपलोड किया गया है, जो किसी टीवी के नाम के चैनल पर प्रसारित किया जा रहा है। इस वीडियो में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का नाम लेकर काफी आपत्तिजनक एवं अपमानजनक तथ्यों को परोसा जा रहा है। इसकी जानकारी शुक्रवार रात को हुई। आपत्तिजनक तथ्यों से अमन चैन और सौहाद्रपूर्ण माहौल को बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इससे पार्टी के कार्यकर्ताओं में काफी आक्रोश है। इससे राज्य में अशांति फैलने का खतरा है।

हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से 4 की मौत, 7 गंभीर

नवीन मेल संवाददाता। बोकारो
बोकारो थर्मल के बेरमो अनुमंडल के पेटरवार थानांतर्गत खेतको में शनिवार सुबह बड़ा हादसा हो गया जिसमें चार लोगों की जान चली गई। दुर्घटना में 7 लोग घायल हो गए जिन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे ताजिया उठाने के क्रम में ऊपर से गुजर रहे 11 हजार के हाइटेंशन लाइन के संपर्क में आ गया। जिससे जुलूस में रखी बैट्री ब्लास्ट कर गयी। इस दौरान 13 लोग संपर्क में आ गए। जिसमें चार लोगों की मौत हो गई, वहीं सात लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। मरने वालों में आसिफ रजा (21), एनामुल रब (35), गुलाम हुसैन (18), साजिद अंसारी (18) शामिल हैं। घटना के बाद तत्काल सभी घायलों को डीवीसी बोकारो थर्मल अस्पताल लाया गया। अस्पताल में एम्बुलेंस मौजूद नहीं रहने को लेकर लोगों ने काफी हंगामा किया। घायलों में तीन की स्थिति गंभीर बनी हुई है। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद बोकारो भेजा गया है।

पूरे मामले की होगी जांच : डीसी

बोकारो के डीसी कुलदीप चौधरी ने बताया कि जिला में सुबह के वक्त 17 जगहों पर ताजिया के साथ जुलूस निकला था। इस दौरान 16 एरिया की बिजली काटी गई थी। लेकिन पेटरवार के खेतको की बिजली नहीं काटी गई थी। इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की पहली प्राथमिकता जान गंवाने वाले लोगों के अंतिम संस्कार, मुआवजा और घायलों के इलाज पर केंद्रीत है। उन्होंने बताया कि पूरे बोकारो में आज 240 जुलूस निकाले जाने हैं। इनमें से 17 जगहों पर सुबह के वक्त जुलूस निकलना था। लेकिन एक जगह हादसा हो गया।

विपक्ष के संगठन इंडिया से मुकाबले के लिए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नयी टीम बनाई

चुनावी राज्यों के नेताओं को तरजीह

ब्यूरो। नई दिल्ली
विपक्षी दलों के संगठन इंडिया से लड़ने के लिए एनडीए की सूत्रधार भाजपा ने जो चाक चौबंदी शुरू की है और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से जो नई टीम बनवाई गई है, उसमें आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर पदाधिकारियों की 38 नामों वाली जो सूची जारी हुई है, उसमें कई झोल भी नजर आ रहे हैं। बीते शुक्रवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिवों के साथ लगभग चार घंटे चली बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव, एनडीए की बैठक, मतदाताओं तक पहुंचने की रणनीति और पांच राज्यों में चुनावी लड़ाई के मुद्दे पर चर्चा की। जिसमें राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, राष्ट्रीय संयुक्त संगठन सचिव वी. सतीश समेत महासचिव अरुण सिंह, सुनील बंसल और अन्य शामिल थे। लेकिन इसके पहले वह केंद्रीय सत्ता के सर्वोच्च द्वय के साथ राय बात व दिशा निर्देश ले चुके थे।

तो इस बैठक के बाद शनिवार 29 जुलाई को भाजपा की जो नई टीम घोषित की गई इसमें 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 8 राष्ट्रीय महामंत्री, 1 राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन), 1 राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री, 1 कोषाध्यक्ष, 1 सह-कोषाध्यक्ष और 13 राष्ट्रीय सचिव के नाम की घोषणा की गई।

इस सूची में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया(जिनको किनारे करने की कोशिश हो रही थी , लेकिन उल्टा पड़ जाने के डर से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर बनाए रखा गया), छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास और मध्य प्रदेश से आने वाले सौदान सिंह को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा कैलाश विजयवर्गीय, अरुण सिंह और तरुण चुग को महामंत्री बनाया गया है। बीएल संतोष को राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन), शिव प्रकाश (लखनऊ) को राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री, राजेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश) को कोषाध्यक्ष और नरेश बंसल (उत्तराखंड) को सह-कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 8 राष्ट्रीय महामंत्री, 1 राष्ट्रीय महामंत्री, 1 राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री, 1 कोषाध्यक्ष, 1 सह-कोषाध्यक्ष और 13 राष्ट्रीय सचिव के नाम की घोषणा

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास बनाए गए भाजपा उपाध्यक्ष

रांची। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने अपनी नयी टीम का ऐलान कर दिया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के केंद्रीय पदाधिकारियों की टीम में बदलाव करते हुए 13 उपाध्यक्ष और नौ महासचिव शामिल किए हैं। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को भाजपा उपाध्यक्ष बनाया गया है।

जिन राज्यों में विस चुनाव हैं वहां के नेताओं को तरजीह

मध्य प्रदेश : यहां के 3 नेताओं- कैलाश विजयवर्गीय, सौदान सिंह और ओमप्रकाश धुर्वे को मौका मिला है। शाह के प्रिय कैलाश विजयवर्गीय को तीसरी बार महामंत्री बनाया है। ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

लोहरदगा में ट्रैक्टर की चपेट में आने से बच्चे की मौत

गुस्साए लोगों ने चालक को पीट-पीटकर मार डाला

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा
लोहरदगा जिले के बगडू थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर की चपेट में आकर एक बच्चे की मौत के बाद गुस्साए लोगों ने किशोर ट्रैक्टर चालक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इस वारदात के बाद इलाके में सनसनी और तनाव का माहौल बना हुआ है। घटना अरेया गांव की है। बताया गया कि अरेया गांव निवासी संजय प्रजापति का 15 वर्षीय पुत्र विशाल गांव से दो किलोमीटर दूर निरहू टांड़ में मुन्ना उरांव के खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर रहा था। इसी ट्रैक्टर में नीरज साहू नामक ग्रामीण का पांच वर्षीय पुत्र श्रेयांश साहू बैठा हुआ था। ट्रैक्टर से खेत जोतने के क्रम में वह गिर गया और रोटावेटर में फंसकर उसकी मौत हो गयी।

इसके बाद लोगों ने विशाल को जमकर पीटा और उसे ट्रैक्टर के टायर के नीचे डाल दिया, जिससे उसकी मौत हो गयी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया। घटना को लेकर पुलिस ने दोनों पक्षों का बयान ले लिया है। गांव में शांति बहाल करने के लिए पुलिस बल की तैनाती की गयी है।

तीन अगस्त को दलादली में होगी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

सुभाष मुंडा की हत्या पार्टी को कमजोर करने की साजिश : रामचंद्र

नवीन मेल संवाददाता। रांची

माकपा के पोलित ब्यूरो सदस्य और पूर्व सांसद डॉ. रामचंद्र डोम ने कहा कि सुभाष मुंडा की हत्या लाल झंडा को कमजोर करने की एक गहरी साजिश है। उन्होंने सुभाष हत्याकांड की हर पहलू से जांच कराए जाने और दोषियों को एक समय सीमा के अंदर गिरफ्तार कर उन्हें सजा दिलाए जाने की मांग की। डोम शनिवार को पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सुभाष मुंडा केवल जमीन कारोबारी रहते तो उनकी हत्या पर इतना जनाक्रोश नहीं होता और उनकी शव यात्रा में पूरे इलाके से हजारों लोग जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी थी, शामिल नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि

सुभाष मुंडा दलादली इलाके में माकपा आंदोलन की तीसरी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते थे। उनके दादा शुक्रा मुंडा सेना से रिटायर होने के बाद वे माकपा से जुड़ गए थे तथा इस इलाके में आदिवासियों और दूसरे गरीबों के शोषण के खिलाफ हमेशा संघर्ष करते रहते थे। उन्हीं से प्रेरणा लेकर रांची के पंचपरगना क्षेत्र में गरीबों और आदिवासियों की भूमि हड़पने वाले महाजनों के खिलाफ 70 और 80 के दशक में ऐतिहासिक संघर्ष चला था। इस संघर्ष के बाद इलाके के बड़े भू-स्वामियों से आदिवासियों की हड़पी गई जमीन की वापसी करायी गयी। इसमें सुभाष मुंडा का खानदान जिनकी एक बड़ी संख्या है को उनकी पुश्तैनी जमीन वापस मिली। उसी जमीन पर सुभाष मुंडा ने अपनी आजीविका के लिए कुछ दुकानों और भवन का निर्माण कराया। अभी जो धीमी गति से एक बात प्रचारित की जा रही है कि वे जमीन के कारोबारी थे पूरी तरह तथ्यहीन है। राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि तीन अगस्त को दलादली चौक पर एक विशाल श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। इसमें वामदलों के राज्य नेतृत्व के अलावा माकपा की पोलित ब्यूरो सदस्य बृंदा कारात भी संबोधित करेंगी।

मारवाड़ी युवा मंच ने गरीबों के बीच अन्न-वस्त्र का किया वितरण

खूंटी। सावन के इस पवित्र महीने में खूंटी की जानमानी सामाजिक संस्था मारवाड़ी युवा मंच की नगर शाखा ने शनिवार को बाबा आम्रेश्वर धाम में गरीबों और जरूररतमंदों के बीच भोजन और वस्त्र का वितरण किया। युवा मंच के कार्यकर्ता शनिवार को धार्मिक यात्रा में अंगराबारी पहुंचे थे। मंच के सदस्यों ने बाबा मंदिर के साथ अन्य मंदिरों में पूजा-अर्चना की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच के अध्यक्ष अंकित जैन, सचिव मुकुल पीपुरिया, पूर्व अध्यक्ष उदय लाल भाला, हिमांशु अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, आशीष पीपुरिया, अमित पोद्दार, अनुराग प्रतीक, ज्योति पोद्दार, श्वेता भाला, शिवांगी पीपुरिया, शिखा पीपुरिया, मंजू अग्रवाल आदि ने योगदान दिया।

बाल संरक्षण, सुरक्षा और कल्याण पर संगोष्ठी आज

नवीन मेल संवाददाता। रांची

देश में बच्चों के साथ हो रहे दुष्कर्म और चाइल्ड लेबर की बढ़ती घटना को देखते हुए भारत सरकार की तरफ से लगातार कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। भारत सरकार द्वारा बच्चों पर होने वाले जुल्म को कम करने के लिए चलाए गए कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक भी की जा रही है। इसी कड़ी में रविवार को रांची में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का नाम 'वत्सल भारत' रखा गया है। जिसमें शामिल होने राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो शनिवार को रांची पहुंचे। उन्होंने शनिवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों को बताया कि कार्यक्रम में बंगाल, ओडिशा और बिहार के पदाधिकारियों के साथ चर्चा की जाएगी। वत्सल भारत कार्यक्रम को लेकर केंद्रीय महिला और बाल विकास राज्य मंत्री डॉ मूंजपरा महेंद्र भाई भी रांची में मौजूद रहेंगे। रांची पहुंचने के बाद राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने बढ़ते पलायन पर चिंता जताते हुए कहा कि झारखंड में बच्चों के पलायन होने के मामले आए दिन देखने को मिलते हैं। सबसे ज्यादा झारखंड के बच्चे दिल्ली में पलायन करते हैं। जहां पर कई अन ऑथराइज्ड संस्था या प्लेसमेंट सेल बच्चों से काम करवाती है। उन बच्चों का डाटा उनके पास से नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली राज्य में चल रहे अवैध प्लेसमेंट सेंटर पर दिल्ली सरकार को नकेल कसना चाहिए ताकि झारखंड से गए नाबालिग बच्चों को ट्रेस कर मुसीबतों से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में झारखंड के राज्य बाल संरक्षण आयोग से बेहतर समन्वय बनाकर बच्चों के संरक्षण पर बेहतर कार्य किए जाएंगे।

बाबूलाल ने पार्टी के नव नियुक्त राष्ट्रीय सदस्यों को दी बधाई

रांची। प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा सर्व स्पर्शी और सर्व समावेशी संगठन है। नई राष्ट्रीय टीम के नेतृत्व में पार्टी 2024 में जनता के स्नेह और आशीर्वाद से तीसरी बार मोदी सरकार बनाने में सफल होगी। मरांडी ने कहा कि झारखंड से दो राष्ट्रीय पदाधिकारी को पुनः स्थान देने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि झारखंड का सौभाग्य है कि प्रदेश प्रभारी एवम राज्यसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेई को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का दायित्व दिया है। उन्होंने नव नियुक्त राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास, डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेई एवम राष्ट्रीय मंत्री आशा लकड़ा सहित सभी को बधाई एवम शुभकामनाएं दी है। बधाई देने वालों पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी,प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी, अपर्णा सेन गुप्ता, प्रणव वर्मा, विनोद शर्मा, गंगोत्री कुजूर, प्रदेश महामंत्री सांसद आदित्य साहू सहित अन्य शामिल हैं।

रातू में निकला मुहर्रम का जुलूस याद किये गये हजरत इमाम हुसैन

नवीन मेल संवाददाता। रातू

प्रखंड में शनिवार को मुहर्रम का जुलूस आपसी भाईचारगी के साथ शांति पूर्ण तरीके से संपन्न हो गय। सेंटर मुहर्रम कमेटी की अगुवाई में मुहर्रम का जुलूस सिमलिया, तिगरा, भोंडा, अगडू, बिजुलिया व कोटा से निकाला गया। दिन के 12 बजे जुलूस महादेव टंगरा पहुंची जहां पारंपरिक तरीके से अस्त्र- शस्त्र चालन का करतब दिखलाया गया। दोपहर बाद फुटकलटोली, रातू चट्टी, बड़काटोली, पीर्री, काठीटांड आदि जगहों से मुहर्रम का जुलूस निकाला गया। सेंट्रल मुहर्रम कमेटी की और से काठीटांड टांड चौक में अखाड़ेधारियो का स्वागत किया गया। शाम को अखाड़ेधारी ऐतिहासिक राजकिले पहुंचे जहां मुस्लिम धर्मावलंबियों के अलावा सभी समुदाय के लोगो ने हिस्सा लिया। राजकिले कि ओर से अखाड़ेधारियो को पुरस्कृत किया गया। जुलूस में जिप अध्यक्ष निर्मला भगत, प्रमुख संगीत देवी,उप प्रमुख रेयाजुल अंसारी, प्रखंड अंजुमन कमेटी के सदर कमरुल हक, अब्दुल गफ्फार, अरशद अयूब, अकलिमा खातून, अरविंद पांडेय,पृथ्वी नाथ शाहदेव, रवि कुमार, धर्मेन्द्र सिंह, खैरुद्दीन अंसारी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बेलाल अंसारी,कलअसलम अंसारी, जाबीर अंसारी, महफूज आलम, कमल खलखो, रजब अली, इमरान खान, सिन्धबाज खान,, मियांजान अंसारी, शमीम मंसूरी , खलिल अंसारी, अरशद अयुब, अक्लिमा खातून के अलावा हजारो लोग मौजूद थे। जुलूस के दौरा प्रशासन की ओर से सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया था। भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। सुरक्षा की कमान डीएसपी प्रवीण कुमार व थानेदार सपन कुमार महथा ने संभाली।

नक्सलियों के 'शहीद सप्ताह' के मद्देनजर सुरक्षाबलों की चौकसी बढ़ी

रांची। नक्सलियों ने 28 जुलाई की रात से तीन अगस्त तक शहीद सप्ताह मनाने की घोषणा की है। नक्सलियों द्वारा इस घोषणा के बाद दक्षिण पूर्व रेलवे जोन सतर्क हो गया है। एहतियातन लंबी दूरी की ट्रेनों में आरपीएफ को सतर्क रहने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा मनोहरपुर में पोस्टरबाजी के बाद हावड़ा-मुंबई मार्ग के छोटे-बड़े स्टेशनों पर आरपीएफ की चौकसी बढ़ा दी गई है। इसके साथ हीं लंबी दूरी की ट्रेनों में सुरक्षा के तहत एस्कॉर्ट ड्यूटी जवानों को भी अलर्ट रहने की सलाह दी गई है। नक्सली पहले भी स्टेशनों पर इस तरह की घटनाओं को अंजाम देकर ट्रेन परिचालन बाधित कर चुके हैं। इससे पहले भी नक्सलियों ने इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया था। इसलिए नक्सलियों के शहीद सप्ताह मनाने की घोषणा के बाद मुख्यालय से सभी स्टेशनों पर एक्सीडेंट रिलीफ को तैयार रखने व लाइन की जांच और गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया गया।

नागरमल मोदी सेवा सदन में विश्व स्तनपान दिवस पर 5 अगस्त को कार्यक्रम का आयोजन

रांची। नागरमल मोदी सेवा सदन में 2006 से प्रतिवर्ष 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान दिवस सप्ताह मनाया जाता है, जिसका मुख्य लक्ष्य जन जन में स्तनपान एवं शिशु आहार से संबंधित जानकारी पहुंचाना है। सेवा सदन में दो बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ चिकित्सक, डॉ सुनीता कात्यायन एवं डॉ. संध्या अग्रवाल हैं जो प्रशिक्षित शिशु स्तनपान सलाहकार हैं। विश्व स्तनपान दिवस की इस वर्ष की विषय वस्तु है कामकाजी महिलाएं शिशु स्तनपान को महत्व दें। इस पर आधारित सभी माता पिता एवं अभिभावकों के लिए एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। सभी माताएं 05 अगस्त 23 को अपराह्न 2.30 से 4.30 अस्पताल में आकर कार्यक्रम में भाग ले सकती हैं। आयोजन कर्ता ने बताया कि सभी प्रश्न स्तनपान से संबंधित रहेंगे तथा सीखने की एक आनंददायक प्रक्रिया इस कार्यक्रम का उद्देश्य होगा। स्तनपान शिशुओं के स्वास्थ्य तथा विकास में बहुत सहायक, अत्यंत आवश्यक होता है।

सांसद ने रघुवार व आशा लकड़ा को दी बधाई

रांची। रांची के सांसद संजय सेठ ने राष्ट्रीय टीम में झारखंड सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं रांची की पूर्व मेयर डॉ आशा लकड़ा को राष्ट्रीय मंत्री बनाए जाने पर बधाई दी है। सांसद सेठ ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को बधाई देते हुए कहा कि झारखंड से दो कर्मठ नेताओं को राष्ट्रीय टीम में रखा गया है यह झारखंड के लिए गौरव का पल है इन दो नेताओं को राष्ट्रीय टीम में जगह मिलने से झारखंड और मजबूती के साथ आगे बढ़ेगा।

खेल निदेशक ने अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रशिक्षक आरिफ इमाम से लिया आशीर्वाद

रांची। शनिवार को जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कंपलेक्स, जमशेदपुर में खेल विंग टाटा स्टील के द्वारा स्टेट कराटे चैंपियनशिप के दौरान खेल निदेशक सह आई.पी.एस डॉ सरोजनी लकड़ा जमशेदपुर पहुंची थी, साधारण एथलीट से पुलिस में भर्ती होकर आई.पी.एस बनने पर अपने अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स पुलिस प्रशिक्षक आरिफ इमाम के आवास पर मिलकर आशीर्वाद लिया व आरिफ इमाम के परिवार वालों के साथ काफी समय बिताया और जमशेदपुर में अपने बिताए पुराने दिनों को याद किया। वहीं अपने शिष्या अंतरराष्ट्रीय एथलीट सरोजनी लकड़ा को अपने घर अचानक देखकर अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स कोच सह पूर्व डी.एस.पी. आरिफ इमाम को आश्चर्यचकित हो गए। बताते चले की राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रही सरोजनी लकड़ा जमशेदपुर में रह कर आरिफ इमाम के नेतृत्व में अभ्यास कर आल इंडिया पुलिस में पहला पदक जीती थी।

एक्सआईएसएस, रांची में संत इग्नेशियस लोयोला का फीस्ट पर्व मनाया गया

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची, ने शनिवार को अपने परिसर में सेंट इग्नेशियस लोयोला का फीस्ट पर्व मनाया। इस वर्ष को सेंट इग्नेशियस की 501वीं वर्षगांठ के सम्मान में इग्नाटियस वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। हर साल 31 जुलाई को सेंट इग्नेशियस के फीस्ट पर्व के रूप में सभी जेसुइट संस्थानों में मनाया जाता है। संस्थान के निदेशक, डॉ. जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने फीस्ट पर्व में आये सभी लोगों का स्वागत किया और इस शुभ दिन पर संस्थान के लक्ष्य और इस शुभ दिन से संबंधित चार विषयों को बढ़ावा देने के के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि इस साल के उत्सव को सेंट इग्नेशियस द्वारा आध्यात्मिकता को बढ़ावा देने के थीम के अनुसार रखा गया है, जो आध्यात्मिक अभ्यास और विवेक के माध्यम से भगवान का रास्ता दिखाता है। दूसरा, गरीबों और हाशिये पर पड़े लोगों का उत्थान करना और दुनिया के बहिष्कृत लोगों के साथ चलना, जिनकी गरिमा का उल्लंघन किया गया है, सुलह और न्याय के मिशन में।

मुख्यमंत्री, स्पीकर व मंत्री पर आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने पर थाने में शिकायत

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधानसभा अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतो और मंत्री मिथिलेश ठाकुर के बारे में (सोशल मीडिया) यूट्यूब पर आपत्तिजनक और अनर्गल भाषा का प्रयोग करने के आरोप में अरगोड़ा थाना में लिखित शिकायत की गई है। इस संबंध में झारखंड मुक्ति मोर्चा(झामुमो) के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने अरगोड़ा थाना में शनिवार को लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया है कि यह वीडियो भोकाल नामक यूट्यूब चैनल पर प्रसारित किया गया था। मुख्यमंत्री , स्पीकर और मंत्री के बारे में यूट्यूब पर आपत्तिजनक, अनर्गल और अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए एक विडियो अपलोड किया गया है, जो किसी टीवी के नाम के चैनल पर प्रसारित किया जा रहा है। इस वीडियो में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का नाम लेकर काफी आपत्तिजनक एवं अपमानजनक तथ्यों को परोसा जा रहा है। इसकी जानकारी शुक्रवार रात को हुई। आपत्तिजनक तथ्यों से अमन चैन और सौहाद्रपूर्ण माहौल को बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इससे पार्टी के कार्यकताओं में काफी आक्रोश है। इससे राज्य में अशांति फैलने का खतरा है। चैनल के संचालक, रिपोर्टर और बयानबाजी करने वाले व्यक्ति को चिन्हित कर कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी बृज कुमार ने बताया कि मामले को लेकर जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

बेड़ो में हुई एकल अभियान संघ की मासिक बैठक

बेड़ो। एकल अभियान बेड़ो संघ की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन शनिवार को किया गया। बैठक में गांव के सर्वांगीण विकास पर व्यापक चर्चा की गई। वहीं बैठक में बेड़ो संघ एकल अभियान के अध्यक्ष डॉ रमेश प्रसाद गुप्ता के बड़े भाई दिघिया निवासी स्व मनीष गुप्ता की पुण्य तिथि भी मनाई गई। लोगों ने दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। वहीं एकल अभियान से जुड़े सभी आचार्यों को पेन एवं कापी देकर सम्मानित किया गया। साथ ही फल एवं मिठाई का वितरण किया गया। श्री गुप्ता ने कहा कि शिक्षा देश के धरोहर होते हैं, उने से शिक्षा लेकर देश और दुनिया में अपना नाम रोशन करते हैं। वहीं मौके पर बेड़ो एकल अभियान प्रमुख सुकरा महतो,संच प्रमुख वर्तमान सिंह, संस्कार प्रमुख मुकेश कुमार राय,आचार्य मुनी लकड़ा, लक्ष्मण महली,गीता देवी,विष्णु साहू, भोला महतो व आरती कुमारी आदि मौजूद थे।

लोक कल्याण संस्थान ने खिलाड़ियों को दी जर्सी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भारतीय लोक कल्याण संस्थान, किसान पाठशाला, कर्रा द्वारा आज खूंटी जिला के सुब्रतो मुखर्जी अंडर 17 बालक वर्ग के विजेता टीम राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय के खिलाड़ियों को भारतीय लोक कल्याण संस्थान के संस्थापक सह खूंटी जिला फुटबॉल संघ के सचिव चंद्रदेव सिंह के द्वारा जर्सी सेट देकर उन्हें सम्मानित किया गया । यह टीम रांची में आयोजित 31 जुलाई से 2 अगस्त तक प्रमंडल स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता में खूंटी जिला का प्रतिनिधित्व करेगी। इस अवसर पर एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय के शारीरिक शिक्षक प्रवीण अभिषेक खलखो, भारतीय लोक कल्याण संस्थान के सचिव कुणाल कुमार सिंह , प्रकाश कुमार ,राम लखन गोप ,अमरजीत कुमार, जागरण लकड़ा, नोना हेमरोम, जोहान होरो, अजीत होरो, सुनील होरो जागरण लफड़ा, शैमुएल होरो, सुमित्रा देवी,नीरज सोनी समेत अन्य गणमान्य और खेल प्रेमी उपस्थित थे।

जानकारी पौधा संरक्षण पर अभिया सह प्रशिक्षण कार्यक्रम कल से

पर्यावरण को बचाना सभी का दायित्व : कुलपति

नवीन मेल संवाददाता। रांची

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), रांची एवं पौधा किस्म संरक्षण एवं कृषक अधिकार प्राधिकरण (पीपीवी एंड एफआरए), नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय जागरूकता अभियान- सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को होगा। बीएयू परिसर स्थित कृषि प्रेक्षागृह में प्रातः 10:30 बजे से आयोजित इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि जेपीएससी अध्यक्ष डॉ. मैरी नीलिमा केरकेट्टा होंगी। इसके विशिष्ठ अतिथि झारखंड सरकार के अपर मुख्य वन संरक्षक डॉ. डीके सक्सेना एवं बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर के पूर्व कुलपति डॉ. एके सिंह होंगे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पीपीवी एंड एफआरए के अध्यक्ष एवं पूर्व आईसीएआर महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा करेंगे।

कुलपति डॉ. ओंकार नाथ सिंह की पहल पर प्रदेश में पहली बार पौधा किस्म संरक्षण एवं कृषक अधिकार अधिनियम, 2001 विषय पर जागरूकता अभियान -सह- प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कुलपति ने प्रदेश के किसानों के बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा के लिए जरुरी बताया है। पौधों का संरक्षण मनुष्य के जीवन में बहुत ही जरूरी है, इसके बिना जीवन अधूरी है। सभी का दायित्व है कि इसे बचा कर चलें। बीएयू के निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ. एस कमार्कार ने बताया कि इस कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों के किसान एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों के अलावा बीएयू के पौधा प्रजनक एवं कृषि विशेषज्ञ भाग लेंगे। कार्यक्रम के दो तकनीकी सत्रों में पौधा किस्म संरक्षण एवं कृषक अधिकार अधिनियम, 2001 विषय पर पीपीवी एंड एफआरए के अधिकारी यूके दुबे द्वारा किसानों एवं केवीके वैज्ञानिकों को अवगत कराया जायेगा। इन सत्रों की अध्यक्षता पीपीवी एंड एफआरए के अध्यक्ष डॉ. त्रिलोचन महापात्रा तथा सह-अध्यक्षता बीएयू कुलपति डॉ. ओंकार नाथ सिंह करेंगे। केवीके वैज्ञानिकों के पहले तकनीकी सत्र के संयोजक ओएसडी, आईसीएआर-आईएआरआई डॉ. विशाल नाथ पांडे एवं निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ. एस कमार्कार होंगे। जबकि किसानों के दूसरे तकनीकी सत्र के संयोजक आईसीएआर- आईआईएबी, रांची के निदेशक डॉ. सुजय रक्षित एवं आईसीएआर-आरसी, पलांडू के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ. एके सिंह होंगे। डॉ. कमार्कार ने बताया कि प्रदेश के किसान के यहां स्थानीय तौर पर उपलब्ध बीज में बहुत सारे अच्छे गुण मौजूद है। कृषक किस्में स्थानीय रूप से अनुकूलित होती है और उनमें रोग/सुखा/लवण अवरोधी एवं औषधिय सबंधी विशेष गुण होते है। इन कृषक किस्मों का प्रजनन के लिए अनुवांशिक संसाधन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। पौधा किस्मों, कृषकों व पादप प्रजनकों के अधिकारों की रक्षा तथा पौधों की नई किस्मों के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए पुरे देश में पीपीवी एंड एफआर अधिनियम, 2001 लागु किया गया।

मणिपुर की घटना के विरोध में प्रदर्शन करेगा झामुमो

खूंटी। स्थानीय डाक बंगला में झामुमो जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद अध्यक्षता में शनिवार को झामुमो जिला समिति की हुई बैठक में संगठन की मजबूती, सदस्यता अभियान, पंचायत कमेटी, बूथ कमेटी सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि मणिपुर राज्य की वर्तमान स्थिति पर केंद्र सरकार तथा मणिपुर राज्य सरकार का मौन रहना, मणिपुर राज्य की दुर्दशा को मौन सहमति प्रतीत होता है। देश के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लिए गए संज्ञान एवं टिप्पणियों के बावजूद भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार तथा मणिपुर राज्य सरकार के कानों में आवाज नहीं पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि इसके विरोध में एक अगस्त को राज्य के जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मणिपुर की स्थिति पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और मणिपुर राज्य सरकार की मानसिकता के विरोध करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन में आइएनडीए के सभी दल शामिल होंगे।उन्होंने कहा कि इसको लेकर 31 जुलाई को कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की जाएगी।

बेड़ो के तुको से 101 कांवरियां का जत्था रवाना

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो

प्रखंड के तुको गांव से 101 महिला व पुरुष कांवरियों का जत्था शनिवार को जलाभिषेक के लिए देवघर रवाना हुआ। कांवरियों के जत्था को गांव के समाजसेवियों सुशील साहू, बलराम सिंह व उमेश लाल ने भोलेनाथ व बोल बम की जयकारा लगाते हुए भोलेनाथ के भक्तों को रवाना किया। रवाना होने के पहले कांवरियों ने बाबा नंददेश्वर धाम व महादानी बाबा मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर प्रस्थान किए। जत्थे का नेतृत्व कर रहे सतीश सिंह ने बताया कि पूरा जत्था एक साथ यहां से सीधे सुल्तानगंज पहुंचेगा। वहां से जल लेकर जत्था बाबा धाम पहुंच कर जलाभिषेक करेगा। बाबा धाम जाने वाले में राम प्रसाद गुप्ता, सतीश सिंह, गौतम ताम्रकार, बीरन लाल, आदेश यादव, पंकज लाल, कुलदीप साहू, आकाश कुमार, अनिल लाल, किशन गुप्ता, आदित्य ताम्रकार, जगदीप कुमार (जेडी), भागवत ताम्रकार, संजय साहू,शंकर,साहू,अभय ठाकुर, गोबरा बैठा, शक्ति , राम, परमानंद, जैकी, सनीज, किट्टू, रीता देवी, सोनम देवी, पूजा देवी, पुष्पा देवी, गुड़िया देवी, सिमा देवी, रिया सहित कई अन्य भक्त शामिल हैं।

तिरंगे के साथ निकला शिया समुदाय का मातमी जुलूस ◆ श्री महावीर मण्डल ने जुलूस का किया स्वागत

'कर्बला की याद से इंसानियत को जिंदगी मिली है'

नवीन मेल संवाददाता। रांची

शनिवार दसवीं मोहर्रम के मौका पर रांची शहर में शिया मुसलमानों ने मौलाना सैयद तहजिबुल हसन रिजवी की अगुवाई में मातमी जुलूस कर्बला की याद में निकाला गया। बाद नमाज जोहर मस्जिद मजलिस जिक्रे शहिदाने कर्बला इमाम हुसैन का आयोजन किया गया। मजलिस में मरसिया खानी अशरफ हुसैन ने किया। मजलिस को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड झारखंड के चेयरमैन व मस्जिद जाफरिया के इमाम व खतीब हजरत मौलाना सैयद तहजिबुल हसन रिजवी ने कर्बला के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहां के कर्बला वालों की याद से इंसानियत को जिंदगी मिलती है। प्यासों को पानी पिलाया जाता है, पानी छिना नहीं जाता। तारीख ए कर्बला दुनिया ए इस्लाम का सबसे गमनाक, अफसोसनाक तारीख है। जिसे सुनकर बड़े-बड़े दिलेरो के दिल कांप जाता है। मैदान ए कर्बला में हजरत इमाम हुसैन की जगह दुनिया का बड़े से बड़ा बहादुर होता तो कर्बला में हो रहे जुल्म को बर्दाश्त ना करता। लेकिन हजरत इमाम हुसैन ने अपने 72 की कुर्बानी देकर इसलाम की रक्षा की और इसलाम को हमेशा हमेशा के लिए बचा लिया। इमामे हुसैन और उनके 72 साथियों की कुर्बानी दुनिया कभी भुला नहीं सकती। हजरत इमाम हुसैन की सच्चाई, किरदार और इंसाफ का आइडियल कहा जाए तो गलत ना होगा। मौलाना ने कहा कि कर्बला की जंग दुनिया की पहली दहशतगरदाना जंग थी। जिसमें शहीद होने वाले लोगों में 6 माह का बच्चा अली असगर भी था। कर्बला में हजरत इमाम हुसैन ने चंद घंटों में 71 लाशें उठाई। 3 दिन के भूखे प्यासे इमामे हुसैन को सिमर ने शहीद कर दिया। जिसे सुनकर पूरा मजमा रोने लगा। हाय हुसैन, हाय हुसैन की सदा मस्जिद जाफरिया में गूंज उठा। मौलाना ने कहा कि रांची की यह खूबसूरती रही है की अहले सुन्नत के सैंकड़ों अखाड़े हमारे मातमी जुलूस को अपने बीच से रास्ता देते हैं। और जुलूस मातम करते हुए आगे बढ़ जाती है। मजलिस के बाद तिरंगे के साथ अलम और ताबूत निकाला गया। जो विक्रांत चौक पहुंचने पर लोवर बाजार थाना प्रभारी दयानंद और उनकी टीम ने अलम को सलामी दी। जुलूस में नोहा खानी करते हुए लोग आगे बढ़ रहे थे। जुलूस आगे बढ़ने पर सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के महासचिव अकील उर रहमान के द्वारा लगाए गए इंस्टॉल पर जुलूस को रोक कर जुलूस पर गुलाब पानी की बारिश की गई। जिसमें सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष जावेद गद्दी, महासचिव अकील उर रहमान, उपसचिव आदिल रशीद, उपाध्यक्ष आफताब आलम, डॉ एम हसनैन, सोहेल सईद, हाजी साहब अली आदि ने जुलूस का स्वागत किया। जुलूस या हुसैन या अली के सदाओं के साथ आगे बढ़ा। जहां हनुमान मंदिर पर सद्भावना समिति, महानगर दुर्गा पूजा समिति, श्री महावीर मंडल के पदाधिकारियों ने जुलूस का स्वागत किया। जय सिंह यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, महावीर मण्डल के अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा, अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष हाजी मुख्तार, अंजुमन के महासचिव डॉक्टर तारिक, समेत कई लोगों ने जुलूस का स्वागत किया। मौलाना तहजीब उल हसन हनुमान मंदिर के पास जुलूस में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए कहा आज हमारा मुहर्रम जुल्म के खिलाफ आवाज उठाने का जज्बा पैदा करता है। दूसरे के दुख दर्द को दूर करने और हक पर जान देना सिखाता है। मौलाना ने कहा कि अगर तमाम इंसानों में सच्चाई के प्रति जागरूकता पाई जाए तो हर तरफ अमन नजर आएगा। जुलूस आगे बढ़ते हुए अंजुमन प्लाजा, डॉक्टर फातुल्लाह रोड, कर्बला चौक होते हुए कर्बला पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस का संरक्षक अंजुमन जाफरिया के अध्यक्ष डॉक्टर शमीम हैदर, सचिव अशरफ हुसैन कर रहे थे। नोहा ख़्वानी अमीर गोपालपुरी, कासीम अली, अली रजा ने किया। मुहर्रम के कार्यक्रम को कामियाब बनाने वालों में सैयद फराज अब्बास, शारूख हसन रिजवी, हाशिम अली, यावर हुसैन, हैदर अली, नदीम रिजवी, कासिम अली, एस एच फातमी, अशरफ हुसैन हैं। इस मौके पर सैयद शारूख हसन रिजवी, एस जसीम रिजवी, डॉ मुबारक अब्बास अली नवाब अली हसन फातमी, सैयद फराज अब्बास, इकबाल फातमी, अली नवाब, जावेद हैदर, अनीस हैदर, यादगार नकवी, एस एच फातमी, नासिर हुसैन, शमीमुल हसन, समेत सैकड़ों लोग शामिल थे।

जुलसू को लेकर ट्रैफिक में था बदलाव, वाहनों की थी नो इंट्री

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मुहर्रम को लेकर शनिवार की सुबह 10 बजे से शहर के विभिन्न रूट में निजी और यात्री वाहनों के परिचालन पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। जुलूस की समाप्ति तक वाहनों को डायवर्ट रूट से ही परिचालन करना होगा। प्रतिबंधित मार्ग पर बैरिकेडिंग लगाकर अतिरिक्त जवानों को तैनात किया गया है। बैरिकेडिंग से आगे किसी भी हाल में वाहन सवारों को जाने की अनुमति नहीं होगी। ट्रैफिक पुलिस लगातार प्रयास कर रही है कि जुलूस के दौरान सड़कों पर निकलने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो। ट्रैफिक एसपी हारिस बिन जमा ने शनिवार को बताया कि मुहर्रम को लेकर ट्रैफिक में बदलाव किया गया है।

इन मार्गो पर वाहनों का परिचालन पूरी तरह बंद रहा

◆किशोरी यादव चौक से अपर बाजार होते हुए महाबीर मंदिर चौक से शहीद चौक की तरफ सामान्य वाहनों का परिचालन बंद रहा।

◆ शहीद चौक से अपर बाजार होते हुए महाबीर मंदिर चौक की ओर सामान्य वाहन नहीं जा सके।

- सुभाष चौक से अपर बाजार होते हुए महाबीर मंदिर के तरफ सामान्य वाहनों का परिचालन बंद रहा।

- कचहरी चौक से शहीद चौक होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक की ओर सामान्य वाहनों का प्रवेश बंद रहा।

◆चडरी तालाब से अल्बर्ट एक्का चौक जाने वाले मार्ग में वाहनों का परिचालन बंद रहा।

◆प्लाजा चौक से अल्बर्ट एक्का चौक की ओर जाने वाले वाहनों का परिचालन वर्जित रहा। किसी तरह की गाड़ियों को जाने नहीं दिया जा रहा था।

◆पुरुलिया रोड से सर्जना चौक की ओर आम वाहन नहीं जा सके।

◆एसएन गांगुली रोड , विष्णु गली, बुधिया गली और राधेश्याम गली से मेन रोड की ओर सामान्य वाहन नहीं जा सके।

◆चर्च रोड से मेन रोड की तरफ आने वाले सामान्य वाहनों का परिचालन बंद रहा।

◆वूल हाउस के पास मेन रोड की तरफ आने वाले सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहा।

◆कर्बला चौक से रतन पीपी चौक तक सामान्य वाहनों का परिचालन बंद रहा।

◆कडरू से रेडिशन ब्लू होटल होकर मेन रोड में सामान्य वाहनों का प्रवेश वर्जित रहा।

◆कमांडेंट आवास मोड़ से राजेन्द्र चौक तक सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहा।

◆मेकॉन चौक से राजेन्द्र चौक की ओर वाहन नहीं जा सके।

◆तुलसी चौक से आंबेडकर चौक तक वाहनों का परिचालन वर्जित रहा। ताकि जुलूस में किसी तरह की लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े और प्रशासन को ही परेशान होना पड़ा

राजधानी में सुरक्षा के थे पुख्ता इंतजाम

रांची। मुहर्रम को लेकर राजधानी रांची में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। हर चौक चौराहे पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई है। रांची के एसएसपी किशोर कौशल शुक्रवार देर रात मुहर्रम को लेकर शहर का जायजा लेने के लिए निकले। इस दौरान एसएसपी ने विभिन्न चौक चौराहों में तैनात सुरक्षा बलो को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिये। एसएसपी ने रांची के हिंदपीढ़ी सहित अन्य संवेदनशील इलाकों का जायजा लिया। एसएसपी ने सभी तैनात पुलिसकर्मियों को मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने का निर्देश दिया। सुरक्षा में 1500 अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। सीसीटीवी और ड्रोन कैमरे से शहर की निगरानी रखी जा रही है।

जब रांची में सुरक्षित नहीं आदिवासी तो ग्रामीण क्षेत्रों का क्या होगा : सांसद

रांची। रांची के सांसद संजय सेठ ने कहा कि जब राजधानी में सुरक्षित नहीं आदिवासी तो ग्रामीण क्षेत्रों का क्या होगा। उन्होंने कहा कि कहने को झारखंड में आदिवासियों के हितों की सरकार है लेकिन धरातल पर सबसे अधिक असुरक्षित इस राज्य में आदिवासी बहन, बेटियां और आदिवासी नेता ही है। विगत एक सप्ताह की गतिविधियों को देखें तो ऐसा लगता है, जैसे इस राज्य के आदिवासियों को जानबूझकर टारगेट किया जा रहा है। विशेष रुप से राजधानी रांची की स्थिति बहुत ही भयावह है। जब राजधानी की स्थिति इतनी भयावह है तो हम सहज कल्पना कर सकते हैं कि पूरे राज्य की स्थिति क्या होगी। सांसद शनिवार को युवा आदिवासी नेता सुभाष मुंडा के आवास पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में बोल रहे थे। सांसद ने कहा कि यह सरकार आदिवासी हितों की रक्षा करने में पूरी तरह से विफल रही है। सांसद ने बताया कि खलारी में एक आदिवासी महिला के साथ अवैध संबंध बनाकर उसे ब्लैकमेल किया गया। इस ब्लैकमेलिंग से महिला बहुत परेशान रही। अब उक्त महिला की संदेहास्पद मौत हो गई, जो कई प्रकार के सवाल खड़े करती है। सुभाष मुंडा जैसे युवा नेता को सरेशाम उनके दफ्तर में आकर गोली मारकर हत्या कर दी जाती है। वहीं आजसू के एक आदिवासी नेता पर जानलेवा हमला होता है। राज्य सरकार से मेरी मांग है कि इन तीनों ही मामले में एसआईटी का गठन किया जाए। फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामले चलाए जाएं और दोषियों को अविलंब फांसी की सजा दी जाए। सांसद ने यह भी कहा कि बेहद दुःखद और दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक तरफ मुख्यमंत्री प्रशासन को कार्रवाई करने की खुली छूट देते हैं और दूसरी तरफ ताबड़तोड़ हत्याएं हो रही हैं।

जीवन के सभी दुःखों को समाप्त कर देती है भागवत कथा : लक्ष्मीकांत शर्मा

रांची। महादेव मंडा मुरहू में श्री मद्भागवत कथा के तीसरे दिन व्यास लक्ष्मीकांत शर्मा ने अपने प्रवचन में कहा कि भागवत कथा जीवन के सभी दुःखों को समाप्त कर देती है। यह कल्पतरु है, जो भी इच्छा रखकर सुना जाता है, उसकी पूर्ति अवश्य हो होती है। मनुष्य की मति के अनुसार ही गति होती है। अतःअच्छे कर्म करना चाहिए, नहीं तो यम के यहां कई तरह से कष्ट दिये जायेंगे। भगवत भक्ति सदैव करते रहना चाहिए, नहीं तो अंतिम समय ईश्वर का नाम जिह्वा पर नहीं आता है। अजामिल नामक ब्राह्मण की कथा सुनाकर उन्होंने समझाया कि अति पापी रहने के बावजूद पुत्र का नाम नारायण रख कर अंतिम समय में उसका उद्धार हो गया। कार्यक्रम में काफी भीड़ उमड़ रही है। मौके पर विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा और उनके प्रतिनिधि काशीनाथ महतो भी मौजूद थे।

सुभाष मुंडा के परिजनों से मिले रघुवर दास

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास आज शनिवार को रांची के दलादिली चौक स्थित सुभाष मुंडा के आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने सुभाष मुंडा के परिवार वालों को सांत्वना भी दिया। रघुवर ने कहा कि सुभाष मुंडा की मां ने बताया कि उनके बेटे की किसी से दुश्मनी नहीं थी। वह बहुत मिलनसार था और

लोगों की मदद के लिए भी तत्पर रहता था। रघुवर दास ने सुभाष मुंडा की हत्या की सीबीआई से जांच कराने की मांग की। कहा कि अपराधियों पर लगाम हेमंत सरकार के बस की बात नहीं है। अब तक अपराधियों की पहचान नहीं हो पायी है, यह दुखद और शर्मनाक है। हेमंत राज में झारखंड में कानून व्यवस्था की स्थिति चौपट हो गयी है। इस सरकार को संगठित गिरोह चला रहे हैं। युवा नेता हो या डीएसपी सभी पर हमले हो रहे हैं। अपराधी वीडियो बनाकर शासन को चुनौती देते हुए व्यापारियों से वसूली कर रहे हैं और सरकार चुप है।

ट्रैफिक एसपी को ग्रामीण एसपी का अतिरिक्त प्रभार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची ट्रैफिक एसपी हारिस बिन जमा को रांची ग्रामीण एसपी के पद का अतिरिक्त प्रभार मिला है। इसे लेकर एसएसपी किशोर कौशल ने शनिवार को आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया है कि बीते 28 जुलाई को ग्रामीण एसपी नौशाद आलम साहेबगंज एसपी के पद पर योगदान देने के लिए चले गये। इनके स्थानांतरण से ग्रामीण

एसपी रांची का पद रिक्त हो गया है। ग्रामीण एसपी रांची के पदस्थापन तक ट्रैफिक एसपी हारिस बिन जमा अपने कार्यों के अतिरिक्त ग्रामीण एसपी के प्रभार में रहेंगे। जब ग्रामीण एसपी का यहां का पदभार नहीं लेते हैं तो तब तक यही यहां बने रहेंगे। श्री जमा ने कहा कि अहमारी पहली प्राथमिकता होगी भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना और अपराधियों पर नकेल कसना। सभी जिला शांत हो सकता है।

आस्था चिन्मय मिशन सप्ताह के अंतिम दिन दिवस की श्रीमद भागवत का आयोजन

भगवान ही सब के सच्चे गुरू हैं : स्वामी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

चिन्मय मिशन, रांची द्वारा आयोजित भागवत सप्ताह के अन्तिम दिवस की कथा भी परंपरानुसार भागवत व व्यास पीठ के पूजन से प्रारंभ हुई। पूज्य स्वामी परिपूर्णानन्द जी ने कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि एक दिन भगवान अपनी सुधर्मा सभा में बैठे थे। तब एक व्यक्ति ने जरासंध द्वारा बनाये गए बंदी की ओर से उनसे प्रार्थना कि ये बंदी उनकी शरण में आना चाहते हैं। युधिष्ठिर की ओर से भी राजसूय यज्ञ में आने का इनको निमंत्रण मिला। भगवान ने सोचा कि जरासंध का उद्धार करने से बंदी भी मुक्त हो जाएंगे और युधिष्ठिर का राजसूय यज्ञ भी सफल हो जायगा। भगवान भीम और अर्जुन को लेकर जरासंध के राज्य में जाते हैं, भीम और जरासंध का मल युद्ध होता है, जरासंध का वध भगवान के निर्देशानुसार उसे दो भागों में चीर कर किया। इस का आध्यात्मिक पक्ष यह है कि जरासंध देहाध्यास हैं, इसका नाश जड़ चेतन

विवेक से ही संभव है। स्वामी जी कथा में शिशुपाल उद्धार, सुदामा प्रसंग, माता देवकी को पुत्र लौटाना, सुभद्रा हरण आदि प्रसंगों को इनके मर्म के साथ समझाते हैं। हमारे शास्त्र कहते हैं कि हमें गुरू से ही ज्ञान प्राप्त होता है। लेकिन कितने ही संत महात्मा हुए, जिन्होंने इस विश्व से ही सब सीख लिया। सच तो यह है कि भगवान ही सब के गुरू हैं और सच्चे गुरू भी वे ही हैं जो हमें ऐसी बुद्धि दे दें, जिससे हम हर चीज से सीखने में समर्थ हो जाएं। अवधूत दत्तात्रेय जी कहते हैं कि उनके 24 गुरु हैं-पृथ्वी, वायु,आकाश, जल, अग्नि, चन्द्रमा, सूर्य, कबूतर, अजगर, समुद्र, पतंग, भौंरा, हाथी, शहद निकालने वाला, हिरन, मीन, पिंगला, वेश्या, कुरर पक्षी,बालक, कुमारी कन्या, बाण बनाने वाला, सर्प, मकड़ी तथा भृंगी कीट। भगवान उद्धव जी से अपनी विभूतियों बताते हुए कहते हैं कि भागवतों में मैं तुम ही हूं। भगवान ने इसके बाद वर्णाश्रम धर्म, ज्ञान व भक्ति का निरूपण एवं सभी प्रकार के योग बताएं । परीक्षित के प्रश्न पर शुकदेव जी महाराज कहते हैं कि सतयुग में तप तथा ध्यान साधन

हमारे शास्त्र कहते हैं कि हमें गुरू से ही ज्ञान प्राप्त होता है। लेकिन कितने ही संत महात्मा हुए, जिन्होंने इस विश्व से ही सब सीख लिया

है, त्रेतायुग में यज्ञ, द्वापर में पूजा तथा कलियुग में केवल भगवान के नाम का आधार है। शुकदेव जी महाराज ने राजा परीक्षित को अंतिम बात बताई कि जो आदमी अपने को मरने वाला सोचता है कि वह मूढ़ बुद्धि, पशु बुद्धि वाला है। परीक्षित जी ने कहा कि अब मैं अत्यंत शांत स्वरूप ब्रह्म में प्रवेश कर चुका हूं, अब मुझे मृत्यु का भय नहीं है। इस तरह भागवत कथा की समाप्ति हुई। आज की कथा में भी श्रद्धालुओं की संख्या से सत्संग हौल भरा हुआ था। स्वामी जी ने मुख्य संयोजक विनोद गढ़यान एवं सह संयोजक राज कुमार टिबड़ेवाल को सम्मानित किया एवं इस महायज्ञ में लगी पूरी टीम को आशीर्वाद दिया।

साई के फॉरेन एक्सपोजर टूर के लिए पहलवान अमित गोप का चयन

रांची। साई के फॉरेन एक्सपोजर टूर के लिए झारखंड के पहलवान अमित कुमार गोप का चयन किया गया है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की ओर से आयोजित चयन प्रतियोगिता में पूरे भारत से 19 खिलाड़ियों चयन हुआ है, जिसमें डे बोर्डिंग कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र के पूर्व प्रशिक्षु व वर्तमान में एनसीओई मुंबई में प्रशिक्षणरत अमित कुमार गोप का चयन भी इस फॉरेन एक्सपोजर टूर के लिए हुआ है। साई द्वारा इस फॉरेन एक्सपोजर टूर सह विशेष कुश्ती प्रशिक्षण का आयोजन 3 अगस्त से 19 अगस्त तक (अजरबैजान) के बाकू में होगा। अमित कुमार गोप की उपलब्धि पर झारखंड राज्य कुश्ती संघ के रवि कुमार (आईएएस), भोला नाथ सिंह, खेल सचिव झारखंड मनोज कुमार, कुश्ती संघ के अध्यक्ष जीशन कमर, खेल निदेशक झारखंड सरोजनी लकड़ा, महासचिव रजनीश कुमार, कोषाध्यक्ष बबलू कुमार, विजय शंकर सिंह, राजीव रंजन (भीम), विजय प्रताप सनातन , सुरजीत झा,अरविंद सिंह, संजीव कुमार झा, धर्मेंद्र सिंह एवं समस्त झारखंड राज्य कुश्ती परिवार और खेल विभाग के पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी है।

पुरुषोत्तम एकादशी पूजन अनुष्ठान कार्यक्रम का आयोजन

भगवान के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

नवीन मेल संवाददाता। रांची

श्री श्याम मंदिर में पुरुषोत्तम माह की चांदनी एकादशी के अवसर पर शनिवार को हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रातः से भगवान के दर्शन के लिए भक्तजन उमड़ पड़े थे। भक्तजन अपनी अरदास के साथ खाटू नरेश के दरबार में मत्था टेक रहे थे। श्री श्याम मित्र मंडल के पहले महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि गोधूलि बेला के पूर्व खाटू नरेश सहित मंदिर में विराजमान लड्डू गोपाल जी, शालिग्राम जी, रिद्धि-सिद्धि, शिव परिवार, हनुमान जी, महाराज प्राचीनतम चित्रों व गुरुजनों का विशेष मनोहारी श्रृंगार किया गया। खाटू नरेश को नवीन बागा वस्त्र पहनाकर सुगंधित लाल गुलाब, रजनीगंधा, मुरगन, लाल-पीला गेंदा, तुलसीदल के फूलों की मोटी

कमला एकादशी महापर्व श्रद्धा व भक्ति भाव से आयोजित

रांची। अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर में शनिवार को श्रावण अधिमास शुक्ल पक्ष की कमला एकादशी महापर्व अत्यन्त श्रद्धा एवं भक्ति भाव से आयोजित किया गया। अधिमास शुक्ल पक्ष की एकादशी का विषेश महत्व होने के कारण प्रातः से मन्दिर में श्री श्याम प्रभु के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ हो गई थी इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को प्रातः नवीन वस्त्र (बागा) पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत कर विभिन्न रंगों के खुशबूदार फूलों गुलाब,

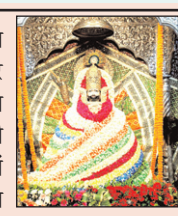

रजनीगंधा, बेला, चमेली व तुलसी दल से मनमोहक श्रृंगार किया गया, साथ ही मन्दिर में विराजमान बजरंगबली एवम शिव परिवार का भी विषेश श्रृंगार किया गया। रात्रि 9 बजे श्री श्याम प्रभु की पावन ज्योत प्रज्ज्वलित कर श्री श्याम मण्डल के सदस्यों द्वारा संगीतमय संकीर्तन का गणेश वन्दना के साथ प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को विभिन्न प्रकार के मिष्ठान, फल, मेवा, केसरिया दूध व मगही पान का भोग अर्पित किया गया।

मोटी फूल मालाओं से सजाकर गुलाब इत्र के विशेष रूप से मसाज किया गया। मंडल के मंत्री श्यामसुंदर शर्मा म के साथ मंदिर के आचार्यों ने सभी गर्भगरहओ की सजावट किया। सुरेश-मंजू डागा ने श्रृंगार सेवा,अन्नपूर्णा सरावगी ने रबड़ी प्रसाद, श्याम लाल अग्रवाल ने बागा (वस्त्र), एक भक्त ने गिरी गोला सेवा निवेदित की। पुरुषोत्तम एकादशी का मुख्य समारोह रात्रि 9:30 बजे प्रारंभ हुआ रातू रोड निवासी सुरेश डागा, मंजू डागा ने खाटू नरेश की अखंड पावन ज्योति प्रज्वलित करके केसरिया पेडा, पंचमेवा, फल, रबड़ी, विभिन्न मिष्ठान, मगही पान का प्रसाद अर्पित कर झारखंड राज्य की खुशहाली की प्रार्थना कर खाटू नरेश के दरबार में मत्था टेका। मंडल के उप मंत्री अनिल नारनोली ने पूजन अनुष्ठान संपन्न करवाया।

शक्ति मंदिर में पांच जोड़े 30 जुलाई को बंधेंगे विवाह बंधन में

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। शहर के जोड़ाफाटक स्थित शक्ति मंदिर में श्री श्री भगवती जागरण कमेटी की ओर से पांच जोड़ों का सामूहिक विवाह 30 जुलाई रविवार को होगा. इसके पहले 29 जुलाई शनिवार को मेंहदी और संगीत की रस्म अदाकी गई. 30 जुलाई को विवाह समारोह में पश्चिम बंगाल से तीन दूल्हा और दो दुल्हन, बिहार से एक दुल्हन जबकि धनबाद से चार दूल्हा-दुल्हन की शादी होनेवाली है. मंदिर कमेटी के सह-सचिव सुरेंद्र अरोड़ा ने बताया कि शक्ति मंदिर में पांच जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया जा रहा है. 30 जुलाई को दूल्हा-दुल्हन सुसज्जित टोटो पर सवार होंगे व बैंड- बाजे के साथ बारात निकाली जाएगी. बारात पुराना बाजार, हावड़ा मोटर, टेलीफोन एक्सचेंज रोड, जोड़फाटक से होकर साजदेव भवन होती हुई मंदिर पहुंचेंगी. यहां विधि-विधान के साथ अलग-अलग मंडप में विवाह संपन्न होगा. विवाह समारोह का सारा खर्च मंदिर के दानदाताओं के सहयोग से हो रहा है. इनकी होगी शादी : बलियापुर के मुकुंदा निवासी लालबाबू बाउरी सिंदरी के मनोहरटांड़ निवासी अनिता कुमारी, धनबाद के कुसुंडा निवासी शिव कुमार तांती बिहार खगड़िया की तुलसी कुमारी, जबकि पश्चिम बंगाल के पुरुलिया निवासी जितेन बाउरी बंगाल के ही पुरुलिया की पूजा बाउरी, पुरुलिया के दीपक बाउरी धनबाद के बलियापुर की संगीता बाउरी व पुरुलिया के सौरोजीत वर्दवान की पायल बाउरी के साथ विवाह सूत्र में बंधेंगे.

दो पक्षों के बीच मारपीट, दो घायल

हजारीबाग। हजारीबाग के पदमा थाना क्षेत्र स्थित महकोल में शनिवार को दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई. इसमें दो लोग घायल हो गए. महकोल निवासी बसंत सोनी और बड़े भाई नरेश सोनी घायल हुए हैं. उनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है. इस संबंध में बसंत सोनी ने बताया कि 2021 में प्रधानमंत्री आवास मिला था. उसी मकान का काम चल रहा था. इसी बीच गांव के दो युवक कार्यस्थल पर पहुंचे और दो लाख रुपए रंगदारी की मांग करने लगे.

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

बरही । जवाहर घाटी पुल के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मोटरसाइकिल संख्या जेएच 02 एम 6577 दुर्घटना ग्रस्त हो गई. जिसमे बाईक सवार आशीष कुमार उम्र 27 वर्ष पिता भवानी महतो ग्राम चानो थाना मुफ्फसिल की मौत हो गई. सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम हेतु शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हजारीबाग भेजा गया उनके परिजनों को सूचित किया गया ।

पत्थर से कूचा हुआ महिला का शव बरामद

हजारीबाग। हजारीबाग के कटकमदाग थाना क्षेत्र स्थित कूद वार्ड नंबर-24 में पंचायत भवन के पास एक महिला का शव पुलिस ने बरामद किया. महिला की पहचान कूद निवासी राजू रविदास की 40 वर्षीया पत्नी मुनिया देवी के रूप में हुई है. वहीं शव मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई. मौके पर कटकमदाग थाना प्रभारी धनंजय प्रजापति पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. इधर परिजनों का कहना है कि मुनिया देवी की हत्या किसी पत्थर से कूच कर की गई है. उसके साथ दुष्कर्म भी किया गया है. जल्द से जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर फांसी दी जाय. इस संबंध में कटकमदाग थाना प्रभारी ने बताया कि जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा. पुलिस मामले की जांच कर रही है. कई सबूत भी घटनास्थल से बरामद किए गए हैं. उसे जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि घटना को अज्ञात अपराधियों ने अंजाम दिया है. महिला का शव देखने से लग रहा है कि उसकी हत्या हुई है.

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत

बरही। चौपारण के सियारकोनी में जीटी रोड के पास आज सड़क हादसा हो गया. जिसमें बाइक सवार युवक की मौत हो गयी. मृतक की पहचान ठाकुर मुहल्ला निवासी राहुल कुमार (22 वर्षीय) के रूप में हुई है. घटना की सूचना पाकर चौपारण पुलिस मौके पर पहुंची और शव को एनएचएई की एंबुलेंस से सीएचसी चौपारण भेजा. वहां कुछ देर एंबुलेंस रोके जाने से अस्पताल और एंबुलेंस कर्मियों में नोकझोंक भी हुई. इधर मृतक की मां, भाई और परिजनों का रो-रोक हाल बेहाल था. चौपारण के पूर्व मुखिया ने परिजनों से मुलाकात की और ढांढ़स बांधा. घटना के संबंध में बताया जाता है कि बाइक सवार युवक शनिवार को अपने घर चौपारण से छोटे भाई के लिए खाना लेकर सियारकोनी जा रहा था. उसी वक्त चौपारण की ओर जा रहे तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को पीछे से ठोकर मार दी. जिससे बाइक सवार युवक डिवाइडर से टकराया और फिर बीच सड़क पर जा गिरा. सड़क पर क्षतत-विक्षत शव को देखकर यह माना जा रहा है कि जब वह बीच सड़क पर गिरा होगा, तब पीछे से आ रहे वाहन ने उसे कुचल डाला.

ट्रेन से कट कर अज्ञात व्यक्ति की मौत

जमशेदपुर। चाकुलिया स्टेशन में शनिवार की सुबह प्लेटफॉर्म नंबर के डाउन लाइन पर फुटओवर ब्रिज (एफओबी) के समीप रेलवे ट्रैक पर अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया गया है. शव कई टुकड़ों में बिखरा पड़ा था. सूचना पाकर जीआरपी घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में कर लिया है. जीआरपी के पदाधिकारी ने बताया कि किसी ट्रेन की चपेट में आकर व्यक्ति की मौत हुई है. मृतक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है.

पिता ने की पुत्र की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले की गोइलकेरा थाना क्षेत्र के कदमडीहा गांव के ईचागुटू टोला में एक पिता ने अपने पुत्र की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी. घटना शुक्रवार देर रात की है. बताया जाता है कि कदमडीहा पंचायत की कदमडीहा गांव के ईचागुटू टोला निवासी 60 वर्षीय मांगता सुरीन की उसकी पत्नी मुक्ता सुरीन से विवाद हो गया. इस बीच मांगता सुरीन ने घर में रखे एक कुल्हाड़ी को उठा लिया और पत्नी मुक्ता सुरीन पर वार करने की कोशिश की. इस बीच 21 वर्षीय पुत्र तुराम सुरीन जब बीच बचाव करने आया तो मांगता सुरीन ने अपने पुत्र तुराम सुरीन के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया. इससे तुराम सुरीन की मौत हो गई.

अवैध जलमीनार की सामग्रियां जब्त

गिरिडीह। वन विभाग की टीम ने 28 जुलाई की रात तिसरी प्रखंड के खटपोंक पंचायत के चंदवापहरी में जंगल सीमांकन के अंदर नल-जल योजना द्वारा अवैध रूप से स्थापित किए गए जलमीनार पर कार्यवाई करते हुए पानी टंकी, सोलर, सबमर्सिबल, पाइप आदि जब्त किया है. वन क्षेत्र पदाधिकारी अनिल कुमार के निर्देश पर प्रभारी वनपाल अभिमित राज के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने यह कार्यवाई की है. इस दौरान वन विभाग के अधिकारियों को ग्रामीणों का विरोध भी झेलना पड़ा. बताया जाता है कि चंदवापहरी गांव में वन भूमि पर बगैर एनओसी के जलमीनार और पाइप लगाया गया था. यह स्थल सब बिट केंदुआ के अन्तर्गत आता है. वहीं कार्रवाई के बाद वन विभाग ने उक्त समानों को जब्त कर लिया और बिट कार्यालय तिसरी ले आई. टीम में वन उपपरिसर पदाधिकारी अशोक कुमार, मुकेश कुमार, दिनेश दास, पप्पू शर्मा आदि शामिल थे.

कांवरियों का जत्था बाबा धाम के लिए रवाना

जमशेदपुर। चाकुलिया से कांवरियों का एक जत्था शनिवार को बाबा धाम के लिए रवाना हुआ. रवाना होने के पूर्व कांवरियों ने नागानल मंदिर और चंडेश्वर शिव मंदिर में पूजा अर्चना की. पुजारी वृहस्पति ने कांवरियों से पूजा-अर्चना कराई. इसके बाद सभी ट्रेन से सुल्तानगंज के लिए रवाना हुए. सुल्तानगंज से कांवर लेकर सभी बाबा धाम जाएंगे और जलाभिषेक करेंगे. कांवरियों के इस जत्थे में बबलू शुक्ला, बिप्लव दास, कालीचरण दास, चंडी दास, शिबू दास, उत्तम दास, अशोक पांडा, जतिंद्र पातर, सुखदेव शर्मा, बालकृष्णा लोधा, बापी महाकुड़, उमंग शर्मा, मुकेश शर्मा आदि शामिल हैं.

चाईबासा : विद्यालय की छात्राओं ने बाल विवाह रोकथाम की ली शपथ

चाईबासा। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, खूंटपानी में विद्यालय में बाल विवाह पर जागरूकता कार्यक्रम को आयोजन किया गया. स्कूल की वार्डन कैक्टस लिली सिंकु के अध्यक्षता में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन के सौजन्य से एक्सेस टू जस्टिस प्रोग्राम के तहत ह्लकलामंदिरह्व संस्था द्वारा कार्यक्रम आयोजित की गई. जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पांडरासाली ओपी थाना के प्रभारी सत्यम कुमार ने बच्चों को बाल विवाह से होने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी दी. उन्होंने बताया कि बाल विवाह एक अपराध है और इस अपराध में शामिल होने वाले सभी अपराधी होते हैं. बाल विवाह रोकथाम के लिए जन जागरूकता कर बाल विवाह को समाप्त किया जा सकता है. सभी समाज के लोगों को जागरूक होने की आवश्यकता है.

डुमरी में सौहार्दपूर्ण वातावरण में मना मुहर्रम

दर्जनों जगहों से निकाला गया ताजिया, पुलिस प्रशासन की दिखी मुस्तैदी

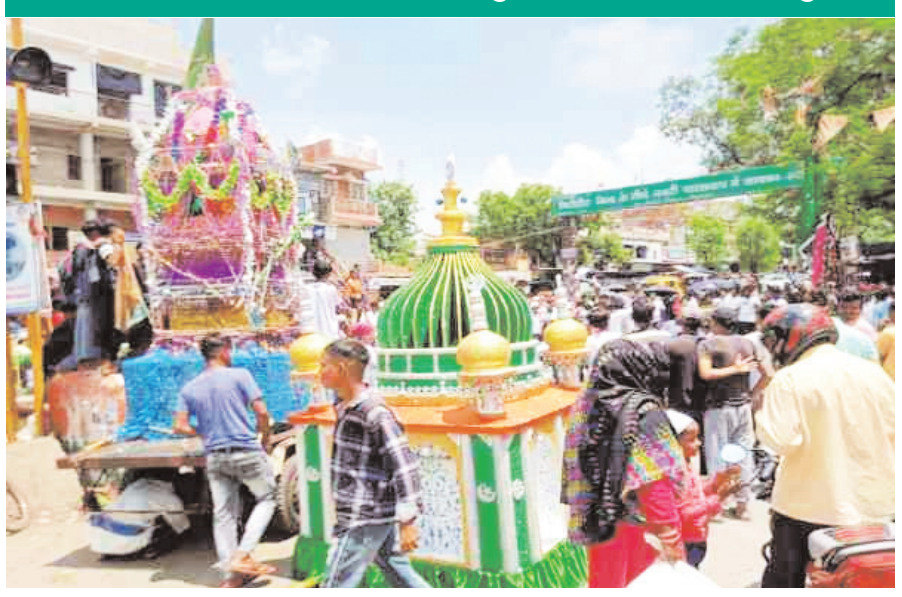

नवीन मेल संवाददाता

गिरिडीह। डुमरी प्रखंड के सभी क्षेत्रों में 29 जुलाई को मुहर्रम शांति और सौहार्द के साथ मनाया गया. कई स्थानों पर मेला का आयोजन किया गया. वहीं दूसरी ओर जामताड़ा पंचायत में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने दर्जनों ताजिया के साथ जुलूस निकाला और उसे लेकर वनांचल चौक पहुंचे. चौक पर युवाओं ने लाठी, तलवार, के साथ अन्य कला का प्रदर्शन किया. डुमरी प्रखंड के इसरीबाजार, रांगामाटी, बड़कीटांड़, लक्ष्मणटुंडा, बीरपोक डुमरचुटियो, नावाटांड़ असनासिंघा, चीनो समदा सहित दर्जनों गांवों में इमामबाड़ा से ताजिया निकालकर कर्बला तक ले गए. इस दौरान क्यूम अंसारी, समशुद्दीन अंसारी, गुड्डु मलिक, शमीम अंसारी, सोनू सोहेल, सैफ खान आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे. इस दौरान स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा प्रखंड के सभी सार्वजनिक स्थानों पर मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बलों की तैनाती की गई थी. एसडीएम प्रेमलता मुर्मू, एसडीपीओ मनोज कुमार, सीओ धनंजय गुप्ता, बीडीओ सोमनाथ बंकिरा, इंस्पेक्टर परमेश्वर लेयांगी, निमियाघाट थाना प्रभारी साधन कुमार, डुमरी थाना प्रभारी पवन कुमार स दलबल के साथ दिनभर मॉनिटरिंग करते रहे.

जमुआ : अखाड़ों में लोगों ने दिखाए करतब

गिरिडीह। मुहर्रम को लेकर जमुआ प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में ताजिया निकाला गया. वहीं युवकों ने अखाड़ा में शांति पूर्वक माहौल में एक से बढ़कर एक कला का प्रदर्शन किया. इस दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने को सभी संवेदनशील स्थानों पर अंचलाधिकारी, बीडीओ व जमुआ थाना प्रभारी सहित पुलिस बल की मौजूदगी रही. इधर जमुआ चौक पर काजीमगहा, खुर्दमगहा के लोगों ने अखाड़ा लगाया. जमुआ के बरदबटिया कर्बला मैदान में होजरी क्लब पतरोगुंडी, अमन स्टार क्लब बरद बटिया, सहारा स्पोर्ट्स क्लब बरद बटिया और गौसुल वारा टीम परतापपुर की टीम ने खेल में भाग लिया. इस दौरान जमुआ सीओ द्वारिका बैठा, थाना प्रभारी बिपिन कुमार, प्रतापपुर पंचायत समिति सदस्य गफूर अंसारी, मुखिया शुकदेव यादव, जलाल अंसारी, रुस्तम अंसारी, सफीक अंसारी, रकीब अंसारी, समसुल अंसारी, नईम अंसारी, फिरोज कादरी, मोहम्मद इरफान, मंजूर अंसारी, सहित सैकड़ों लोग शामिल थे. वही प्रखंड क्षेत्र में केंदुआ, कोयलखा, घोरजों, बाडाडीह, खरगडीहा, चकमन्जो, धरधरो, रेम्बा, धुरेता, चुंगलो सहित कई गावों में ताजिया कर अखाड़ा लगाया गया.

बरजो में हिन्दुओं ने उठाया ताजिया

गिरिडीह। धनवार थाना क्षेत्र में मुहर्रम का त्यौहार विभिन्न गांवों में शांति पूर्ण माहौल में मनाया जा रहा है. इस मातमी त्योहार में धनवार थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव में ताजिया निकाली गई. वही युवकों ने अखाड़ा में युद्ध कला का प्रदर्शन किया. मुहर्रम को लेकर धनवार प्रशासन की ओर से सभी संवेदनशील स्थानों पर अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, थाना प्रभारी, सभी ओपी प्रभारी सहित पुलिस बल की मौजूदगी रही. इधर धनवार के बरजो में इस्लामिया क्लब बरजो की ओर से अखाड़ा लगाया गया. इसमें ताजिया उठाने वालों में हिंदू परिवार के लोग शामिल थे. इधर पहाड़पुर मैदान में दूल्हो, बनगडगी, कोनडराटाड का ताजिया लाया गया, जहां मेले का आयोजन किया गया था. वहां हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों ने हथियारों से करतब दिखाए. कोडाडीह मोड में चुजखो चेचाइडीह का ताजिया निकाला गया. इस दौरान पिंकू सिन्हा, महेंद्र विश्वकर्मा, सुभाष यादव, मोहम्मद सफदर अली, हेमंत सिन्हा, धर्मेंद्र राणा सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे.

चक्रधरपुर : मुहर्रम की नवमी पर निकला जुलूस, अखाड़ा में युवाओं ने किया करतब

चाईबासा। मुहर्रम की नवमी का अखाड़ा जुलूस शनिवार सुबह शहर में निकला. चक्रधरपुर शहर के विभिन्न इमामबाड़ा से जुलूस निकल कर पवन चौक पहुंचा. जहां ढोल-ताशों के साथ अखाड़ा कमेटी में शामिल युवाओं ने खेल का प्रदर्शन करते हुए एक से बढ़कर एक करतब दिखाए. जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे. यहां शहर के दंदासाई, मिल्लत कॉलोनी, वार्ड संख्या 10, चांदमारी, लोको कॉलोनी समेत अन्य इमामबाड़ा से जुलूस पहुंचा था. शनिवार शाम में पुनः सभी इमामबाड़े से जुलूस निकाला जाएगा. इधर मुहर्रम को लेकर चक्रधरपुर के पवन चौक व इमामबाड़ा के समीप दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई थी.

सांसद ने किया तितलीघाट-बहदा सड़क का शिलन्यास

भ्रष्टाचार नहीं होगा बर्दाश्त : गीता कोड़ा

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपुर। सारंडा का सबसे विवादित एवं चर्चित तितलीघाट चौक से बहदा तक लगभग पांच किलोमीटर लंबी ग्रामीण सड़क व वहीं, ओम्बाबाई नाला पर बनने वाली पुलिया का निर्माण कार्य का शिलान्यास सांसद गीता कोड़ा एवं विधायक सोना राम सिंकु ने शनिवार को संयुक्त रुप से किया. इस सड़क का शिलान्यास होते ही सारंडा के बहदा, तितलीघाट, कुमडीह, कोलायबुरु, कुदलीबाद आदि गांवों के ग्रामीणों में खुशी एवं जश्न का माहौल देखा गया. सबसे ज्यादा खुशी बहदा एवं तितलीघाट के ग्रामीणों में देखी गई. इस सड़क एवं पुल का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग से मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत लगभग 5.23 करोड़ की लागत से होगा. इस अवसर पर सांसद गीता कोड़ा ने

कहा कि आजादी के पहले से लेकर आज तक बहदा समेत अन्य गांवों के लोग बारिश के मौसम में अपने-अपने गांवों में टापू की तरह जीवन बिताने को मजबूर रहते थे. नदी-नाला में पानी भरने के कारण इन गांवों का सम्पर्क अन्य शहरों एवं तमाम सुविधा वाले स्थानों से कट जाता था. ग्रामीण सरकारी राशन लेने दूसरे गांव, बीमार मरीजों का इलाज कराना अस्पताल, अन्य कार्यों से प्रखंड, पंचायत व जिला मुख्यालय नहीं जा पाते थे. उन्होंने कहा कि गांव स्थित स्कूल में शिक्षक पढ़ाने नहीं जा पाते थे. इससे बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा था. हालांकि विलंब से ही सही लेकिन अब यहां सड़क का निर्माण होगा. गांव में तमाम प्रकार की विकास योजनाएं इस सड़क के रास्ते पहुंचने लगेगी. इस सड़क के अलावे सारंडा के उसरुईया पुल, राजाबेड़ा पुल एवं सड़क आदि का भी निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ है. सरकार से बातचीत, संघर्ष के बाद काफी प्रयास से सारे विकास योजनाओं की स्वीकृति दिलाकर पूरे क्षेत्रों में विकास योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया जा रहा है. यह सड़क गुणवत्ता पूर्ण व टिकाऊ बने, मजदूरों को उचित मजदूरी मिले, अन्यथा विरोध होगा. भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जायेगा. मौक पर उपस्थित विधायक सोनाराम सिंकू ने कहा कि सड़क लंबे संघर्ष के बाद सांसद के प्रयास से बन रहा है. गांव के मजदूरों को ही काम पर ठेकेदार रखे ताकि उन्हें रोजगार मिल सके. यह सड़क समय पर पूर्ण हो ताकि ग्रामीणों को तमाम समस्याओं से मुक्ति मिल सके.

तेलो में एक अगस्त से रुकेगी दुमका-राची इंटर सिटी एक्सप्रेस

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। दुमका रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव पुनः नियमित होने पर 29 जुलाई शनिवार की सुबह नौ बजे तेलो रेलवे स्टेशन पर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने समारोह आयोजित किया. समारोह में दुमका-रांची इंटर सिटी ट्रेन के पायलट जी एन झा, सह पायलट प्रभु कुमार व गार्ड अशोक कुमार को माला पहना कर स्वागत किया गया. ट्रेन आज शनिवार को ट्रायल के रूप में यहां रुकी थी. मुख्य अतिथि मध निषेध मंत्री बेबी देवी, नव निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष गणेश बरनवाल, झामुमो नेता योगेंद्र महतो, अर्जुन पंडित, संतोष सिंह, फानु तूरी, अशोक कर्मकार सहित दर्जनों गणमान्य लोगों ने पायलट एवं गार्ड का स्वागत किया. इस मौके पर मंत्री बेबी देवी ने कहा कि पूर्व मंत्री जगरनाथ महतो के प्रयास से दुमका-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव तेलो रेलवे स्टेशन पर हुआ था. परंतु कोरोना काल में ठहराव बंद कर दिया गया था, जिससे इस क्षेत्र की बडी आवादी को ट्रेन के अभाव में समस्या हो रही थी. ट्रेन के ठहराव को लेकर उनके पति जगन्नाथ महतो ने रेलवे को पत्र लिखा था. आज उन्हें खुशी है कि दुमका रांची इंटर एक्सप्रेस ट्रेन अब फिर 1 अगस्त से तेलो स्टेशन पर रुकेगी. दर्जनों गांवों की बड़ी आबादी के लिए यह ट्रेन बोकारो, रांची के अलावा गोमो, धनबाद, देवघर जाने के लिए सुविधाजनक है. सूचना मिलते ही गोमो आरपीएफ पोस्ट के पदाधिकारी, सब इंस्पेक्टर शकीला आलम, एएसआई प्रेमा खेश, एएसआई (बी बीट) नवीन कुमार,सुनील कुमारआदि पहुंचे.

श्रद्धांजलि टाटा स्टील ने मनाई जेआरडी टाटा की 119वीं जयंती, कई कार्यक्रमों का आयोजन

वॉकथॉन में लगभग 400 लोगों ने लिया भाग

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा स्टील द्वारा शनिवार को भारत रत्न जेआरडी टाटा की 119वीं जयंती मनाई गई. जिसमें उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई. इस अवसर पर टाटा स्टील द्वारा शहरवासियों के लिए वॉकथॉन, एयरो मॉडलिंग शो और अन्य कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. टाटा स्टील और अन्य समूह कंपनियों के गणमान्य व्यक्तियों और कर्मचारियों द्वारा जमशेदपुर के सोनारी हवाई अड्डे और विभिन्न अन्य स्थानों पर जेआरडी टाटा को श्रद्धांजलि दी गई. टाटा स्टील खेल विभाग द्वारा जेआरडी टाटा की जयंती पर वॉकथॉन का आयोजन किया गया. जिसमें शहरवासियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया. इसमें सभी उम्र के लोगों की भागीदारी रही. इस दौरान जेआरडी स्पोर्टस कंप्लेक्स के अंदर ही लोगों ने लगभग तीन किलोमीटर चहलकदमी की. वॉकथॉन में लगभग 400 लोगों ने भाग लिया, जिसमें अस्मिता दोरजी (एवरेस्ट पर्वतारोही), संतोष वर्गीस (पूर्व भारतीय एथलेटिक कोच), मुकुल विनायक चौधरी, चीफ स्पोर्ट्स टाटा स्टील और हेमंत गुप्ता, हेड स्पोर्ट्स टाटा स्टील उपस्थित थे. वॉकथॉन में पुरुष वर्ग में रामलखन दास प्रथम, मुकेश कुमार द्वितीय और संजीव को तीसरा स्थान प्राप्त हुए. वहीं महिला वर्ग में पूजा कुमारी प्रथम, लिप्सा द्वितीय और सुप्रिया बेसरा तीसरे स्थान पर रही. बच्चों के वर्ग में काव्यांश श्रीवास्तव प्रथम, हर्षमिल दक्ष द्वितीय और तीसरे स्थान पर सात्विक कुमार रहें. जेआरडी टाटा जयंती कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण गोपाल मैदान में एयरो मॉडलिंग शो रहा. इस अवसर पर बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे. एयरो मॉडलिंग शो में इंटरैक्टिव डिस्प्ले और नाइट्रो इंजन, टरबाइन इंजन और इलेक्ट्रिक इंजन से लेकर विभिन्न आकार और प्रकार के मॉडल विमानों की शानदार प्रदर्शनी दर्शकों के लिए लगाई गई थी. शो में जमशेदपुर और कोलकाता की टीमें शामिल थी. शो के दौरान विमानों और अन्य मॉडलों का स्थिर प्रदर्शन किया गया जबकि फन क्यूब, स्लो स्टिक और ट्विन इलेक्ट्रिक जैसे विमान उड़ाए गए. एयरो मॉडलिंग शो में विभिन्न छोटे-छोटे उड़ते विमानों की कालाबाजी देख कर उपस्थित दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए.

मुहर्रम : इमाम हुसैन की याद में निकाला ताजिया जुलूस

नवीन मेल संवाददाता

बरही । मुहर्रम का जुलूस शांतिपूर्ण संपन्न हुआ. संध्या होते ही सड़को पर जुलूस नजर आने लगे जो देर संध्या तक चला. इस दौरान विभिन्न अखाड़ों के नवयुवकों ने अपने करतब दिखाए. कोनरा का चंद्रयान-3 मिसाईल दिखाता हुआ जुलूस एक बार फिर चर्चा में रहा. ताजिया जुलूस शांतिपूर्ण संपन्न करवाने के लिए एसडीओ पूनम कुजूर,एसडीपीओ नाजिर अख्तर, बीडीओ सी आर इंदीवर, सीओ अरविंद देवाशीष टोप्पो, एमओ डॉ मुकेश सिंह, सीआई सतीश कुमार, डॉ बीपीएम दीपक कुमार तत्पर रहे. मौके पर डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी अपने मेडिकल टीम पी ज्ञानी, डॉ पी कुमार, डॉ अमन कुमार, कुलदीप कुमार, नरेश प्रजापति, अमित कुमार सिंह आदि के साथ मौजूद थे. इसके साथ ही मुखिया शमशेर आलम, जेएमएम विस प्रभारी बिनोद विश्वकर्मा, सदभावना विकास मंच के राज सिंह चौहान, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी, पूर्व मुखिया छोटन ठाकुर आदि सहित कई समाजिक कार्यकर्ता और प्रबुद्धजन मौजूद थे. शांति व्यवस्था कायम करने के लिए रेप और जैप के कई जवान लगाए गए थे. दुलमहा, रसोईयाधमना, मलकोको, भंडारों, बरसोत आदि पंचायतों में भी देर शाम तक जुलूस में युवकों ने करतब दिखाए.

बरकट्ठा में मुहर्रम को लेकर मेला का आयोजन

युवाओं ने कला कौशल का किया प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र में मुहर्रम का पर्व शनिवार को अकीदत के साथ मनाया गया। दशमी को बरकट्ठा के ग्राम कोनहराखुर्द स्थित रैनटांड मैदान और शिलाडीह में मेला का आयोजन किया गया। जिसमें कोनहराखुर्द स्थित रैनटांड मैदान में, बरकट्ठा डीह, कोनहराखुर्द मजार शरीक, बरकट्ठा बाजार, बरवां एवं नया खाप ग्राम के लोग निशान, ताजिया लिए गाजेबाजे के साथ शामिल हुए। विभिन्न अखाड़ों के साथ पहुंचे नूरी क्लब, स्टार क्लब, ताज क्लब, गुलशन क्लब, आजाद क्लब के खिलाड़ियों के द्वारा एक से बढ़कर एक अस्त्र शस्त्र के साथ अपने कला कौशल का प्रदर्शन किया। रैनटांड मैदान में आयोजित मेले में खेल तमाशे, झूला, मिठाई, चाट, आइसक्रीम की दूकान लगाई गई। मेला देखने दर्जनों गांव से महिला, पुरुष और बच्चे हजारों की संख्या में सपरिवार पहुंच कर आनंद उठाया। दशमी की शाम को कोनहराखुर्द स्थित कर्बला में मुस्लिम धर्मावलम्बियों ने पहुंचकर फातिहा कराते हुए क्षेत्र में अमन-चैन के लिए दुआएं मांगी. मौके पर बरकट्ठा के मो यासिन खान, मो कलीम खान, मौलवी मो मेराज खान, नसीम खान, गफ्फार खान, जसीम खान, सत्तार खान, बबलू खान, सन्नी खान, हाजी मो फहीम, पूर्व मुखिया मोइन अंसारी, मुख्तार अंसारी, इसराइल अंसारी, रोजन मियां, अजीज अंसारी, सुल्तान अंसारी, इकबाल अंसारी, अनवर हुसैन, मो इमरान, खलील अंसारी, अब्दुल शकूर अंसारी, आजाद अंसारी, बबुनी मियां समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित थे। बरकट्ठा के अलावे मुहर्रम पर्व पर प्रखंड क्षेत्र के ग्राम कोनहराखुर्द, कोनहराकला, शिलाड़ीह, बंड़ासिंघा, कलहाबाद, जमुआ, बेड़ोकला, घंघरी, तरबेचवा, गोरहर में भी जुलूस निकाला गया।

विनोद प्रगतिशील फाउंडेशन ने लगाया सेवा शिविर

बरही । मुहर्रम के ताजिया जुलूस के अवसर पर बरही चौक पर विनोद प्रगतिशील फाउंडेशन की ओर सेवा शिविर लगाया गया. शिविर के माध्यम से जुलूस में शामिल श्रद्धालुओ और दर्शकों को शरबत की सेवा दी गई. इस कार्य में फाउंडेशन के सदस्यों के साथ कांग्रेस के कई वरिष्ठ कार्यकर्ता जनप्रतिनिधि शामिल रहे. वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रघुनंदन गोप ने कहा कि बरही में मुहर्रम बरसों से हिंदू मुस्लिम स्वभाव की खुशबू बिखेरता आया है. अध्यक्ष मंजीत यादव ने बताया कि फाउंडेशन साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रयासरत रहा है. आगे भी जनहित में कई योजनाएं चलाई जाएगी. इस शिविर में वरिष्ठ पदमा के केदार यादव, कांग्रेसी कुणाल कटरियार, यमुना यादव, नरेश सिंह, शरीफुल हक, देवचंद यादव, प्रमोद सिंह, सुशील केसरी उर्फ नुनु, गाजो यादव, मनोहर यादव, करियातपुर मुखिया मनोज कुमार, मोहन प्रजापति, टिंकू केसरी आदि सहित कई लोग उपस्थित थे.

रामगढ़ में मना मुहर्रम, निकाला जुलूस

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। शहर सहित जिलाभर में शनिवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में मुहर्रम मनाया। यह त्योहार मुस्लिम समुदाय के लोग कर्बला के मैदान में हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में मनाते हैं। इस मौके पर शहर में विभिन्न अखाड़ों की ओर से आकर्षक ताजिया के साथ जुलूस का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। जुलूस में शामिल लोग आकर्षक कर्तब दिखाते चल रहे थे। वहीं, मुहर्रम को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के मुख्ता इंतजाम किये गए थे और सभी प्रमुख चौक चौराहों पर सुरक्षाबलों को तैनात किया गया था। ताकि मुहर्रम का जुलूस शांतिपूर्ण तरीके सं संपन्न हो।

हिंदू कल्याण समिति ट्रस्ट ने पेयजल और अल्पाहार का किया व्यवस्था

नवीन मेल संवाददाता

बरही । मुहर्रम के अवसर दुलमाहा गांव में हिन्दू कल्याण समिति ट्रस्ट ने सेवा शिविर का आयोजन किया. जिसके तहत ताजिया जुलूस में शामिल लोगो को शीतल पेयजल और अल्पाहार दिए गए. वरिष्ठ समाजसेवी जितेंद्र गिरी ने बताया कि दुलमहा के लोग शांतिप्रिय है और सौहार्द वातावरण में सभी त्योहार मनाते रहे है. पिछले कुछ अवसरों पर कुछ शरारती तत्वों ने दुलमहा को बदनाम करने की साजिश रची थी. जिसे हम सबों ने नकार दिया. इस गांव में किसी भी प्रकार की जातिगत दुर्भावना नही है. हिंदू हो या मुस्लिम सभी एक दूसरे के त्योहार मिलकर खुशियों के साथ मनाते है. सेवा शिविर में मुखिया नारायण यादव, पुर्व पंसस सह ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष जीतेन्द्र गिरी, हिन्दू कल्याण समिति ट्रस्ट के अध्यक्ष कमल शंकर पंडित ,सचिव दिनेश राणा, सागर कुमार,प्रभु यादव, अनिल साव, मो बेलाल, मो इस्लाम, मो मिनहाज मो जावेद, मो इरफान, रंजीत पंडित आदि उपस्थित थे.

आज गरजामो में जलसा का आयोयन, 12 गांव के लोग करेंगे शिरकत

बरही । तंजीम तालीम इस्लाम गरजामू नवयुवक संघ के सौजन्य से रविवार को डपोक पंचायत के गरजामु में आलीशान जलसा का आयोजन किया जा रहा है. जानकारी देते हुए युवा समाजसेवी मो महताब बताया कि जलसा में सुबह में महिलाओ व बच्चो की तालीम, इरतदाद के बढ़ते जराइम की रोकथाम पर चर्चा होगी. साथ ही बच्चों के बीच क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा. विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा. इस प्रतियोगिता में 12 विभिन्न गांव के बच्चे भाग लेंगे. रात में इस्लाहे मुशायरा कांफ्रेंस होंगे. जिसमें मुफ़्ती मुजाहिद हुसैन मिस्बाही, मुफ़्ती जसीम अहमद मिस्बाही, साहिबान की शदारत होगी.

ताजिया जुलूस मेला का आयोजन, शांति के साथ त्योहार मनाने की अपील

बुराइयों को त्यागने का ले संकल्प : मो कयूम

नवीन मेल संवाददाता

बरही । मुहर्रम के मौके पर डपोक पंचायत अंतर्गत गरजामु में ताजिया जुलूस मेला का आयोजन किया गया. जिसका शुभारंभ अल्पसंख्यक महाकल्याण मोर्चा के अध्यक्ष मो कयूम ने फीता काटकर और लाठी धुन कर किया. उपस्थित लोगों से शांति और सद्भावना के साथ ताजिया जुलूस देखते हुए मेले का लुत्फ उठाने की अपील किया. मो अंसारी ने कहा कि मुहर्रम त्याग और बलिदान का प्रतीक है. ऐसे नेक अवसर पर हम सबों को बुराइयों का त्याग करने की शपथ लेनी चाहिए. मेले में विभिन्न गांव के हजारों दर्शक पधारे थे. इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि डोमन पांडेय, उप प्रमुख देवलाल कुशवाहा, उप मुखिया सुखदेव यादव,, अर्जुन दास, मो मंसूर अंसारी, हाजी हासिम साहब, मंसूर आलम, मुख्तार मियां, इलियास मियां, डॉ समीम आदि सहित कई लोग मौजूद थे.

किसानों को नहीं मिला 14वीं किस्त की राशि

नवीन मेल संवाददाता

बरही । प्रधानमंत्री सम्मान निधि की चौदहवीं किस्त किसानों को जारी की जा चुकी है. ई केवाईसी में जिले में अव्वल रहने के बाबजूद भी बरही प्रखंड में एक भी किसान को इसकी राशि नही प्राप्त हुई. उक्त बाते बीटीएम राकेश कुमार ने बताया. उन्होंने बताया की दस हजार लाभुक किसान में करीब छह हजार किसानों का ई केवाईसी किया गया. 3200 किसानो का नया लैंड सीडिंग हुआ. इसके लिए दो दिन पूर्व जिला की बैठक में बरही प्रखंड की ताली बजाकर वाहवाही की गई. दिन रात एक कर ई केवाईसी किया गया. बाबजूद किसानो को मायूसी मिली. जो अत्यंत कष्टकारी है. सीओ ने बताया पूछे जाने पर के सीओ अरविंद देवाशीष टोप्पो ने बताया कि क्रॉस सत्यापन किए जा रहे है. कई किसानो का गलत ई केवाईसी का भी मामला सामने आया है. इसके लिए कुछ दिन पूर्व पीएम किसान की टीम ने प्रखंड आकर सत्यापन करने का कार्य किया था. सत्यापन रैंडमली किए जा रहे है. सत्यापन के बाद शीघ्र ही राशि हस्तांतरित की जाएगी. गरीबकन के के पूछो हई, सहेबन के पेटा भरेल चाही : पीएम किसान सम्मान निधि का पैसा नहीं आने से मायूस

किसान बेंदगी की मसोमात मुद्रिका देवी ने अपने गंवई अंदाज में बताया कि 'सहेबन के पेटा भरेल चाहि, गरीबकन के के पूछो हई !' वही पड़रिया के इंदर यादव ने बताया कि वह परेशानी उठाकर ई केवाईसी करवाए. महाजन को बीज का पैसा देना था. सब बेकार हो गया. **जिप उपाध्यक्ष ने कहा :** संबंधित मामले में पूछे जाने पर जिप उपाध्यक्ष किशन यादव ने बताया कि इसके लिए संबंधित विभाग के पदाधिकारी सहित अंचलाअधिकारी की लापरवाही दशार्ता है. किसानो ने सभी दस्तावेज जमा किया, बाबजूद 14वीं किस्त की राशि नही एक भी किसान के खाते में नही आना दुभाग्यपूर्ण है. इसके लिए किसान मित्र भी जिम्मेवार है.

चिंता का विषय

हजारीबाग के दारू प्रखंड में फैली पीपीआर बीमारी

अब तक क्षेत्र में 300 से अधिक बकरियों की मौत

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। दारू प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों बकरियों में गंभीर बीमारी फैल गई है. इससे अबतक क्षेत्र में लगभग 300 बकरे-बकरियों की मौत की खबर है. इससे पशुपालकों को काफी आर्थिक नुकसान हुआ है. दारू प्रखंड क्षेत्र के कबिलासी, मेढ़कुरी, इरगा, हरली और दिगवार पंचायत में यह बीमारी बहुत तेजी से फैल रही है. कबिलासी पंचायत के गाड़ीसाड़म बस्ती में 150 से अधिक बकरियों की मौत हुई है. संतोष पासवान, शंकर राणा, भीखा महतो, कबूतरी देवी, शीला देवी, पति ठाकुर, राजेश राणा, मनोज महतो, जाकिर हुसैन, लाल मोहम्मद, शीबा महतो, दिलीप कुमार समेत दर्जनों पशुपालकों की बकरियां मर गयी. एक-एक घर में चार से पांच बकरियों की मौत हो चुकी है.इस बारे में दारू प्रखंड की भ्रमणशील पशु चिकित्सक विमला कुमारी और महेश कुमार ने बताया कि इस बीमारी को पीपीआर कहते हैं, जो बकरे बकरियों में बरसात के समय होती है. बरसात में हरी घास में मौजूद कीड़े से यह बीमारी फैलती है. इस बीमारी का लक्षण बुखार आना, खाना-पीना बंद कर देना और पानी गले से अंदर नहीं जाता है. इस बीमारी से तीन से चार दिन के अंदर बकरियों की मौत हो जाती है. पशु चिकित्सकों का कहना है कि पशुओं में इस तरह के लक्षण मिलने पर तुरंत सूचना दें. मवेशियों को पीपीआर बीमारी से बचाने का टीका लगाया जाएगा.

बरही : मनोकामनेश्वर मंदिर परिसर में अखंड हरी कीर्तन प्रारंभ

बरही । शनिवार को प्रखंड परिसर स्थित मनोकामनेश्वर मंदिर परिसर में 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन का शुभारंभ किया गया. जानकारी देते हुए संकीर्तन समिति के अध्यक्ष रवि केसरी ने बताया कि हरि कीर्तन पूर्वाहन 10 बजे प्रारंभ हुआ है जो रविवार को पूणार्हुति के साथ संपन्न होगा. अखंड कीर्तन छोटू पंडीत के सानिध्य में आयोजित किया जा रहा है.

बच्चों ने बांटा तुलसी, एलोवेरा के पौधे और दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नवीन मेल संवाददाता

झुमरी तिलैया। महात्मा गांधी नगर स्थित कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित विज्ञान सप्ताह के अंतर्गत आज विद्यालय के सैकड़ों भैया बहन अपने घर के पास पड़ोस तथा मोहल्ले में रहने वाले लोगों के बीच जाकर तुलसी तथा एलोवेरा जैसे पौधे का वितरण किया। पूर्व योजना अनुसार प्रत्येक भैया बहन द्वारा एक एक पौधे को अपने पास पड़ोस अथवा मोहल्ले के एक घरों में जाकर दिया गया ,साथ ही इस पौधे के औषधीय गुण को भी लिपिबद्ध कर प्रदान किया गया। पौधे दान के माध्यम से भैया बहन समाज में जाकर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दे रहे हैं। इस कार्यक्रम के संदर्भ में विद्यालय के प्राचार्य सह विद्या भारती बिहार क्षेत्र के सह विज्ञान प्रमुख शर्मेंद्र कुमार साहु ने बताया कि आज के कार्यक्रम के माध्यम से भैया बहन समाज में जाकर के पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रहे हैं, तथा उस विशेष पौधे के औषधीय गुणों का अध्ययन कर दूसरे को भी उससे परिचित करवा रहे हैं। यह एक प्रकार का जागरूकता कार्यक्रम है। विद्यालय की विज्ञान प्रमुख उमाशंकर कुमार ने बताया कि विगत 25 जुलाई से ही विद्यालय में विज्ञान से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के साथ-साथ भारतीय वैज्ञानिक जैसे नागार्जुन सुश्रुत चरक वराह मिहिर आदि के जीवनी और इनके योगदान को विस्तारपूर्वक भैया बहनों ने अध्ययन किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्या भारती अपने भैया बहनों के द्वारा समाज में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रही है क्योंकि वर्तमान परिस्थिति में यदि पर्यावरण संतुलित नहीं रहा तो आने वाला भविष्य हम सबों के लिए संकट का रहेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के मनोज कुमार सिंह , प्रदीप पांडे ,दीपक कुमार ,विपिन कुमार आदि उपस्थित थे।

गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष बने सरदार हरजीत सिंह सलूजा

नवीन मेल संवाददाता

झुमरीतिलैया। गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष सरदार हरजीत सिंह सलूजा बने। निर्वचन पादाधिकारी जगदीश सलूजा ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के द्विवार्षिक चुनाव में जहां अध्यक्ष पद के लिए सरदार हरजीत सिंह सलूजा निर्वाचित घोषित किए गए हैं वही दूसरी ओर सचिव गुरभेज सिंह सलूजा एवं कोषाध्यक्ष हरभजन सिंह खालसा निर्वाचित घोषित किए गए हैं।उल्लेखनीय रहे की उक्त तीनों पदों पर तीनों पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। 28 जुलाई को नामांकन वापस लेने के बाद इन तीनों पदों पर सिर्फ एक ही उम्मीदवार बचे थे, इसलिए इन लोगों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है । दूसरी ओर गुरुनानक भवन के चुनाव में तीन पदों में से सिर्फ सचिव पद के लिए आकाशदीप सिंह भाटिया ने अपना

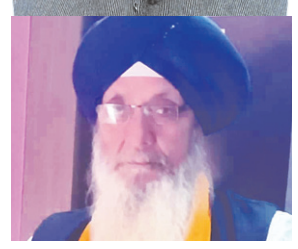

नामांकन दाखिल किया था।दूसरी ओर गुरुनानक भवन के अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए किसी ने भी नामांकन नहीं दाखिल किया है। ऐसी स्थिति में जहां आकाशदीप भाटिया सचिव पद के लिए अकेले उम्मीदवार थे। इस बात को सिख संगत और नए निर्वाचित पदाधिकारी निर्णय लेगें। तीनों नए पदाधिकारी को जिला परिषद की पूर्व अध्यक्ष एवं समाजसेवी शालिनी गुप्ता ने हार्दिक बधाई देते हुए कहा हैं कि निर्वाचित पदाधिकारीयों के प्रति मैं शुभकामनाएं प्रकट करती हूं साथ ही उपरोक्त नए पदाधिकारीयों से ये अपेक्षा रखती हूं कि समाज के हित में गुरुद्वारा के हित में वे सभी कल्याणकारी कदम उठाए ताकि जिस विश्वास के साथ सिख संगत ने उन्हें निर्विरोध निर्वाचित किया है, उसकी कसौटीयों पर खरे उतर सके। निर्वाचन पदाधिकारी जगदीश सलूजा ने भी निर्वाचित पदाधिकारीयों को बधाई दी और कहा है कि निर्वाचित पदाधिकारी समाज के लिए बेहतर काम करेंगे।

जिले के कांग्रेसियों ने कृषि मंत्री को सौंपा ज्ञापन, मंत्री ने कहा

किसान धान की खेती पर ही निर्भर रहते हैं

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। विधायक भूषण बाड़ा के नेतृत्व में जिले के कई कांग्रेस कार्यकताओं ने सूबे के कृषि मंत्री बादल पत्रलेख से मुलाकात की। साथ ही जिले के किसानों की समस्याएं रखी। इस सम्बंध में कृषि मंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन के माध्यम जिले में मानसून की स्थिति से अवगत कराया। कृषि मंत्री को कांग्रेसी नेताओं ने बताया कि जिले में बारिश की स्थिति काफी खराब है। बारिश नहीं होने के कारण धान की खेती बुरी तरह प्रभावित हो रही है। जबकि सिमडेगा जिले के किसान धान की खेती पर ही निर्भर रहते हैं। बारिश नहीं होने के कारण किसान पलायन करने का मन बना रहे हैं। ऐसे में किसान हित कदम उठाने की जरूरत है। सरकार द्वारा वैकल्पिक खेती के लिए पहल करने की मांग की।कांग्रेस नेताओं ने वनोत्पाद की जानकारी देते हुए सरकारी दर पर बिक्री करने के लिए व्यवस्था कराने की मांग की। साथ ही महिला समूहों को लाईसेंस देते हुए समूह के माध्यम से सरकारी दर पर बिक्री के लिए व्यवस्था कराने की मांग की। विधायक भूषण बाड़ा सहित कांग्रेसी नेताओं ने जिले में पशु चिकित्सकों की कमी से अवगत कराया। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पशु चिकित्सकों का पदस्थापना कराने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि चिकित्सकों की कमी के कारण मवेशियों को समय पर टीका नहीं लग पा रहा है। इस कारण मवेशी पालकों को काफी परेशानी होती है। विधायक ने हल जोतने के लिए सरकार के मवेशी वितरण योजना के तहत मिलने वाले मवेशी की संख्या में बढ़ोतरी की मांग की। इसके अलावे अनुदान पर मिलने वाले दुधारू गाय वितरण योजना में भी बढ़ोतरी की मांग की। ताकि अधिक से अधिक किसान दूध का कारोबार कर अपनी आर्थिक स्थिति बढ़ा सके। वहीं मवेशियों को टीका लगाने के लिए मवेशी एम्बुलेंस शुरू कराने की मांग की। जिसके माध्यम से मवेशियों को समय पर टीका लगाया जा सके। मौके पर जिप सदस्य जोसिमा खाखा, जिप सदस्य समरोम पौल तोपनो, कांग्रेस जिलाध्यक्ष डेविड तिर्की, 20 सूत्री उपाध्यक्ष मनोज जयसवाल, जिला उपाध्यक्ष शिशिर मिंज,सदर प्रखंड अध्यक्ष नवीन बिरेन तिर्की, विजय किंडो, कुरडेग प्रखंड के युवा मोर्चा अध्यक्ष गुलशन एक्का आदि उपस्थित थे।

9 अगस्त को धनबाद में सीटू की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

झुमरीतिलैया। केंद्र सरकार की मजदूर किसान विरोधी, जनविरोधी व राष्ट्रविरोधी विनाशकारी नीतियों के खिलाफ तथा वैकल्पिक नीतियों के लिए भारत छोड़ो दिवस पर केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर 9 अगस्त को धनबाद में होने वाले क्षेत्रीय महापड़ाव की सफलता के लिए झारखंड राज्य निर्माण कामगार यूनियन (सीटू) के बैनर तले झुमरीतिलैया नगर पर्षद के वार्ड नंबर 20 अंतर्गत गुमो बस्ती के दलित

टोला में मजदूरों की बैठक हुई और महापड़ाव में करीब एक सौ लोग शामिल होने का प्रस्ताव लिया गया. बैठक को संबोधित करते हुए सीटू नेता और निर्माण कामगार यूनियन झारखंड के संयुक्त सचिव प्रेम प्रकाश ने कहा कि देश में मजदूरों की हालत बहुत खराब हो गया है. झारखंड में बालू पर रोक के कारण भवन निर्माण में कमी आई है, जिसके कारण निर्माण श्रमिकों को काम मिलना मुश्किल हो गया है.

रघुवर दास राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं आशा लकड़ा को सचिव बनाए जाने पर तुलसी साहू ने दी शुभकामनाएं

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। झारखंड प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए जाने पर एवं रांची की पूर्व महापौर आदरणीय आशा लाकड़ा को राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर भाजपा मंत्री तुलसी साहू ने शुभकामनाएं दी है उन्होंने कहा इनके नेतृत्व में झारखंड प्रदेश भारतीय जनता पार्टी दिन दुगनी रात चौगुनी प्रगति कर रहा है और आगे भी लोकसभा चुनाव विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का परचम लहराएगा।आआगे कहा पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास का झारखंड के राजनीति में एक लंबा अनुभव रहा है साथ ही आशा लकड़ा कुशल संगठनकर्ता के साथ-साथ सबको साथ लेकर चलने की अद्भुत क्षमता से भरपूर है जिसका लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिलेगा उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भारतीय जनता पार्टी सिमडेगा जिला की ओर से हृदय से साधुवाद दिया एवं कहा कि आपने झारखंड के उक्त दोनों नेताओं को राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेवारी देकर हम सभी को गौरवान्वित किया है पूरे झारखंड प्रदेश का मान बढ़ाया है।

लापता युवक की खोजबीन के लिए पत्नी ने थाने में दिया आवेदन

जलडेगा। थाना क्षेत्र के बलडेगा निवासी 42 वर्षीय शिवचरण सिंह गोआ से वापस जलडेगा आने के क्रम में मानसिक स्थिति ठीक नही होने के कारण छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग रेलवे स्टेशन में उतरा और खो गया। शिवचरण सिंह की पत्नी कमला देवी ने बताया कि 25 जुलाई को शिवचरण गोवा से घर वापस आने के लिए निकला था एवं सिमडेगा के किसी परिचित को फोन पर कहा कि वह सिमडेगा आ चुका है एवं उसे लेने के लिए नीचे बाजार स्थित पेट्रोल पंप आने के लिए कहा किंतु काफी खोजबीन के बाद भी शिवचरण सिमडेगा में नही मिला जिसके बाद शिवचरण से संपर्क किया गया तो उसने दुर्ग नामक स्थान का जिक्र किया किंतु मानसिक स्थिति ठीक नही होने के कारण वह वास्तविक जगह के बारे में कुछ बता नही पा रहा है।

निलंबनमुक्त विधायक का सिमडेगा कांग्रेसियों ने किया जोरदार स्वागत

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिला अध्यक्ष डेविड तिर्की के नेतृत्व में निलंबन मुक्त हुए कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी का स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर विधायक विक्सल कोंगाड़ी का फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम में आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू ने विधायक विक्सल कोंगाड़ी का स्वागत किया। साथ ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने कार्यकताओं को निलंबन करने के बाद जांच करने के बाद दोषमुक्त होने की स्थिति में निलंबन मुक्त करती है। सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने बुके देकर एवं फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने विधायक को गले लगाकर पार्टी में स्वागत किया।विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि पार्टी के आलाकमान ने कांग्रेस के तीनों विधायकों को निलंबन मुक्त कर सराहनीय पहल किया है। तीनो विधायक के निलंबन मुक्त की घोषणा से कांग्रेस कार्यकताओं में खुशी है। प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय जी, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर जी, विधायक दल के नेता आलमगीर आलम जी सहित आलाकमान के सभी पदाधिकारी का यह घोषणा स्वागत योग्य है। अब हमारे विधायक विक्सल कोंगाड़ी के नेतृत्व में हमारे कांग्रेस के कार्यकर्ता नई ऊर्जा के साथ काम करेंगे। जिससे संगठन और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि झारखंड के अलावे ओड़िसा और छत्तीसगढ़ राज्य में भी कांग्रेस पार्टी को मजबूत किया जाय। जिले में कांग्रेस के मजबूती की ताकत से प्रदेश और अन्य पड़ोसी राज्य को भी ऊर्जा मिलेगी। तीनो विधायक के घर वापसी के बाद आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव की जीत का रास्ता साफ हो गया है।

वज्रपात की चपेट में एक की मौत ,एक झुलसा

सिमडेगा/बानो। सिमडेगा में शनिवार को हुए तेज मूसलाधार के बीच बारिश में वज्रपात की चपेट में आने से एक घटना में एक की मौत हो गई जबकि दूसरी जगह पर एक व्यक्ति झुलस गया पहली घटना बानो प्रखण्ड के ग्राम पबुड़ा गिरजा टोली में बज्रपात से एक व्यक्ति की मौत मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पबुड़ा गिरजा टोली निवासी सुकरा मगहिया दोपहर में अपने खेतों की ओर जा रहा था।तभी अचानक बारिश होने के साथ बिजली कड़कने लगा ।बिजली के जोरदार कड़क के साथ बज्रपात हो गई।बज्रपात होने से सुकरा खेत में ही औंधे मुंह गिर पड़ा। 108 एम्बुलेंस पर किसी कर्मचारी द्वारा फोन ऋषिव नही किये जाने पर ग्रामीणों ने टेम्पो से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बानो ले जाया गया। परन्तु तब तक देर हो चुकी थी।डॉक्टर ने सुकरा को मृत घोषित कर दिया। घटना के बारे में बानो पुलिस को सूचना मिलने पर बानो पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिमडेगा भेज दिया। वहीं दूसरी घटना सिमडेगा सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत गरजा पंचायत के तिर्रा भंडार टोली गांव की है जहां पर बैल चला रहे जितेंद्र दास नामक व्यक्ति वज्रपात की चपेट में आकर झुलस गया परिवार वालों ने उसे सबसे पहले गोबर में लपेट कर रखा जिसके बाद उसे इलाज के लिए सदर हॉस्पिटल सिमडेगा ले गए इधर उसकी इलाज जारी है

बानो में पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

बानो। मुहर्रम पर्व शांति पूर्ण बनाए रखने के लिए बानो पुलिस ने थाना प्रभारी फिलिप मिंज के नेतृत्व फ़्लैग मार्च किया फ़्लैग मार्च थाना से निकलकर बिरसा मुंडा चौक से मुख्य पथ होते हुए जयपाल सिंह मुंडा मैदान ,बाजार टॉड ,मुस्लिम बसती, स्टेशन रोड होते हुए पुनः थाना पहुँची। रास्ते मे ग्रामीणों से कहा गया कि मुहर्रम का पर्व शांति पूर्वक मनाए, आपसी सहमति के साथ एक दूसरे मिल कर पर्व मनाए। किसी अफवाह को ध्यान न दे।सोशल मीडिया में कोई आपत्ति जनक समाचार चलाया जा रहा है तो प्रशासन को सूचित करें। किसी तरह की कोई घटना हो जल्द प्रशासन को सूचना दे ताकि समय पर समाधान हो सके ।मौके पर एस आई सत्यनारायण सिंह ,एस आई राजेश कुमार,एस आई जितेश कुमार ,एस आई सन्दीप कुमार व जवान शामिल थे।

अज्ञात वाहन ने युवक को मारा टक्कर, मौत

बानो। बानो थाना क्षेत्र के ग्राम बादलूंग के पास अज्ञात शनिवार को अज्ञात वाहन से टक्कर मारने से युवक की मौत हो गई।मिली जानकारी के अनुसार भूरसाबेडा निवासी रंजीत सिंह पाड़ो से घर जा रहा था।तभी बादलूंग के समीप अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी । समय पर ग्रामीणों द्वारा नही देखे जाने के कारण घायल की मौत हो गई।जानकारी मिलने पर बानो थाना के एस आई राजेश कुमार, एस आई बुधराम भगत घटना स्थल पर जाकर पंच नामा कर शव पोस्टमार्टम के लिये सिमडेगा भेज दिया। घटना की जानकारी परिवार वालों को दी गई जिसके बाद परिवार में रो रो कर बुरा हाल है। इधर सदर अस्पताल सिमडगा में युवक के शव का पोस्टमार्टम करने के पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया।

झुमरी तिलैया : भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

झुमरी तिलैया। भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की बैठक रॉयल सेलिब्रेशन के प्रांगण में झारखंड प्रदेश सचिव सह उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल प्रभारी रंजीत दुबे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे रंजीत दुबे ने कहा कि भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा वर्तमान समय में राष्ट्र स्तर पर 17 राज्यों में कार्यरत है।झारखंड राज्य में भी यह संचालित किया जा रहा है। और कोडरमा में इसकी नींव रखने के उद्देश्य से आज यह बैठक बुलाई गई है। बैठक को विस्तार करते हुए जिला स्तरीय एवं नगर की इकाई बनाई गई है। जिसमें सर्व सम्मति से जिला अध्यक्ष अनिल सिंह,उपाध्यक्ष अंशुमान कुमार पांडे,पंकज कुमार सिंह,सचिव किशोर पंडित,मीडिया प्रभारी आलोक कुमार सिन्हा को बनाया गया है। जबकि उन्होंने कहा कि अब इस समिति का विस्तार जिला अध्यक्ष की निगरानी में की जाएगी। साथ ही साथ नगर कि भी एक समिति बनाई गई। जिसमें नगर अध्यक्ष नवीन कुमार सिन्हा,सचिव बसंत सिंह एवं सक्रिय सदस्य में सुरेश पंडित,महेश राणा, प्रभात शर्मा,मुकेश कुमार को बनाया गया है। वही नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि हम सभी को भ्रष्टाचार के प्रति सजग होते हुए इसका विरोध करना चाहिए।और भ्रष्टाचार को रोकना चाहिए। इसके निमित्त आज कोडरमा जिला के लिए भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा का गठन किया गया है। आगे इसकी रणनीति तय की जाएगी।

आस्था

झुमरी तिलैया में निकाली गई श्याम निशान यात्रा

श्याम कहते हैं डोर हिलाओ तुम मुझको झूला झूलाओ...

नवीन मेल संवाददाता

झुमरी तिलैया। श्याम निशान महिला मंडल के तत्वाधान मे शनिवार को झुमरी तिलैया के झंडा चौक स्थित दुर्गा मंदिर से निशान यात्रा निकाली गई। सर्व प्रथम निशान की पूजा अर्चना पंडित जीवकांत झा ने कराई। इस अवसर पर निशान यात्रा मे शामिल महिलाएं हाथों मे निशान लिए स्टेशन रोड,भदानी रोड,भालोटिया मोहल्ला का भ्रमण कर श्याम मंदिर मे निशान को अर्पण किया। इस दौरान हारे का सहारा श्याम बाबा हमारा एवं हर-हर महादेव के नारों से पूरा शहर के साथ मंदिर परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम मे महिलाओं के द्वारा श्याम कहते है डोर हिलाओ तुम मुझको झूला झूलाओ..... जिस घर मे खाटू वाले की नित्य जोत जलाई जाती है.....

दर्जी सील दे निशान मने खाटू जाना सय..... भोले का श्रृंगार सारे श्रृंगारों से न्यारा है जैसे भजन पर श्रद्धालु भक्त झूमते रहें। श्याम निशान महिला मंडल की पिंकी खेतान,कृतिका मोदी ने बताया कि आगामी 12 अगस्त को पानी टंकी रोड स्थित श्याम मंदिर मे अखंड ज्योति पाठ का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि श्याम की भक्ति घर- घर मे इस कलयुग मे हो रही है। निशान यात्रा मे अंजुला खाटूवाला, ममता नरेड़ी,सारिका केडिया,पूजा शर्मा,अंजना केडिया,पायल खाटूवाला, मूली शर्मा,पायल जोशी,रानी कालरा, मधु शर्मा,रश्मि गुटगुटिया,प्रीति गुटगुटिया,पूनम सहल,ज्योति शेखावत,बबिता जोशी,रश्मि शर्मा, गोपाल कुमार,अशोक कुमार आदि शामिल थे। वहीं दूसरी ओर रविवार को पानी टंकी रोड स्थित श्याम मंदिर मे बारस की ज्योत के आलावा खीर चूरमा का भोग बाबा को अर्पण किया जायेगा। इधर एकादशी को लेकर झुमरी तिलैया से राजस्थान के खाटूधाम मे 22 श्रद्धालु भक्त पूजा अर्चना मे शामिल होने गए।

विधायक ने किया स्टेज का उद्घाटन

कोलेबिरा। संत वियान्नी उच्च विद्यालय परिसर के खेल मैदान में गैलरीनुमा का उद्घाटन कोलेबिरा विधायक माननीय नमन विक्सल कोंगाड़ी,फादर डीन जोसेफ एरिक कुल्लू,सिस्टर शिशिलया केरकेट्टा,ब्रदर बेंजामिन समद,पंचायत समिति सदस्य फुलकेरिया डांग के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि संत वियान्नी यानी विद्यालय के परिसर में बहुत बड़ा मैदान है। स्टेज के निर्माण हो जाने से अब सभी प्रकार के कार्यक्रम का संचालन बेहतर तरीके से होगा। स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और आने वाले दिनों में फेयरवेल,जुबली प्रोग्राम होने वाला है अब चूंकि कि स्टेज का निर्माण हो चुका है तो इसी में बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रम और नाच गान आसानी से कर पाएंगे। मौके पर विधायक प्रतिनिधि समी आलम,ठेठईटांगर प्रमुख पंकज मींज,अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष रावेल लकड़ा, जमीर खान,जमीर हसन,पूर्व प्रखंड अध्यक्ष सुनील खड़िया कांग्रेसी कार्यकर्ता और विद्यालय के बच्चे उपस्थित थे।

7 सितंबर से लचरागढ़ फुटबॉल प्रतियोगिता

कोलेबिरा। प्रखंड अंतर्गत लचरागढ़ में स्मृति फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर खेल समिति और स्थानीय विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी के बीच बहुउद्देशीय सामुदायिक भवन लचरागढ़ में बैठक कर चर्चा की गई। जिसमें भव्य टूनार्मेंट का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। खेल का प्रारंभ 7 सितंबर 2023 को होगा जिसकी समाप्ति 10 सितंबर 2023 को होगा। खेल में प्रथम पुरस्कार 1,21,000 खस्सी शील्ड, द्वितीय पुरस्कार 75,000 साथ में खस्सी शील्ड है और इसमें एंट्री फीस 7100 है।

मानव कल्याण का सहज उपाय प्रभु का स्मरण : जीयर स्वामी

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। प्रखंड के पाल्हे जतपुरा ग्राम में चल रहे प्रवचन में श्री श्री जीयर स्वामी महाराज ने कहा कि श्री शुकदेवजी महाराज ने राजा परीक्षित को मानव कल्याण के लिए सबसे सहज और सरल उपाय परमात्मा के श्रीचरणों में चिन्तन बताया। जिस व्यवस्था में रहे प्रभु का स्मरण, चिन्तन एवं ध्यान निरन्तर करते रहना चाहिये। शास्त्र में बताया गया है कि दान, तप और ध्यान आत्मा के उद्धार व कल्याण का प्रमुख साधन है। मनुष्य को अपनी मृत्यु को याद करते हुये बचपन, जवानी एवं बुढ़ापा में भगवान का चिन्तन मनन और उनके गुणों का श्रवण हर पल हर क्षण करते रहना चाहिए। शास्त्र में कहा गया है साधक को संकट आने पर, मृत्यु निकट आने पर या अन्त समय आने पर घबराना नहीं चाहिए। भगवान प्रभु नारायण के नाम या (ऊँ) जप करते हुये शेष जीवन को बिताए एवं स्मरण करें। उन्होंने कहा कि भगवान के स्वरुप का स्मरण करे। वेद शास्त्र में बताया गया है कि भगवान के श्रेष्ठ स्वरूप में (चतुर्भुज) स्वरूप एक है। स्वामी जी ने इस गूढ़ रहस्य को बताया कि चतुर्भुज का मतलब चार भुजा वाला स्वरूप जिसमें (शंख, चक्र, गदा, पद्म) ऐसे स्वरूप वाले प्रभु को अपने दिल दिमाग में बैठाकर जप, तप, ध्यान एवं पूजन करना चाहिये। यही मावन जीवन के कल्याणका सबसे सरल और सुगम साधन बताया। प्रायश्चित द्वारा हमारा समाधान हो ही जाएगा यह कोई जरूरी नहीं है, हो भी सकता है, नहीं भी हो सकता है। जिंदगी भर उल्टा पुल्टा काम किया और चार धाम का यात्रा करने से हो जाएगा। केवल यज्ञ से, पूजा से, दान से, तप से व्यक्ति को धार्मिक नहीं माना जाएगा। धर्म के 8 खम्भे होते हैं, यज्ञ, अध्ययन, तप, दान. 8 खंभों में से चार खंभा साझी है। उसे अच्छे लोग भी करते हैं। बुरे लोग भी करते हैं। और चार धर्म का जो खंभा है वह केवल अच्छे लोग ही करते हैं। यज्ञ बाबा विश्वामित्र, वशिष्ठ जैसे अच्छे लोग भी करते हैं और यज्ञ पापी रावण कुम्भकरण जैसे लोग भी करते हैं। अच्छे लोग इसलिए करते हैं कि हमारे पास कुछ बल आ जाए कि उपकार करें। बुरे लोग इसलिए करते हैं कि दूसरे को सताएं। अन्य चार धर्म का जो खंभा है वह केवल अच्छे लोग में ही पाया जाता है। धैर्य, क्षमा, संतोष, अलोभ, साबुन, सर्फ, जल से कपड़ा की गंदगी साफ हो जाती है। परंतु और गंदगी साफ नही होती है। जो व्यक्ति धर्म करता है वह धार्मिक है। जो हठ करके धर्म करता है वह धमार्भास है।

मुहर्रम का त्योहार सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

मेराल (गढ़वा)। प्रखंड क्षेत्र में हजरत इमाम हसन हुसैन के शहादत की याद में मुहर्रम त्योहार का जुलूस 10 मुहर्रम दिन शनिवार को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। जुलूस में या हसन या हुसैन के नारे लगाए गए। इस जुलुस मे ताजिया, सिफड़ इस्लामी झंडा निकाली गई। प्रखंड क्षेत्र में मुख्यालय सहित कुल 62 जगहों पर मोहर्रम इंतजामियां कमेटी के द्वारा जुलूस निकालकर मुहर्रम त्योहार इमाम हसन हुसैन की याद में मनाई गई। जिसमें मेराल,चामा, दुलदुलवा, तीसरटेटुका, खुटैलिया, गेरुआ, हासनदाग, बाना, गोंदा, लोवादाग, दलेली, बिख्ताम, ओखरगाड़ा, पचफेड़ी, खोरीडीह इत्यादि सहित गांव के नाम शामिल हैं। जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी नीतीश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी क्षेत्र में सौहार्द पूर्ण वातावरण को बनाए रखने के लिए लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर सभी जगह पर नजर बनाए हुए थे। जुलूस के दौरान इंतजामियां कमेटी के द्वारा जगह-जगह पर शरबत पानी की भी व्यवस्था की गई थी। हासनदाग मिलनी चौक पर मोहरम इंतजामियां कमेटी के लोगो ने पुरानी परंपराओं को कायम रखते हुए लाठी-डंडे का खेल दिखाया। ताजिया कलाकारो द्वारा एक से बढ़कर एक ताजिया बनाया गया था। जिसकी तारीफ मुख्य अतिथियों ने किया। इस दौरान मुख्य अतिथियों ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह हम लोगों के हिंदू मुस्लिम एकता बराबर बरकरार रहे हम एक दूसरे से कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए ताकि हमारे क्षेत्र में आपसी भाईचारा बनी रहे हम सभी को एक दूसरे के प्रति भेदभाव बुलाकर इस शहादत दिवस पर्व को शांतिपूर्ण मनाने की आवश्यकता है। इस बीच दोनों पंचायत के मुखिया फुलमंती देवी, अनिल चौधरी ने दोनों पंचायत के मोहरम इंतजामियां कमेटी के सदस्यों को शांति वातावरण में त्योहार को संपन्न कराने के लिए धन्यवाद दिया। इस मौके पर झामुमो के अनुमंडल अध्यक्ष सह मुखिया पति हरेंद्र चौधरी, बीडीसी नंदू चौधरी, उप मुखिया अविनाश कुमार चौबे, समाजसेवी कोमल चौधरी, मानदेव रजक मोहर्रम इंतजामियां कमेटी के सदस्य सद्दाम अंसारी, मंसूर अंसारी, एएच अख्तर महफूज अंसारी, कौसर अंसारी, मुजम्मिल अंसारी, नैमुद्दीन अंसारी, सद्दाब अंसारी, दाऊद अंसारी, मनान अंसारी, मुजाहिद अंसारी, शमशाद अंसारी, मोदसिर अंसारी, हबीब अंसारी, असफाक अंसारी, समसेर अंसारी इत्यादि लोगों ने इस जुलूस में अहम भूमिका निभाई।

प्रखंड क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ मना मुहर्रम का पर्व

नवीन मेल संवाददाता

डंडई (गढ़वा)। प्रखंड क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ शनिवार को मोहर्रम का पर्व मनाया गया। हसन हुसैन की याद में मनाए गए सहादत दिवस के अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों के द्वारा एक से बढ़कर एक तजेया व रंग बिरंग डिजाइनों के आकार में घोड़ों का भी निर्माण किया गया। प्रखंड के विभिन्न गांव में बनाए गए ताजिया के साथ-साथ घोड़ों को डंडाई लवाही सिवान स्थित मिलनी स्थल पर सभी को एक साथ आपस में मिलान कराने का काम किया गया। इस दौरान रारो व डंडाई गांव के मुस्लिम टोला पर बनाए गए ताजिए का ग्रामीणों के द्वारा खूब प्रशंसा किया गया। कार्यक्रम के दौरान बीडीओ सोमा उरांव, सीओ चुनाराम हेंब्रम व थाना प्रभारी शाबाज अंसारी दल बल के साथ मौजूद रहे। थाना प्रभारी के द्वारा बेहतर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अलग-अलग कई टुकड़ों में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। मौके पर रारो निवासी मंसूर अंसारी ने बताया कि हसन और हुसैन दोनों भाइयों की शहादत के अवसर पर हम सभी मोहर्रम का पर्व मनाते हैं। उसी दिन अलग-अलग आकार में हम सभी ताजिये का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विभिन्न गांव में बनाए गए ताजिए को डंडाई लवाही मिलनी स्थल पर एक साथ हमसभी आपस में मिलान कराने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि मिलनी के लिए चिन्हित स्थान बहुत ही पुराना है। वर्षो से हम लोग ही नहीं बल्कि हमसभी के पूर्वज भी उक्त स्थल पर ताजिये को आपस में मिलान करते आये हैं।

क्षेत्र में मुहर्रम त्योहार का जुलूस आपसी भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण निकला

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। अनुमंडल मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मुहर्रम त्योहार पहलाम का जुलूस आपसी भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण तरीके व हर्षोल्लास के साथ निकाला गया। प्रखंड क्षेत्र के विशुनपुर, नगर उंटारी, कधवन, कोलझिकि, नरही, हुलहुला खुर्द, कुशदण्ड, जंगीपुर, सोनबरसा, बरडीहा, बम्बा सहित अन्य गांव में मोहर्रम की छोटी चौकी का जुलूस निकाला गया। जुलूस में शामिल लोगों ने हजरत इमाम-हुसैन की शहादत को याद किया। जुलूस में शामिल मुस्लिम समुदाय के द्वारा या अली या हुसैन कर्बला दूर है। जाना जरूर है सहित अन्य नारे लगा रहे थे। जगह जगह पर फातिहाखानी पढ़ा गया। जुलूस में पूर्व विधायक अनन्त प्रताप देव, जिप अध्यक्ष शांति देवी, झामुमो वरिष्ठ नेता ताहीर अंसारी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओबेदुल्लाहक अंसारी मुख्य रूप शामिल थे। श्री बंशीधर नगर अनुमंडल मुख्यालय में विभिन्न गांव से आकर्षक ताजिया के साथ जुलूस जुलूस निकाला गया। झामुमो वरिष्ठ नेता ताहिर अंसारी ने कहा कि हसन हुसैन की याद में मनाया जाने वाला मोहर्रम त्याग और बलिदान का पर्व है। उन्होंने कहा कि अमन और एकता का नजारा पेश करते हुए हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग जुलूस में शिरकत किया और आपसी प्रेमभाव और सौहार्द का संदेश दिया। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रमोद कुमार केशरी, पुलिस निरीक्षक रत्न कुमार सिंह, थाना प्रभारी नीतीश कुमार सिंह के द्वारा लगातार क्षेत्र में भ्रमण किया गया। एसडीपीओ प्रमोद कुमार केशरी ने कहा कि मोहर्रम पर को शांति तरीके से संपन्न कराने को लेकर ड्रोन के माध्यम से नजर रखा जा रहा है। मौके अंजुमन कमेटी सदर तौहिद खान, मोहर्रम इंतजामिया कमेटी सदर मुराद खान, खजांची लालबाबू खान, पूर्व सदर सलाहूदिन खान, तस्लीम खान, सरपरस्त शमीम खान, समाजसेवी आमीन खान, नरही सदर नसीर अंसारी, नायब सदर शमीम खान, इरफान खान, नेपाली खान, मेराजुद्दीन खान, तौकीर आलम, हैदर खान, अंसार खान, खुर्सीद खान, फेराजूल खान, मनउवर खान, तौवाब खान, नसरुल्लाह खान, अजहरुल खान, सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। इधर बरडीहा गांव में मोहर्रम इंतजामिया कमेटी सदर राकिब अनवर, सरपरस्त वकील अहमद, नायब सदर फिरोज अहमद, सेक्रेटरी डॉ रिजवान अहमद, खुर्सीद आलम, अफरोज अहमद सदर मुश्ताक अहमद अहमद, डॉ ताहीर हुसैन, राहत हुसैन, मसउवर अंसारी, उस्मान अंसारी, डॉ सुलेमान अंसारी, रईस अंसारी, साजिद रजा, दिलशाद अहमद, रागिब, इंतजार, मकसूद, गुलाम, नवाब, नौसाद, असलम, रासिब, खालिद, सुमंत, समसिर अजीजी, सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।

खरौंधी प्रखंड क्षेत्र में मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न

खरौंधी (गढ़वा)। प्रखंड क्षेत्र में कुबार्नी का पर्व मुहर्रम का त्योहार शांति व अकीदत के साथ मनाई गयी। शनिवार को प्रखंड के विभिन्न कर्बला के मैदान में ताजिया व आलम का पहलाम सपन्न हुआ। मझिगांवा, खरौंधी, करिवाडीह, सिसरी पंचायत सहित विभिन्न पंचायतों में ताजिया का पहलाम किया गया। सभी जगहों पर ताजिया व आलम का मिलनी सम्पन्न हो गया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ताजिया मिलन के अवसर पर एक से एक करतब दिखाए। लाठी भांजना, रंगबिरंगे घोड़े से खेल आदि खेल से मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मन मोह लिया। ताजिया मिलन के दौरान खेल का आयोजन किया गया। खरौंधी प्रखंड में मुस्लिम हिन्दू एकता का परिचय मुहर्रम पर्व के दौरान दिखा। मोहर्रम पर्व के अवसर पर सुरक्षा के चाकचौबंद व्यवस्था की गई थी। थाना प्रभारी अभय कुमार खुद मोर्चा संभाले हुए थे। खरौंधी प्रखंड क्षेत्र में मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई। ताजिया मिलन कार्यक्रम में बीडीओ गणेश महतो जिपस धर्मराज पासवान प्रमुख आभा रानी, बिससूत्री अध्यक्ष राजेश कुमार रजक, उपप्रमुख देवदत्त प्रसाद आर्य, विधायक प्रतिनिधि जितेन्द्र प्रसाद यादव, उपेंद्र दास, झामुमों के प्रखंड अध्यक्ष अभिजीत किशोरझामुमो जिला उपाध्यक्ष हिफाजत अंसारी, विनोद यादव, चन्दनी मुखिया रामगहन मेहता, कूपा पंचायत के मुखिया प्रमोद राम, बीडीसी कृष्णा राम, विकास सिंह, पूर्व उपप्रमुख गोरखनाथ चौधरी, समाजसेवी कृष्णा गुप्ता, संध्याकर विश्वकर्मा, अशोक ठाकुर, रवि हुसैन, समसुद्दीन अंसारी, सतीश राम, संतोष कुमार सिंह, जाकिर हुसैन, अरविंद पासवान, अजीत यादव, सतेंद्र राम, महेंद्र मोची, राकेश उरांव सहित बड़ी संख्या में महिला ,बच्चे व पुरुष उपस्थित थे।

शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया गया मुहर्रम त्योहार, गणमान्य लोगों को किया गया सम्मानित

माझिआंव (गढ़वा)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत हर्षोल्लास सौहार्दपूर्ण भाईचारा एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया गया मुहर्रम त्योहार। मुस्लिम धर्मावलंबियों ने ताजिया सिपहड़ के साथ जुलुस निकाला। प्रखंड मुख्यालय के विभिन्न गांव से मोहर्रम का जुलूस मुख्य बाजार में शामिल हुए एवं मिलान किया। जुलूस के दौरान मुस्लिम धर्मावलंबियों ने या अली, या हुसैन, जा हुसैन नारों के साथ उद्घोष किया। वहीं युवा समाजसेवी सोनी ने मुस्लिम भाइयों से गले मिलकर मुहर्रम का मुबारकबाद दिया। वहीं मुहर्रम जुलूस के दौरान स्थानीय प्रशासन चुस्त-दुरुस्त देखी गई। स्थानीय प्रशासन दल बल के साथ जगह-जगह तैनात की गई। वहीं मुस्लिम भाइयों ने वश अस्त्र-शस्त्र से कलाओं का प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष ललित राम, कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष आनंद कुमार यादव, मीडिया प्रभारी शाहबाज आलम तथा सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

मुहर्रम पर्व चिनिया प्रखंड क्षेत्र में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न

चिनिया (गढ़वा)। प्रखंड मुख्यालय सहित विभिन्न पंचायतों में शनिवार को मुहर्रम पर्व सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई है। जहां शांति व्यवस्था को बनाए रखने के लिए चीनिया पुलिस पूरी तरीके से मुस्तैद दिखी तथा मजिस्ट्रेट के रूप में दुनिया प्रखंड विकास पदाधिकारी कालिदास मुंडा खुद जुलूस के दौरान मौजूद रहे। वहीं मुस्लिम धर्मावलंबियों ने शनिवार की सुबह ताजिए एवं शिपहड के साथ जुलूस निकाला। जहां जुलूस के दौरान या अली या हुसैन के नारों से इलाका गूंज उठा वहीं मोहर्रम इंतजाम या कमेटी के द्वारा मिलनी दामर अनहारी दह में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी विभिन्न तरह के खेल का आयोजन किया गया। बताया गया है कि मुहर्रम के महीने की 10वीं तारीख को कर्बला की जंग में पैगंबर हजरत मोहम्मद के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत हुई थी। इस्लाम की रक्षा के लिए उन्होंने खुद को कुर्बान कर दिया था। इस जंग में उनके साथ उनके 72 साथी भी शहीद हुए थे। लेकिन बातिल के आगे अपना सिर नहीं झुकाया। कर्बला के प्यासे शहीदों की याद में मोहर्रम का पर्व मनाया जाता है। वहीं मौके पर चिनीयां थाना प्रभारी राजबल्लभ कुमार प्रखंड विकास पदाधिकारी कालिदास मुंडा व झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अरविंद यादव ने लोगों को संबोधित करते हुए मोहर्रम पर्व की शुभकामनाएं दी, अंत में मुहर्रम इंतजाम या कमेटी की ओर से पहुंचे सभी गणमान्य लोगों को शॉल एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। मौके पर राजद नेता सह सदर मोहम्मद फरीद, गांधी मेमोरियल पूछ विद्यालय के प्राचार्य मोहम्मद यासीन मलिक, मनोज प्रसाद, सीताराम यादव, नौशाद मंसूरी, बेलाल मंसूरी, मोहम्मद फारुख, आरजू हसन, जन्नत हुसैन, महमूद अंसारी, श्याम बिहारी राम, रामवृक्ष सिंह सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

पैगंबर हजरत इमाम हुसैन की याद में ताजिया का जुलूस निकाला गया

बड़गड़ (गढ़वा)। प्रखण्ड क्षेत्र में मोहर्रम की 10वीं तारीख को ताजियादारों ने पैगंबर हजरत इमाम हुसैन की याद में शनिवार को ताजिया का जुलूस निकाला। जुलूस उगरा गांव से बाजेगाजे के साथ निकल कर मुख्य बाजार बड़गड़ में महुआटिकर गांव के जुलूस से मिलान की। तत्पश्चात जूलूस बैंक मोड़ होते हुये महाबीर चौक से गुजरते हुये गोठानी से कलाखजुरी पहुंच कर परसवार, बोडरी व टेहरी की जुलूस से मिलान किया। कालाखजुरी अखाड़े में मुस्लिम समुदाय के द्वारा डंडे, तलवार, भाले आदि परंपरागत शस्त्रों के साथ करतब दिखलाया। मौलाना लतीफ अंसारी ने बताया कि इमाम हुसैन कर्बला के मैदान में मानवता व इस्लाम की हिफाजत के लिये शहीद हो गये। इमाम हुसैन से सारी दुनिया मोहब्बत करती है। इस मौके पर मुस्लिम समुदाय के विभिन्न गांवों के सदरों को पगड़ी पोशी कर सम्मानित किया गया। वहीं इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी संजय खाखा, बड़गड़ पिकेट प्रभारी गंगा राम, तियू पुलिस बल के साथ जुलूस को शान्ति पूर्ण रुप से संचालन करने एवं किसी भी प्रकार से अशांति फैलाने वाले से निपटने के लिये तत्पर दिखे। इस अवसर पर अमानत अंसारी, इकबाल अंसारी, मकबुल अंसारी, जहिर आलम, सद्दाम हुसैन, बीसमिल्लाह अंसारी, अजीज अंसारी, नुरुल हक, रुस्तम अंसारी, गुड्डन हक, नेजाम अंसारी, शौकत अंसारी आदी सक्रिय दिखे।

मनिका में निकाला गया मोहर्रम का जुलूस

मनिका: हजरत इमाम हुसैन की शहादत याद में मुस्लिम समुदायों के द्वारा मनाया जाने वाला मोहर्रम शांति, सौहार्द्र व भाईचारे के बीच शनिवार को मनाया गया। प्रखंड क्षेत्र इलाकों से आए हुए हैं जुलूस में काफी संख्या में महिला पुरुष बच्चों के साथ बुजुर्ग लोगों की भी भागीदारी रही। बताते चलें इंतजामिया कमेटी के जेनरल सेक्रेटरी हसीब आलम ने कहा अच्छे प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को हौसला बढ़ाने के प्रखंड में पहली बार खिलाड़ियों व अच्छे ताजिया बनाने वाले को पुरस्कार वितरण किया जा रहा है। वही सबसे अच्छा ताजिया बनाने वाले को प्रथम पुरस्कार मस्जिद मोहल्ला नामुदाग दूसरा पुरस्कार बाड़ी मस्जिद तीसरा पुरस्कार बरवाडीह सामूहिक तरीके से प्रतिनिधियों के द्वारा प्राइज देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने मे उपस्थित आरजेडी के भावी प्रत्याशी गिरजानंद सिंह चेरो, जिला परिषद सदस्य बलवंत कुमार सिंह मौजूद थे।

सगमा व नगर उंटारी के बीडीओ पर भ्रष्टाचार के आरोप

जनता के साथ अभद्र व्यवहार व भष्ट्राचार के अनेकों दास्तान : पूर्व मंत्री

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। जिले के सगमा प्रखंड के बीडीओ सत्यम कुमार व नगर उंटारी प्रखंड के बीडीओ श्रवण राम द्वारा भारी भष्ट्राचार, लूट व दोनों के क्रिया कलाप बराबर उजागर होते रहता है। उक्त दोनों बीडीओ द्वारा जनता के साथ किये गये अभद्र व्यवहार, भारी भष्ट्राचार आदि के अनेकों दास्तान हैं। इसके बाद भी कुछ अधिकारी इन दोनों को बचाना चाहते हैं। उक्त बातें पूर्व मंत्री सह भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य रामचन्द्र केशरी ने शनिवार को चेचरिया स्थित अपने आवासीय कार्यालय में प्रेसवार्ता में कही। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी के पत्र संख्या 492 दिनांक17 अप्रैल 2023 व पत्र संख्या 555 दिनांक 16 मई 2023 द्वारा अलग-अलग गठित जांच टीम के बाद भी स्थल जांच नहीं हुआ। जबकि ये दोनों बीडीओ जिन-जिन प्रखंडों में पहले थे वहां-वहां के जिलाधिकारियों ने निलंबित कर कार्रवाई किया। उन्होंने कहा कि सगमा प्रखंड में 22 और 30 अप्रैल की घटना को देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सगमा प्रखंड मुख्यालय में अधिकारियों द्वारा कहा जाता है कि कुछ हुआ ही नहीं है, लेकिन उसी तिथि को घटना के बाद आंदोलन क्यो हुआ? थाना प्रभारी वहां जाकर मांग पत्र क्यों लिये। बीडीओ वहां से क्यो भागे। बीडीओ का कार्यालय एक सप्ताह तक क्यों बन्द रहा। उन्होंने कहा कि नगर उंटारी बीडीओ के बारे में भारी भष्ट्राचार से सम्बंधित जिला से गठित जांच टीम द्वारा जांच नहीं किया गया। अधिकारी बचाते रहे। जबकि इस प्रखंड से पहले यही बीडीओ चतरा जिला के कुंदा प्रखंड में कार्यरत होने के बाद इनके द्वारा जो भरष्टाचार किया गया। उसमे चतरा जिलाधिकारी ने निलंबित कर कार्रवाई किया था। उन्होंने कहा कि मैं जिलाधिकारी से मांग करता हूं कि जिलाधिकारी द्वारा पूर्व में गठित जांच दल के आलोक में सभी शिकायतकर्ताओं को जांच के पूर्व सूचना देकर उच्च स्तरीय जांच कराया जाय। साथ ही मुकेश कुमार यादव और कलावती देवी आदि 4 व्यक्ति, ग्राम घघरी से सगमा प्रमुख व बीडीओ द्वारा उक्त चारो लाभुकों से शेड देने के नाम पर 52 हजार रुपये लिया गया तथा ग्राम चैनपुर व घघरी के चौदह ग्रामीणों का आवेदन पर भी जांच कर कार्रवाई किया जाय। प्रेसवार्ता में मथुरा पासवान, अश्विनी कुमार, सोबराती खां, राम कुमार कुशवाहा व उपेन्द्र कुशवाहा उपस्थित थे।

रमुना में ताजिया व सिपहड़ के साथ जुलूस निकाला

नवीन मेल संवाददाता

रमुना (गढ़वा)। प्रखण्ड मुख्यालय सहित आस-पास के क्षेत्रों में मुहर्रम का त्योहार शांतिपूर्वक सम्पन्न हो गया। मुहर्रम इंतजामिया कमेटी रमुना के तत्वावधान में शनिवार की सुबह ताजिया एवं सिपहड़ के साथ जुलूस निकाला गया। जूजूस विभिन्न चौक-चौराहो से होते हुए मड़वनिया पंचायत भवन पहुंचा। जहां मड़वनिया, जुड़वनिया एवं कबिसा से आये हुए ताजिया का मिलान किया गया। इस अवसर पर लोगों ने एक से बढ़कर एक करतब दिखाये। इस दौरान या अली, या हुसैन के नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया था। इधर मिलनी स्थल पर आयोजित लंगरखाने का उद्घाटन पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव, जिप अध्यक्ष शांति देवी, प्रमुख करुणा सोनी, सीओ सतीश कुमार सिन्हा एवं मुखिया स्वीटी वर्मा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक ने कहा कि इंतजामिया कमेटी ने इस कर्यक्रम के माध्यम से पूरे क्षेत्र में शांति और भाईचारे का पैगाम देने का काम किया है। इसके पूर्व सभी अतिथियों को पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि प्रभात कुमार, पूर्व प्रमुख मृत्युंजय सिंह, पूर्व मुखिया अखिलेश्वर पांडेय, एसडी खान, प्रदीप सिंह, रोहित वर्मा, अनुज कुमार, रमेश रवानी, सोनू सिंह, हरिचन्द यादव सहित बड़ी संख्या में दोनों समुदाय के लोग मौजूद थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अनवर अंसारी, खुर्शीद अंसारी, सूबेदार अंसारी, लबरेज अंसारी, अलीमुद्दीन अंसारी, जाकिर अंसारी, कुतुबुद्दीन अंसारी, आलमगीर आलम, हसनु अंसारी, नेजाम अंसारी, हैदर एवं हारून की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इधर बहियार, बुलका, गम्हरिया, टंडवा एवं भागोडीह में भी मुहर्रम का त्योहार शांति पूर्वक मनाया गया।

13 वर्षों से डंडई पंचायत में जल सहिया का चुनाव लंबित

मुखिया ने कहा पदाधिकारियों से जानकारी हासिल कर अभिलंब चुनाव कराने की होगी पहल

नवीन मेल संवाददाता

डंडई (गढ़वा)। प्रखंड के डंडाई पंचायत में जल सहिया का चुनाव अब तक एक पहेली बन कर रह गया है। 13 वर्ष पहले गांव की सरकार के पहला कार्यकाल में उक्त पद के लिए जो चुनाव हुआ उसके बाद आज तक दुबारा उसका चुनाव नहीं हो सका है। वर्ष 2011 में अपने-अपने पदों पर काबिज हुए पंचायत के कई जलसहिया वर्ष 2023 तक भी अपने-अपने पद पर बने हुए हैं। उसके बाद पंचायत के किसी योग्य व्यक्तियों को उक्त पद का लाभ नहीं मिल सका है। जबकि हर 3 या 5 वर्षों की अवधि के बीच किसी भी पद के लिए चुनाव होना संवैधानिक प्रावधान है। इतनी लंबी अवधि बीत जाने के बाद भी अब तक उक्त पद के लिए दुबारा चुनाव नहीं होना समझ से परे हो गया है। मामले में पदाधिकारियों की निष्क्रियता मानी जाए या निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की कहना बड़ी मुश्किल है। काश ये सभी सजग होते तो निश्चित तौर पर अब तक उक्त पद के लिए चुनाव हो गया रहता। मालूम हो की गांव की सरकार में पंचायत की पहली मुखिया बनी मोहतरमा खैरुन निशा की अध्यक्षता में जल सहिया के पद पर वर्ष 2011 में चुनाव हुआ था। उसके बाद गांव की सरकार के दूसरे कार्यकाल में पंचायत की मुखिया बनी फुलवंती देवी का कार्यकाल लगभग 7 वर्षो का रहा। साथ ही गांव की सरकार के तीसरे कार्यकाल में पंचायत की मुखिया बनी धनवंती के द्वारा अपने पद का निर्वहन किया जा रहा है। उन्हें भी मुखिया बने लगभग 2 वर्षों का समय बीत गया। निर्वाचित सभी जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल अगर जोड़ दिया जाए तो वह 13 वर्षों की अवधि तक पहुंच जाता है। ऐसे में 13 वर्षों के कालखंड के बीच उक्त पद के लिए दुबारा चुनाव नहीं होना गांव घर में चर्चा का विषय बन गया है। जानकार लोगों का कहना है कि सरकार किसी भी पद के लिए 3 वर्ष और नहीं तो अधिकतम 5 वर्षों का अवधि मानकर चलती है। इसी बीच उक्त पद के लिए चुनाव कराना जरूरी हो जाता है। उन्होंने कहा कि 13 वर्षों की अवधि बीत जाने के बाद भी अब तक जलसहिया के पद पर दुबारा चुनाव नहीं होना एक खिलवाड़ से कम नहीं है। बताया जाता है कि मुखिया और जलसहिया का बैंक में एक संयुक्त खाता होता है। वहीं सरकार की ओर से प्राप्त हो रही राशि के आलोक में उनके द्वारा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से संबंधित पंचायत अंतर्गत कार्यों को करने का काम किया जाता है। मामले में पंचायत की मुखिया धनवंती देवी ने कहा की जल सहिया का चुनाव इतने दिनों से लंबित रहना उचित नहीं है।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में युवक की मौत

गढ़वा। भवनाथपुर थाना क्षेत्र के मकरी गांव निवासी लखन विश्वकर्मा का पुत्र अशोक विश्वकर्मा 40 वर्ष मोटरसाइकिल दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया गया कि अशोक विश्वकर्मा अपने घर से मोटरसाइकिल लेकर निकला था। वापस लौटने के दौरान शराब के नशे में मोटरसाइकिल को एक पेड़ से टक्कर हो गया। घटना कि जानकारी परिजन को मिलने के बाद उसे भवनाथपुर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान उसकी स्थिति काफी बिगड़ गई। इसके बाद चिकित्सकों ने उसे गढ़वा सदर अस्पताल से रिम्स के लिए रेफर कर दिया। परिजन द्वारा उसे रिम्स ले जाने के दौरान रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजन पुनः उसे सदर अस्पताल ले आया घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए उसे भेज दिया।

एक नजर इधर भी

जिस पर चर्चा के लिए हंगामा वही चर्चा से बाहर

मणिपुर मसले पर विपक्ष लोकसभा के नियम 267 के तहत बहस चाहता था और सत्तापक्ष इस पर 176 के अंतर्गत ही चर्चा का हिमायती बना रहा। पिछले कुछ सत्रों से हंगामे की रणनीति पर काम कर रहा विपक्ष इस बार भी उसी हथियार के साथ लड़ रहा है। मणिपुर पर प्रधानमंत्री से बयान दिलवाने की बात नहीं बनी तो विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव का 'ब्रह्मास्त्र' लेकर आया। विपक्ष की नजर में लगता है कि यह ब्रह्मास्त्र है। इस प्रस्ताव पर विपक्ष मणिपुर की चर्चा न करे, यह संभव नहीं। नियमानुसार बहस का जवाब प्रधानमंत्री को देना ही होता है। उधर, सरकार को चिंता नहीं है। सच भी यही है कि आमतौर पर अविश्वास प्रस्ताव सरकार को गिराने की मंशा के साथ लाया जाता है। ऐसे प्रस्ताव पर बहस के बाद मतदान हुआ करता है और संख्या बल के हिसाब से सरकार और विपक्ष की ताकत का पता चल जाता है। इस आंकड़े पर गौर करें कि वर्तमान लोकसभा में अकले भाजपा के पास 301 सांसद हैं। सम्पूर्ण राजग यानी सत्ताधारी गठबंधन को मिला लिया जाय तो यह संख्या 333 तक पहुंच जाती है। उधर, चट्टान की तरह सरकारी पक्ष के मुकाबले जरा विपक्ष का कमजोर व लचर-सा आंकड़ा देखिये कि उसकी पूरी ताकत सिर्फ 142 सांसदों की है। कमजोर के साथ अब शायद लचर नहीं कह सकते क्योंकि इस बीच आईएनडीआईए यानी 'इंडिया' पहले से अधिक एकजुट दिख रहा है। अलग बात है कि भाजपा ने तय किया है कि उनका कोई भी नेता विपक्ष के इस गठबंधन को इंडिया नहीं कहेगा। विपक्ष के ताजा गठबंधन के कारण जो कांग्रेस थोड़ी सम्भली हुई दिखाई दे रही है, इन 142 में उसके पास सिर्फ 50 सांसद हैं। लोकतांत्रिक देश में निर्वाचन ही सरकार चलाने का आदेश है। इसी बूते संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी संसद में प्रस्तुत विधेयकों पर चर्चा के बिना पास कराने का दम भरते हैं। वे कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी और आरएसपी के एनके रामचंद्रन के विधेयकों पर बहस कराने की मांग को खारिज कर देते हैं। कुल मिलाकर पहले मणिपुर पर चर्चा की मांग और बात नहीं बनी तो अविश्वास प्रस्ताव पर सभी काम रोककर चर्चा कराने की मांग पर हंगामे की स्थिति बनी हुई है। सरकार नियमों के हिसाब से ही चल रही है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा था कि वे सभी दलों से चर्चा कर इस पर बहस की तिथि तय करेंगे। लोकसभा सचिवालय की ओर से प्रकाशित प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियम के 2014 (टी.ओ. संख्या 91) 'सरकारी विधेयक-विधायी प्रक्रिया' का संस्करण लेखक के सामने है। आखिर सदन तो उसी के हिसाब से चलेगा। इस पर कोई विवाद नहीं हो सकता, जो पहले से चला आ रहा है। नियम स्पष्ट करते हैं कि प्रस्ताव आने के 10 दिन के भीतर इस पर बहस और मतदान कराया जा सकता है। आमतौर पर दो दिन के बहस के बाद मतदान हुआ करता है। सरकार की रणनीति अपने सारे विधेयक पारित कराने के बाद अविश्वास प्रस्ताव पर बहस कराने की है। विपक्ष पहले बहस करा लेने में सफल हो तो उसकी रणनीति स्पष्ट होकर दिखेगी। अध्यक्ष सभी की सहमति, फिर अपने विवेक से फैसला करेंगे। नियमों के आगे लाचार विपक्ष परंपरागत उदाहरण देने लगा है। ताजा बयान में अधीर रंजन चौधरी 26 जुलाई, 1966 को तत्कालीन संसदीय कार्य मंत्री सत्येंद्र नारायण सिन्हा के बयान का हवाला देते हैं। तब मंत्री ने कहा था कि अविश्वास प्रस्ताव आने पर बाकी काम रोक देने चाहिए। यह नैतिकता का तकाजा है। बहरहाल, नैतिकता समय सापेक्ष हो गई है। चौधरी कहते हैं कि 1978 में भी ऐसा हुआ था। तब से देश की नदियों में पानी बहुत बह गया है। सरकारी कामकाज की प्राथमिकताएं भी हुआ करती हैं। अलग बात है कि मीडिया की प्राथमिकता में संसद का हंगामा है, उस मणिपुर पर मीडिया में चर्चा बहुत कम रह गई है, जिस पर सदन में चर्चा के लिए शोरशराबा है। **(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से जुड़े रहे।)**

■ **डॉ. प्रभात ओझा**

लोकतंत्र में नेताओं की जन छवि का सवाल

भारतीय लोकतंत्र जागरूक और मजबूत है। यह सुखद और भविष्य के लिए अच्छी बात है। लेकिन हमारे राजतंत्र में राजनेताओं की स्थिति और छवि क्या बनती जा रही है, यह बड़ा सवाल है। लोकतंत्र को राजनेता नहीं जनता खुद धोखा दे रही है। जिसके हाथ में हम सत्ता सौंपने जा रहे हैं उसकी जन छवि क्या है। राजनीति में रहते हुए उसने कौन-सा विकास कार्य किया है। पांच साल के लिए जिस पर हमने भरोसा जताया वह हमारे लिए कितना खरा उतरा। समस्याओं का समाधान एवं चुनावी वायदों की गाड़ी कहां तक पहुंची, इसका खयाल हमें नहीं रहता। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की हालिया रिपोर्ट हमारे जनतंत्र का होश उड़ाने वाली है। लेकिन, वह हमारे लिए इतनी चिंता का विषय नहीं होगी। हमें सिर्फ शोर में जीने की आदत हो गई है। हम जमीन पर खड़े हैं कि नहीं यह आकलन भी हमें नहीं है। क्योंकि हम खुद अपनी चिंताओं में उलझे हैं कि देश और समाज की चिंता मुझे नहीं करनी है। क्या आपको पता है भारत की राज्य विधानसभाओं में जिन विधायकों को हमने चुनकर भेजा है उसमें 44 फीसदी का रिकॉर्ड आपराधिक बताया गया है। उन पर अपराध से सम्बंधित कोई न कोई मुकदमा दर्ज है। हम कैसे लोगों को चुनकर भेज रहे हैं? हालांकि अभी हम उन्हें अपराधी नहीं कह सकते, जब तक उनके खिलाफ अदालतों में चल रहे मुकदमों का फैसला नहीं हो जता। लेकिन ऐसे माननीयों पर क्रिमिनल केस दर्ज है, यह सच है। आपराधिक उपलब्धि के साथ-साथ इनके पास अकूत दौलत भी है। जिन विधायकों को हमने चुनकर भेजा है उनके पास औसतन 13.63 करोड़ की संपत्ति है। दो फीसदी विधायक अरबपति हैं। 4,001 माननीय में 88 अरबपति हैं। यह घोषणाएं चुनाव के दौरान माननीयों ने अपने शपथपत्र में खुद दिया है। फिर सोचें हम कैसे लोगों को चुन रहे हैं। एडीआर और नेशनल इलेक्शन वॉच (एनईडब्ल्यू) डब्ल्यू की तरफ से किये गये सर्वेक्षण में दो केंद्र शासित प्रदेश और 28 राज्य विधानसभा में 4,033 माननीय में 4,001 का विश्लेषण शामिल है। 1,136 तकरीबन 28 फीसदी विधायकों ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किये हैं। जिसमें हत्या, अपहरण, हत्या का प्रयास और महिलाओं के साथ अपराध शामिल है। केरल जैसे छोटे राज्य में 135 विधायकों में से 95 ने आपराधिक मुकदमों की घोषणा की है। आप सोचिए ऐसे लोगों को हम सत्ता का देवता मानते हैं। चुनाव के दौरान अपनी जान गंवा देते हैं। मंच पर उनका चरण पकड़ने और भारी-भरकम माला पहनाने की होड़ लगाते हैं। इन्हें शर्म न आए तो कम से कम हमें आनी चाहिए कि हम कैसे लोगों को लोकतंत्र के पवित्र मंदिर में भेज रहे हैं। यह स्थित किसी एक विधानसभा की नहीं है। देश की अधिकांश विधानसभाओं की यही हालत है। हमने राजनेता नहीं आपराधिक आरोपितों को भेजा है। फिर ऐसे लोगों से अच्छे आचरण और विकास की उम्मीद कैसे कर सकते हैं। बिहार में 67 फीसदी, दिल्ली में 70, महाराष्ट्र में 62, तेलंगाना में 61 तमिलनाडु में 60 फीसदी माननीय अपने खिलाफ आपराधिक मुकदमों की घोषणा की है। बिहार में 242 विधायकों में से 161 जबकि महाराष्ट्र में 284 में से 175 के खिलाफ इस तरह के मुकदमे दर्ज है। भारत का दिल कहे जाने वाले मध्य प्रदेश की धड़कन क्या कहती है जरा देखिए। यहां 230 विधायकों में से 187 करोड़पति हैं। विधानसभा में पहुंचे 94 माननीयों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। एडीआर के विश्लेषण पर गौर करें तो यह स्थिति शर्मनाक और चिंताजनक है। देश की राजधानी दिल्ली में 70 विधायकों में से तकरीबन 37 यानी 53 फीसदी पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। देश का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश विधानसभा में विधायकों की संख्या 403 है जिनमें करीब 38 फीसदी यानी 155 विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। मंचों से ऐसे राजनेता जो महिला सुरक्षा की बात करते हैं, निजी तौर पर कितने गिरे हुए हैं इसका अंदाजा भी आप नहीं लगा सकते। महिलाओं के खिलाफ विभिन्न अपराधों को लेकर जो विश्लेषण सामने आया है वह बेहद चौंकाने वाला है। देश के 144 विधायकों ने महिलाओं से संबंधित अपराध की घोषणा की है। 14 विधायकों पर बलात्कार के आरोप में संगीन मुकदमे दर्ज हैं। संबंधित माननीय के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 में मामले पंजीकृत किये गये हैं। इस तरह की घोषणा ऐसे विधायकों ने खुद अपने चुनावी हलफनामे में किया है। राजनीति में आने के पहले ऐसे लोग जो जमीन पर थे, वे राजनेता चुने जाने के बाद बेशुमार दौलत के मालिक बन गये। विधानसभाओं में आदर्शवाद का प्रवचन देने वाले ऐसे माननीयों के पास इतनी संपत्ति कहां से आ गई। इनके खिलाफ ईडी और सीबीआई की जांच क्यों नहीं लगाई जाती। बेशुमार दौलत संग्रह करने वाले सत्ता की हां में हां मिलाने के बाद जांच से क्यों बच जाते हैं। ऐसे लोगों पर आर्थिक अपराध का मुकदमा क्यों नहीं चलता। भारत की राज्य विधानसभाओं में जिनको हमने चुन कर भेजा है उनमें प्रत्येक विधायकों की औसत संपत्ति 13.63 करोड़ है। जबकि जिन्होंने अपने खिलाफ आपराधिक मुकदमा का शपथ पत्र दिया है, उनकी औसत संपत्ति यानी एक विधायक के पास 16.36 करोड़ की संपत्ति है। जबकि जिन विधायकों के खिलाफ कोई भी मुकदमा दर्ज नहीं है। ऐसे माननीय साफ-सुथरी छवि वाले हैं। उनके पास भी औसतन 11.45 करोड़ रुपए की संपत्ति है। दक्षिण भारत के राज्य कर्नाटक के माननीय मालामाल हैं। यहां 14 फीसदी विधायक अरबपति हैं। मतलब साफ है कि 223 विधायकों में 32 विधायक अरबपति हैं। इस तरह के हालत बेहद चिंताजनक है।

पांच साल के लिए जिस पर हमने भरोसा जताया वह हमारे लिए कितना खरा उतरा। समस्याओं का समाधान एवं चुनावी वायदों की गाड़ी कहां तक पहुंची, इसका खयाल हमें नहीं रहता। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की हालिया रिपोर्ट हमारे जनतंत्र का होश उड़ाने वाली है। लेकिन, वह हमारे लिए इतनी चिंता का विषय नहीं होगी।

इन दिनों

प्रभुनाथ शुक्ल

खोजें अपनी जिंदगी का उद्देश्य व सकारात्मक दिशायें

उतार-चढ़ाव, हर्ष-विषाद, सुख-दुःख हर इंसान के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, लेकिन फिर भी इन जटिलताओं के बीच एक सपना एवं जिजीविषा जरूर होनी चाहिए जो आपको हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहे। जीवन ऐसे जीना चाहिए जैसे जिंदगी का आखिरी दिन हो। भले ही हमारी जिंदगी उतार-चढ़ावों से भरी हो फिर भी हमें बढ़िया और नेक काम करते हुए जीवन के पल-पल को उत्साह एवं उमंग से जीना चाहिए। लेकिन हमारी बढ़िया या नेक काम करने की इच्छा अधूरी ही रहती है क्योंकि अक्सर जब हम जिंदगी के बुरे दौर से गुजरते हैं, तब उससे निकलने और जब अच्छे दौर में होते हैं, तब उस स्थिति को बरकरार रखने में जिन्दगी बिता देते है। हर इंसान के जीवन में निराशा एवं असंतुष्टि पसरी है। आंकड़े बताते हैं कि करीब 70 फीसदी लोग अपनी मौजूदा नौकरी या काम से संतुष्ट नहीं हैं और करीब 53 फीसदी लोग किसी भी रूप में खुश नहीं हैं। यह एक चिंताजनक बात है। जब हम दिल से प्रसन्न नहीं होते तो हमारे अंदर से आगे बढ़ने की चाह खत्म होने लगती है। और फिर धीरे-धीरे तनाव बढ़ने लगता है, जो जीवन को नीरस और उबाऊ बना देता है। जिन्दगी तो सभी जीते हैं, लेकिन यहां बात यह मायने नहीं रखती कि आप कितना जीते हैं, बल्कि लोग इसी बात को ध्यान में रखते हैं कि आप किस तरह और कैसे जीते हैं। जीवन में आधा दुख तो इसलिए उठाते फिरते हैं कि हम समझ ही नहीं पाते हैं कि सच में हम क्या हैं? क्या हम वही है जो स्वयं को समझते हैं? या हम वो हैं जो लोग समझते हैं। हमारे संकल्प और हमारे आदर्श सांसारिक जीवन के बंधनों में बंधे रहने के बजाय उच्च लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बढ़ना चाहते हैं, लेकिन मन की इच्छाएं इसके विपरीत होती हैं। इन दोनों में लगातार संघर्ष चलता रहता है। इस संघर्ष में जीत अक्सर मन की इच्छाएं की ही होती है। इसका कारण यह है कि इच्छाओं की मांगें पूरी करने में मनुष्य को तुरंत सुख और आनंद मिलता है। इसके विपरीत आदर्श को जीने या आदर्श की अपेक्षाओं को पूरा करने में मनुष्य को शुरूआती दौर में अपने सुख और आनंद का बलिदान करना होता है। इसलिए लोग सामान्यतया ऐसा करने से बचते हैं। अगर यही स्थिति लंबे समय तक बनी रहे और आदर्श की अपेक्षाओं को दबाया जाता रहे, तो धीरे-धीरे आदर्श की उड़ान समाप्त होने लगती है। महान और आदर्श काम करने के लिए अक्ल से ज्यादा दिलेरी की जरूरत होती है और यह दिलेरी लुप्तप्राय होती जा रही है। आज लगभग देश और दुनिया इसी आदर्शहीनता के स्थिति से ही मुखातिब है। सीधे-सीधे आसान रास्तों पर चलते हुए भी कोई भटकता रह जाता है। कुछ भटकते हुए भी मंजिल की ओर ही कदम बढ़ा रहे होते हैं। दरअसल, जब भीतर और बाहर का मन एकरूप होता है तो भटकना बेचैन नहीं करता। भरोसे और भीतर की ऊर्जा से जुड़े कदम आप ही राह तलाश लेते हैं। ओशो कहते हैं, 'भटकता वही है, जो अपने भीतर की यात्रा करने से डरता है।' जब आपके अंदर किसी काम को लेकर जुनून होता है तो कभी-कभी वह जुनून ही जीवन के उद्देश्य में तब्दील होने लगता है। जीवन कभी एक सा नहीं चलता। इसलिए यह जरूरी भी नहीं कि बेहद प्रारंभिक अवस्था में ही आपको अपने जीवन का उद्देश्य मिल जाय। जीवन में अनेक पड़ाव आते हैं, जो अलग-अलग अनुभव देते हैं। इसलिए कभी एक बेहद तनाव वाले पड़ाव में लगे कि किसी तरीके का बदलाव आपके जीवन को सरल और खुशनुमा बना सकता है तो उसे आप अपना उद्देश्य बना लीजिए। लेकिन यह कोई ऐसा कार्य नहीं है, जिसके बारे में आप बैठकर अलग से मंथन करें। यह हमारा मन तय करता है कि उसे किस कार्य को करने से खुशी मिलती है। पर दिमाग के साथ दिल का तालमेल बिठाना न भूलें और जहां लगे कि दिल और दिमाग मिल गये हैं तो समझ जाएं कि आपको अपने जीवन का उद्देश्य मिल गया है। जिंदगी का कोई लम्हा मामूली नहीं होता, हर पल वह हमारे लिए कुछ-न-कुछ नया पेश करता रहता है- जब हमारी ऐसी सोच बनती है तभी हम अपने आप से रूबरू होते। स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार के बिना हमारी लक्ष्य की तलाश और तैयारी दोनों अधूरी रह जाती है। स्वयं की शक्ति और ईश्वर की भक्ति भी नाकाम सिद्ध होती है और यही कारण है कि जीने की हर दिशा में हम औरों के मुहताज बनते हैं, औरों का हाथ थामते हैं, उनके पदचिन्ह खोजते हैं। अक्सर आधे-अधूरे मन और निष्ठा से हम कोई भी कार्य करते हैं तो उसमें सफलता संदिग्ध हो जाती है।

■ **ललित गर्ग**

हर इंसान के जीवन में निराशा एवं असंतुष्टि पसरी है। आंकड़े बताते हैं कि करीब 70 फीसदी लोग अपनी मौजूदा नौकरी या काम से संतुष्ट नहीं हैं और करीब 53 फीसदी लोग किसी भी रूप में खुश नहीं हैं। यह एक चिंताजनक बात है। जब हम दिल से प्रसन्न नहीं होते तो हमारे अंदर से आगे बढ़ने की चाह खत्म होने लगती है।

है न विचित्र बात !

माता-पिता में बसते हैं समस्त तीर्थ

आज के युग में उन्नति का अर्थ केवल धनोपार्जन से लिया जा रहा है अर्थात जो व्यक्ति जितना अधिक धन अर्जित कर रहा है, वह उतना ही सफल माना जा रहा है। मनुष्य की उन्नति की इस परिभाषा ने पारिवारिक संबंधों से मान-सम्मान ही समाप्त कर दिया है। माता-पिता बड़े लाड़-प्यार से अपने बच्चों का लालन-पालन करते हैं। उन्हें उच्च शिक्षा दिलाने के लिए यथासंभव प्रयास करते हैं। बच्चे बड़े एवं शिक्षित होकर माता-पिता को छोड़कर दूर महानगरों अथवा विदेशों में जाकर रहने लगते हैं। ऐसी स्थिति में असहाय वृद्ध माता-पिता अकेले रह जाते हैं। ऐसे लोग भी बहुत हैं, जो एकल परिवार चाहते हैं। वे अपने वृद्ध माता-पिता को वृद्धाश्रम में डाल देते हैं। ऐसे समाचार भी सुनने को मिलते रहते हैं कि वृद्धों को उनके ही बच्चों द्वारा मारा पीटा जा रहा है। उन्हें भरपेट भोजन नहीं दिया जाता तथा अस्वस्थ होने पर उनका उपचार नहीं भी करवाया जाता। ऐसे में उनका जीवन नारकीय बन जाता है। देश में वृद्ध लोगों की संख्या तीव्र गति से बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत की वृद्ध जनसंख्या वर्ष 2050 तक वर्तमान में लगभग 20 प्रतिशत होने का अनुमान है। वर्तमान में यह दर 8 प्रतिशत है। वर्ष 2050 तक वृद्धों की संख्या में 326 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है, जबकि इनमें 80 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के लोगों की संख्या में 700 प्रतिशत होने का अनुमान है। गैर सरकारी संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार लॉक डाउन की समयावधि में 73 प्रतिशत वृद्धों के साथ दुर्व्यवहार किया गया, जबकि 35 वृद्धों को घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ा अर्थात उनके साथ उनके ही परिवार के सदस्यों ने मारपीट की। चिंता का विषय यह है कि जिस प्रकार वृद्धों की यह संख्या निरंतर बढ़ रही है तथा परिवारजनों द्वारा वृद्धों की अवहेलना की जा रही है, ऐसी स्थिति में उनका जीवन स्तर क्या होगा? ऐसे समाचार भी सुनने को मिलते रहते हैं कि अमुक व्यक्ति विदेश में रहता है तथा उसके अकेले रह रहे वृद्ध पिता या माता की मृत्यु हो गई। शव की दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। ये मामले बहुत ही अमानवीय हैं। माता-पिता अपने कई बच्चों को अकेले पाल लेते हैं, परंतु कई बच्चे मिलकर भी अपने वृद्ध माता-पिता की देखभाल नहीं कर पाते। ऐसी स्थिति क्यों है? उत्तर यही है कि उनके मन में माता-पिता के लिए मान-सम्मान एवं प्रेम नहीं है। इसका स्थान स्वार्थ ने ले लिया है। हमारी गौरवशाली प्राचीन भारतीय संस्कृति में परिवारजनों विशेषकर वृद्धजनों को बहुत मान-सम्मान दिया गया है। रामायण का उदाहरण देखें- भगवान राम ने अपने पिता के वचन को पूर्ण करने के लिए राजपाट त्याग कर चौदह वर्षों का वनवास सहर्ष स्वीकार कर लिया। सीताजी राजभवन का सुख त्याग कर अपने पति के साथ वनवास साथ गईं। लक्ष्मणजी ने भी अपने भाई की सेवा के लिए वनवास का चयन किया। भरत ने भी राजपाट का चयन न करके वनवासी जैसा जीवन व्यतीत किया। रामायण में कहा गया है-

यतः मूलम नरः पश्येत प्रादुर्भावम इह आत्मनः ।
कथम तस्मिन न वर्तेत प्रत्यक्षे सति दैवते ॥

अर्थात जब मनुष्य की स्वयं की उत्पत्ति के मूल में पिता हैं, तो वह पिता के रूप में विद्यमान साक्षात देवता को क्यों नहीं पूजता?

रामायण में यह भी कहा गया है-

सत्यं माता पिता ज्ञानं धर्मो भ्राता दया सखा।
शान्तिः पत्नी क्षमा पुत्रः षडेते मम बान्धवाः॥

अर्थात सत्य मेरी माता के समान है, ज्ञान मेरे पिता के समान है, धर्म मेरे भ्राता के समान है, दया मेरे मित्र के समान है तथा शांति मेरी पत्नी के समान है, क्षमाशीलता मेरे पुत्र के समान है। इस प्रकार ये छह गुण ही मेरे निकट संबंधी हैं।

■ **डॉ. सौरभ मालवीय**

समूचे राजनीतिक तंत्र को एकजुटता का संदेश देने की जरूरत

मणिपुर हिंसा पर विपक्ष का रवैया सकारात्मक नहीं है। सरकार की तरफ से विपक्ष को कई बार सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया। बीते मंगलवार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को पत्र भी लिखा। शाह ने आग्रह किया कि मणिपुर की स्थिति पर गंभीरता से चर्चा की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि, हम सबका कर्तव्य है। संसद से मणिपुर को संदेश दिये जाने की जरूरत है कि सभी राजनीतिक दल मणिपुर की समस्या के समाधान के लिए एक साथ हैं। विपक्ष ने इस अपील का भी तिरस्कार किया। शाह ने सदन में भी कहा कि नारेबाजी करने वाले सदस्यों की समस्या के समाधान में कोई रुचि नहीं है। शाह ने याद दिलाया कि जनता सबको देख रही है। लेकिन विपक्ष ने सत्ता पक्ष की किसी भी अपील की तरफ ध्यान नहीं दिया। मणिपुर की परिस्थिति चिंताजनक है। पूरा देश चिंतित है। यह घटनाओं की शुरूआत से ही ध्यान देने योग्य रही है। सदन में समस्या पर पहले ही दिन से गंभीर विमर्श की आवश्यकता थी लेकिन विपक्ष विशेषतया कांग्रेस ने इसकी उपेक्षा की। संसदीय परंपरा में विपक्ष का कर्तव्य महत्वपूर्ण होता है। ब्रिटिश संसदीय परिपाटी में विपक्ष को गर्वनमेंट इन वेटिंग कहा जाता है लेकिन कांग्रेस जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका के निर्वहन में असफल सिद्ध हुई है। दरअसल विपक्ष की भूमिका के निर्वहन में कांग्रेस अपने इतिहास में कभी भी प्रभावी नहीं रही। गैर जिम्मेदारी की बात 1969 से प्रारंभ होती है। तब कांग्रेस अपने ही अंतर्विरोधों से टूट गई थी। टूटे धड़े के नेता डॉ. राम सुभग सिंह 1969 से 1970 तक प्रतिपक्षी नेता रहे लेकिन विपक्ष की भूमिका शून्य रही। 1977 में कांग्रेस के नेता यशवंत राव चव्हाण विपक्षी नेता थे। तब भी कांग्रेस की प्रतिपक्षी भूमिका प्रभावी नहीं थी। जनता पार्टी की सरकार आंतरिक कलह में गिर गई। कांग्रेस ने चौधरी चरण सिंह को समर्थन दिया। कायदे से कांग्रेस चौधरी चरण सिंह की सरकार की समर्थक दल थी। लेकिन कांग्रेस ने विपक्ष के नेता का पद नहीं छोड़ा। 1989 में राजीव गाँधी नेता प्रतिपक्ष बने। कांग्रेस ने विपक्षी दल का दायित्व नहीं निभाया। उसने चंद्रशेखर को समर्थन दिया। समर्थक दल होने के बावजूद राजीव गाँधी ने नेता प्रतिपक्ष का पद नहीं छोड़ा। लोकसभा अध्यक्ष ने भाजपा को प्रतिपक्ष माना। 1996 में जनता ने कांग्रेस को फिर से विपक्षी दायित्व सौंपा। कांग्रेस देवेगौड़ा की समर्थक बनी। फिर उसने गुजराल को समर्थन दिया। अटल सरकार के समय कारगिल घुसपैठ पर संसद में बहस हुई। कांग्रेस पाकिस्तान समर्थक मुद्रा में आई। इसी कांग्रेसी चरित्र का नतीजा है कि 2014 के जनादेश में जनता ने कांग्रेस सहित किसी भी दल को मुख्य विपक्ष के योग्य नहीं बनाया। संसद की कार्यवाही का असाधारण महत्व होता है। संविधान निर्माताओं ने संसद को अनेक दायित्व सौंपे हैं। विधि निर्माण और संविधान संशोधन के भी अधिकार संसद के पास हैं। संसदीय प्रणाली में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही महत्वपूर्ण होते हैं। दोनों को अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए। लोकसभा सचिवालय द्वारा 2011 में प्रकाशित 'संसदीय पद्धति और प्रक्रिया' पठनीय है। इसके प्रारंभ में पं. जवाहरलाल नेहरू का उद्धरण है, संसदीय प्रणाली में न केवल सशक्त विरोधी पक्ष की आवश्यकता होती है, न केवल प्रभावोत्पादक ढंग से विचार व्यक्त करना जरूरी होता है बल्कि सरकार और विपक्ष के बीच सहयोग का आधार भी आवश्यक होता है। किसी एक विषय पर ही सहयोग काफी नहीं। बल्कि संसद के काम को बढ़ाने का आधार परस्पर सहयोग ही है।' कांग्रेस पं. नेहरू के इस विचार को नहीं मानती। इसी पुस्तक में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का प्राक्कथन है, संसद में अनुशासनहीनता और अव्यवस्था से मर्यादा क्षीण होती है। नागरिकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सम्मान का भाव होना चाहिए। आवश्यक है कि संसद लोगों की नजरों में अपनी अधिकाधिक विश्वसनीयता बनाये रखने के लिए व्यवस्थित ढंग से काम करे।' लेकिन आज की कांग्रेस ऐसे महत्वपूर्ण वरिष्ठ नेताओं की बात पर भी ध्यान नहीं देती। संविधान के अनुसार सत्ता पक्ष संसद के सामने जवाबदेह है। जवाबदेही सुनिश्चित करना विपक्ष का कर्तव्य है। सरकार को जवाबदेह बनाने का काम सदन की सुचारू रूप से कार्यवाही द्वारा ही संभव है। चुनाव के समय आम जनता ही किसी दल या दल समूह को सरकार चलाने का अधिकार देती है। इसी तरह जनता ही किसी दल या समूह को विपक्ष की जिम्मेदारी सौंपती है। उसे सरकार को जवाबदेह बनाने का दायित्व सौंपती है। सरकार भी जनादेश से बनती है और विपक्ष भी। लेकिन कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। आदर्श राजनैतिक संस्कृति विकसित करने की जिम्मेदारी उसी की थी। लेकिन इसके बावजूद वह विपक्ष की मर्यादा का पालन नहीं करती। सीके जैन लोकसभा के महासचिव रहे हैं। जैन ने 'प्रिसाइडिंग ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस' पुस्तक के विवरण में यूरोपीय विद्वान वाल्टर लिपिमैन को उद्धृत किया है। लिखा है कि उच्च पदस्थ लोग संस्थाओं के प्रशासक मात्र नहीं हैं। वे अपने देश के राष्ट्रीय आर्दशों, विश्वासों और अभिलाषाओं के संरक्षक हैं। जिनके कारण देश लोगों का जोड़ नहीं एक राष्ट्र होता है।' उच्च पदस्थ महानुभावों की जिम्मेदारी ज्यादा है। कांग्रेस को परंपरा और मर्यादा का अनुपालन करना चाहिए। कांग्रेस मणिपुर के प्रश्न पर अपना दायित्व नहीं निभा पाई। उसने हठधर्मिता की। सदन की कार्यवाही पूरे सप्ताह बाधित हुई। सरकार की अपीलों पर भी ध्यान नहीं दिया गया। मणिपुर की चिंताजनक परिस्थितियों का राजनीतिकरण हुआ। कांग्रेस ने संसद जैसी पवित्र संस्था का भी इस्तेमाल अपने शक्ति प्रदर्शन के लिए ही किया है। इसी सब से आहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टिप्पणी की कि ऐसा गैरजिम्मेदार दिशाहीन विपक्ष आज तक नहीं देखा। संसद और संसदीय गरिमा में प्रधानमंत्री की आस्था सर्वविदित है। मणिपुर की घटना पर वे पहले ही दुख व्यक्त कर चुके हैं। गृह मंत्रालय मणिपुर की चुनौती के समाधान में जुटा हुआ है। लेकिन कांग्रेस अपनी राजनीति पर ही उतारू है। विपक्ष केन्द्र सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव दे चुका है।

■ **हृदयनारायण दीक्षित**

संसद से मणिपुर को संदेश दिये जाने की जरूरत है कि सभी राजनीतिक दल मणिपुर की समस्या के समाधान के लिए एक साथ हैं। विपक्ष ने इस अपील का भी तिरस्कार किया। शाह ने सदन में भी कहा कि नारेबाजी करने वाले सदस्यों की समस्या के समाधान में कोई रुचि नहीं है। शाह ने याद दिलाया कि जनता सबको देख रही है।

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नई दिल्ली-1, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com।

हिन्दी साहित्य में ना ही उनके जैसा कोई हुआ और ना ही कोई होगा

प्रेमचंद, जन्म धनपत राय श्रीवास्तव, को भारतीय साहित्य के इतिहास में सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली लेखकों में से एक माना जाता है। उनका जन्म 31 जुलाई, 1880 को भारत के उत्तर प्रदेश में वाराणसी के पास एक गांव लमही में हुआ था। इनका जन्म एक निम्न जाति के परिवार में हुआ था। उनके पिता, अजायब लाल, डाकघर में क्लर्क थे, और उनकी मां, आनंदी देवी, एक गृहिणी थीं। भाई-बहनों के परिवार में चौथे बच्चे थे, और उनका प्रारंभिक जीवन गरीबी और संघर्ष से चिह्नित था।प्रेमचंद ने अपनी शिक्षा सात साल की उम्र में पास के एक गांव के एक सरकारी स्कूल में शुरू की। बाद में वे हाई स्कूल में पढ़ने के लिए वाराणसी चले गए। अपने परिवार की आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद, उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की।वो अपने जीवन के कई अदभूत कृतियां लिखी हैं। तब से लेकर आज तक हिन्दी साहित्य में ना ही उनके जैसा कोई हुआ है और ना ही कोई और होगा। अपने जीवन के अंतिम दिनों के एक वर्ष को छोड़कर उनका पूरा समय वाराणसी और लखनऊ में गुजरा, जहां उन्होंने अनेक पत्र-पत्रिकाओं का संपादन किया और अपना साहित्य-सृजन करते रहे। 8 अक्टूबर, 1936 को जलोदर रोग से उनका देहावसान हुआ। भारतीय समाज, विशेषकर निचली जातियों और वंचित लोगों के व्यावहारिक और यथार्थवादी चित्रण के लिए जाना जाता है। हिंदी और उर्दू साहित्य में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा है। गरीबी से लड़ते हुए प्रेमचंद ने अपनी पढ़ाई मैट्रिक तक पहुंचाई। जीवन के आरंभ में ही इन्हें गांव से दूर वाराणसी पढ़ने के लिए नंगे पांव जाना पड़ता था। इसी बीच में इनके पिता का देहान्त हो गया। प्रेमचंद को पढ़ने का शौक था, आगे चलकर वह वकील बनना चाहते थे, मगर गरीबी ने इन्हें तोड़ दिया। प्रेमचंद ने स्कूल आने-जाने के झंझट से बचने के लिए एक वकील साहब के यहां ट्यूशन ले लिया और उसी के घर में एक कमरा लेकर रहने लगे। इनको ट्यूशन का पांच रुपया मिलता था। पांच रुपए में से तीन रुपए घर वालों को और दो रुपए से प्रेमचंद अपनी जिन्दगी की गाड़ी को आगे बढ़ाते रहे। प्रेमचन्द महीना भर तंगी और अभाव का जीवन बिताते थे। इन्हीं जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों में प्रेमचन्द ने मैट्रिक पास किया। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य, पर्सियन और इतिहास विषयों से स्नातक की उपाधि द्वितीय श्रेणी में प्राप्त की थी। प्रेमचंद ने अपने जीवन के कई अदभूत कृतियां लिखी हैं। तब से लेकर आज तक हिन्दी साहित्य में ना ही उनके जैसा कोई हुआ है और ना ही कोई और होगा।

❖ ओम प्रकाश प्रजापति

प्रेमचंद हिन्दी साहित्य के गौरव

प्रेमचंद एक मेधावी छात्र थे और पढ़ने में उनकी गहरी रुचि थी। वह विशेष रूप से रवींद्रनाथ टैगोर, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय और रमेश चंद्र दत्ता जैसे लेखकों के कार्यों के प्रति आकर्षित थे। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा अपने गांव लमही में पूरी की, और बाद में अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए पास के शहर बनारस चले गए। 14 साल की उम्र में प्रेमचंद ने स्कूल छोड़ दिया और अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए। प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक की नौकरी कर ली। इस समय के दौरान, उन्होंने नवाब राय उपनाम के तहत स्थानीय समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के लिए कहानियां और लेख लिखना भी शुरू किया। उन्होंने सामाजिक मुद्दों से लेकर ऐतिहासिक घटनाओं तक कई विषयों पर लिखा और यहां तक कि विदेशी लेखकों की कुछ रचनाओं का हिंदी में अनुवाद भी किया। प्रेमचंद की लेखन शैली उनकी सरलता और प्रत्यक्षता से पहचानी जाती है। उन्होंने सरल और सीधी भाषा में लिखा जो पाठकों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए सुलभ थी। उनकी कहानियां और उपन्यास अक्सर निचली जातियों और गरीबों के संघर्षों से संबंधित होते हैं, और उन्होंने अपने लेखन का उपयोग भारतीय समाज में मौजूद सामाजिक अन्याय और असमानताओं को उजागर करने के लिए किया। मुंशी प्रेमचन्द की उत्कृष्ट रचनाओं के लिए यदि उन्हें उपन्यास सम्राट के स्थान पर साहित्य सम्राट की उपाधि दी जाये तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। मुंशी प्रेमचन्द के पात्रों के वर्ग प्रतिनिधित्व को सहजता से देखा जा सकता है। वे समाज का चित्रण इतने उत्कृष्ट ढंग से करते थे कि संपूर्ण यथार्थ सहजता से उभरकर मस्तिष्क पटल पर चित्रित होने लगता था। ऐसे महान उपन्यासकार नाटककार व साहित्यकार के लिए इससे बढ़कर और बड़ी श्रद्धांजलि क्या होगी कि उनकी मृत्यु के आठ दशकों बाद भी उनकी रचनाओं की प्रासंगिकता पूर्ववत बनी हुई है। हजारों की संख्या में लोग उनकी रचनाओं व शैली पर शोध कर रहे हैं। वह निःसंदेह हमारे हिन्दी साहित्य का गौरव थे, है और सदैव ही रहेंगे। मुंशी प्रेमचन्द की रचनाओं में समाज के सबसे उपेक्षित वर्ग की समस्याओं को यथार्थ के धरातल पर प्रस्तुत किया गया है। गोदान का पात्र होरी भारतीय किसानों की दुःख-सुख से भरी संपूर्ण जीवन यात्रा का आदर्श प्रतिनिधित्व करता है। प्रेमचंद तत्कालीन समाज की सभी समस्याओं उसके सभी पक्षों को छूने वाले समर्थ रचनाकार कहलाते हैं।

❖ कुमारी रिया

प्रेमचंद की ख्वाहिश वकील बनने की थी

> प्रेमचंद को उपन्यास सम्राट के नाम से सर्वप्रथम बंगाल के विख्यात उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने संबोधित किया था। प्रेमचंद का असली नाम धनपत राय था। उनका जन्म 31 जुलाई, 1880 को बनारस शहर से चार मील दूर लमही नामक गांव में हुआ था।

हिंदी साहित्य के सबसे लोकप्रिय लेखक प्रेमचंद ने हिंदी में कहानी और उपन्यास को सुदृढ़ नींव प्रदान की और यथार्थवादी चित्रण से देशवासियों का दिल जीत लिया। प्रेमचंद को उपन्यास सम्राट के नाम से सर्वप्रथम बंगाल के विख्यात उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने संबोधित किया था। प्रेमचंद का असली नाम धनपत राय था। उनका जन्म 31 जुलाई, 1880 को बनारस शहर से चार मील दूर लमही नामक गांव में हुआ था। धनपत राय का विवाह 15-16 बरस में ही कर दिया गया, लेकिन ये विवाह उनको फला नहीं और कुछ समय बाद ही उनकी पत्नी का देहांत हो गया। कुछ समय बाद उन्होंने बनारस के बाद चुनार के स्कूल में शिक्षक की नौकरी की, बाद में उन्होंने एक बाल विधवा शिवरानी देवी से विवाह किया। जिन्होंने प्रेमचंद की जीवनी लिखी थी। वो अपने मित्र मुंशी दयानारायण निगम के सुझाव पर उन्होंने धनपत राय की बजाय प्रेमचंद उपनाम रख लिया। इनके पिता का नाम मुंशी अजायब लाल था, जो डाकघर में मुंशी का पद संभालते थे। प्रेमचंद्र का बचपन खेत खलिहानों में बीता था। उन दिनों उनके पास मात्र छः बीघा जमीन थी। परिवार बड़ा होने के कारण उनके घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। जीवन के अंतिम दिनों में वह जलोदर रोग से बुरी तरह से ग्रस्त हो गये थे। दिनांक 8 अक्टूबर 1936 को उनका देहांत हो गया। प्रेमचंद को पढ़ने का बहुत शौक था। उनकी ख्वाहिश वकील बनने की थी, लेकिन गरीबी के अभाव से जूझते हुए उन्होंने जैसे-तैसे मैट्रिक की पढ़ाई की। इसके लिए भी उन्हें प्रतिदिन कई मील नंगे पांव चलकर वाराणसी शहर आना पड़ता था। प्रतिदिन पैदल चलकर समय खराब करने के बजाय प्रेमचंद ने शहर में ही एक वकील के घर पर ट्यूशन पढ़ाना शुरू कर दिया। वहीं उन्हें एक छोटा सा कमरा भी मिल गया था। ट्यूशन से जो पांच रुपए मिलते थे, उसमें से तीन रुपये घरवालों को देते और शेष दो रुपये अपने खर्च के लिए रखते थे। मैट्रिक पूरा करने के पश्चात प्रेमचंद ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य, पर्सियन और इतिहास विषय के साथ ग्रेजुएशन पूरा किया। प्रेमचंद जब 6 वर्ष के थे, तब उन्हें लालगंज गांव में रहने वाले एक मौलवी के घर फारसी और उर्दू पढ़ने के लिए भेजा गया। वह जब बहुत ही छोटे थे, बीमारी के कारण इनकी मां का देहांत हो गया। उन्हें प्यार अपनी बड़ी बहन से मिला। बहन के विवाह के बाद वह अकेले हो गए। सुने घर में उन्होंने खुद को कहानियां पढ़ने में व्यस्त कर लिया। आगे चलकर वह स्वयं कहानियां लिखने लगे और महान कथाकार बन गये।

❖ गुड्डू कुमार

हिंदी साहित्य जगत में प्रेमचंद का पर्दापण एक महत्वपूर्ण घटना

31 जुलाई 2023 को प्रेमचंद की 143 वी जयंती है। हिंदी साहित्य जगत में प्रेमचंद का पर्दापण एक विशेष महत्वपूर्ण घटना माना जाता है। मुंशी प्रेमचंद का जन्म 1880 में वाराणसी जिले के लमही गांव में हुआ। प्रेमचंद की प्रारंभिक शिक्षा सात वर्ष की उम्र में एक स्थानीय मदरसे से शुरू हुई। जंहा उन्होंने हिंदी के साथ उर्दू और अंग्रेजी का ज्ञान प्राप्त किया। मुंशी प्रेमचंद ने लगभग एक दर्जन उपन्यास एवं तीन सौ कहानियों की रचना की। उन्होंने माधुरी एवं मर्यादा नामक पत्रिका का सम्पादन किया। तथा हंस एवं जागरण नामक पत्र भी निकाले। उनकी रचनाये आदर्शोउन्मुख यथार्थवादी हैं जिनमें सामान्य जीवन की वास्तविकताओ का सम्यक चित्रण किया गया है। नकी पहली कहानी ममता है। प्रेमचंद नाम से उनकी पहली कहानी बड़े घर की जमाना पत्रिका के दिसम्बर 1910 अंक में प्रकाशित हुई है। हिंदी साहित्य के उपन्यास का विकासयुग प्रेमचंद के पहले उपन्यास सेवासदन के प्रकाशित होने के साथ ही प्रकाश में आया जिसे प्रेमचंद युग के नाम से भी जाना जाता है। प्रेमचंद की रचनाओं को देखकर बंगाल के विख्यात उपन्यासकार शरतचन्द्र चटोपाध्याय ने उन्हें 'उपन्यास सम्राट' की उपाधि दी। वास्तव में प्रेमचंद की कहानी और उपन्यास एक नयी परम्परा की शुरूआत की जिससे आने वाली पीढ़ी के साहित्यकारों का मार्गदर्शन किया। साहित्यकार मानव समाज का अभिन्न अंग होता है। उसका तन मन उसके समाज की ही देन होते हैं। साहित्य के बिना समाज और समाज के बिना साहित्य निर्थक और अधूरा है। मुंशी प्रेमचंद के सम्पूर्ण साहित्य में समाज के बहुरंगी चित्रण दिखाया गया है। जिसका समाधान भी सम्भवतः प्रेमचंद ने किया। प्रेमचंद ने साहित्य में यथार्थवाद की नींव रखी। प्रेमचंद की सम्पूर्ण रचनाये हिंदी साहित्य की धरोहर है। पुस्तकें संस्कृति को संरक्षित करने का कार्य करती है। युवा पीढ़ी जहां पुस्तकें से दूर हो रहा हो। पन्ने पलटकर पढ़ने की जगह रिजल्स की दुनिया में खोया हुआ है। हर तरफ नफरत, वर्चस्व, दम्भ की भाषा बोली जा रही हो। गणतन्त्र देश में गण की जगह तंत्र हावी हो गया हो। मानवीय संवेदना मृत हो रही हो। मुंशी प्रेमचंद को स्मरण करना आवश्यक है।

❖ घनश्याम कुमार

प्रेमचंद ने अपने जनजीवन को बहुत गहराई से देखा

प्रेमचंद अपने जनजीवन को बहुत गहराई से देखा और अपना जीवन साहित्य को समर्पित कर दिया। प्रेमचंद ने कुछ समय के लिए एक किताबों की दुकान में सेल्स बॉय के रूप में भी कार्य किया था क्योंकि उन्हें लगा कि इससे उन्हें और किताबें पढ़ने का मौका मिलेगा। हिंदी कथा-साहित्य को तिलस्मी कहानियों के झुरमुट से निकालकर जीवन के यथार्थ की ओर मोड़कर ले जाने वाले कथाकार मुंशी प्रेमचंद देश ही नहीं, दुनिया में विख्यात हुए और कथा सम्राट कहलाए, उन्होंने आमजन की पीड़ा को शब्दों में पिरोया, यही वजह है कि उनकी हर रचना कालजयी है। प्रेमचंद का साहित्य तीस वर्षों का सामाजिक सांस्कृतिक दस्तावेज है। प्रेमचंद नाम वो हिन्दी और उर्दू के सर्वाधिक लोकप्रिय उपन्यासकार, कहानीकार एवं विचारक थे। उन्होंने सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, निर्मला, गबन, कर्मभूमि, गोदान आदि। लगभग डेढ़ दर्जन उपन्यास तथा कफन, पूस की रात, पंच परमेश्वर, बड़े घर की बेटी, बूढ़ी काकी, दो बैलों की कथा आदि तीन सौ से अधिक कहानियां लिखीं। उनमें से अधिकांश हिन्दी तथा उर्दू दोनों भाषाओं में प्रकाशित हुईं। उन्होंने अपने दौर की सभी प्रमुख उर्दू और हिन्दी पत्रिकाओं जमाना, सरस्वती, माधुरी, मर्यादा, चांद, सुधा आदि में लिखा। उन्होंने हिन्दी समाचार पत्र जागरण तथा साहित्यिक पत्रिका हंस का संपादन और प्रकाशन भी किया। इसके लिए उन्होंने सरस्वती प्रेस खरीदा जो बाद में घाटे में रहा और बन्द करना पड़ा। प्रेमचंद फिल्मों की पटकथा लिखने मुंबई आए और लगभग तीन वर्ष तक रहे। जीवन के अंतिम दिनों तक वे साहित्य सृजन में लगे रहे। महाजनी सभ्यता उनका अंतिम निबन्ध, साहित्य का उद्देश्य अन्तिम व्याख्यान, कफन अन्तिम कहानी, गोदान अन्तिम पूर्ण उपन्यास तथा मंगलसूत्र अन्तिम अपूर्ण उपन्यास माना जाता है।

❖ वेद प्रकाश

कालजयी रचनाकार प्रेमचंद

> प्रेमचंद अपने निश्चिय पर खरे उतरे और शिवरानी से शादी कर ली। शिवरानी एक बाल-विधवा थीं। शिवरानी भी अपनी दूसरी शादी करना चाहती थी। माना जाता है। कि उनकी शादी दूसरी के बाद इनके जीवन में की परिस्थितियों मे आय की आर्थिक तंगी कम हुई।

प्रेमचंद का बचपन गांव में बीता था। प्रेमचंद का कुल दरिद्र कायस्थों का था, जिनके पास करीब छह बीघा जमीन थी और जिनका परिवार बड़ा था। प्रेमचंद के पितामह, मुंशी गुरुसहाय लाल, पटवारी थे। उनके पिता, मुंशी अजायब लाल, डाकमुंशी थे और उनका वेतन लगभग पच्चीस रुपए मासिक था। उनकी मां आनन्द देवी सुन्दर सुशील और सुघड़ महिला थीं। जब प्रेमचंद पंद्रह वर्ष के थे, उनका विवाह हो गया। वह विवाह उनके सौतेले नाना ने तय किया था। प्रेमचंद अपने निश्चिय पर खरे उतरे और शिवरानी से शादी कर ली। शिवरानी एक बाल-विधवा थीं। शिवरानी भी अपनी दूसरी शादी करना चाहती थी। माना जाता है। कि उनकी शादी दूसरी के बाद इनके जीवन में की परिस्थितियों मे आय की आर्थिक तंगी कम हुई। प्रेमचंद ने गरीब परिवार मे जन्म लिया था। इन्होने अपनी आरंभिक शिक्षा अपने गांव से दूर वाराणसी मे की इसी बीच उनके पिता का भी निधन हो गया था। प्रेमचंद बचपन से ही पढ़ने के लिए उत्सुक रहते थे।उन्होने वकील बनने का अपना लक्ष्य बनाया था। परंतु उनकी परिवार की स्थिति ने उनके इस लक्ष्य को तोड़ दिया। फिर प्रेमचंद एक कमरा लेकर उसमे ट्यूसन पढ़ाते थे। उन्हे ट्यूसन के पाँच रुपये मिलते थे। जिससे ये अपने तथा अपने परिवार का गुजारा करते थे। इस प्रकर उन्होने अपनी मैट्रिक शिक्षा को पूर्ण किया था।1908 मे अपनी प्रथम रचना सोजे वतन की रचना की थी। कई बार इस प्रकार के प्रश्न भी पूछे जाते है। कि प्रेमचंद की प्रथम रचना किस भाषा मै लिखी गई। ये रचना उन्होने उर्दू भाषा मे लिखी थी। इसके बाद उन्होने पीछे मुड़कर नहीं देखा और अपने इस लक्ष्य की और आगे बढ़ने लगे।

– रौशन कुमार

प्रेमचंद विश्व स्तरीय साहित्यकारों में शुमार

> प्रेमचंद की कहानियों और उनके उपन्यासों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि अधिकतर किसान, मजदूर और सीधे-सादे लोग उनकी कहानियों के पात्र हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं में ऐसे लोगों के जीवन की साधारण से साधारण बात का भी बड़ी सरलता से वर्णन किया है और उनकी भावनाओं को महत्व दिया है। उनकी भाषा होली झा सरल कम, पढ़े-लिखे व्यक्ति और ऊंचे विद्वान, दोनों समान रूप से उनकी पुस्तकों के लाभ उठा सकते हैं।

प्रेमचंद ने पढ़ाई पूरी करने के बाद वाराणसी के पास एक गांव के सरकारी स्कूल में शिक्षक की नौकरी कर ली। प्रेमचंद अपने आठ भाई-बहनों में चौथे नंबर के थे। उनका प्रारंभिक जीवन गरीबी, बीमारी और शुरूआती नुकसान से चिह्नित था। जब वह सिर्फ सात साल का था, उसकी मां का निधन हो गया और एक साल बाद उसके पिता ने दूसरी शादी कर ली। उन्हें उनकी दादी के साथ रहने के लिए भेजा गया, जिन्होंने उनमें हिंदू शास्त्रों के प्रति प्रेम और सामाजिक न्याय की भावना पैदा की। प्रेमचंद अपने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ थे। उन्होंने अपनी औपचारिक शिक्षा एक मदरसे में शुरू की, जहां उन्होंने उर्दू और फारसी सीखी। हालांकि, आर्थिक तंगी के कारण उन्हें कुछ वर्षों के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी। उन्होंने अपने दम पर अपनी पढ़ाई जारी रखी और खुद को सहारा देने के लिए छोटे-मोटे काम किया करते थे। उन्हें सामाजिक मुद्दों में गहरी दिलचस्पी थी और उन्होंने निचली जातियों और गरीबों की दुर्दशा के बारे में कहानियां और निबंध लिखना शुरू किया था। प्रेमचंद की कहानियों और उनके उपन्यासों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि अधिकतर किसान, मजदूर और सीधे-सादे लोग उनकी कहानियों के पात्र हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं में ऐसे लोगों के जीवन की साधारण से साधारण बात का भी बड़ी सरलता से वर्णन किया है और उनकी भावनाओं को महत्व दिया है। उनकी भाषा होली झा सरल कम, पढ़े-लिखे व्यक्ति और ऊंचे विद्वान, दोनों समान रूप से उनकी पुस्तकों के लाभ उठा सकते हैं। मुंशी प्रेमचंद विश्व स्तरीय साहित्यकारों में शुमार किये जाते। प्रेमचंद की कृतियां भारत के सर्वाधिक विशाल और विस्तृत वर्ग की कृतियां हैं। उन्होंने उपन्यास, कहानी, नाटक, समीक्षा, लेख, सम्पादकीय, संस्मरण आदि अनेक विधाओं में साहित्य की सृष्टि की, किन्तु प्रमुख रूप से वह कथाकार हैं। उन्हें अपने जीवन काल में ही उपन्यास सम्राट की पदवी मिल गई थी। उन्होंने कुल 15 उपन्यास, 300 से कुछ अधिक कहानियां, 3 नाटक, 10 अनुवाद, 7 बाल-पुस्तकें तथा हजारों पृष्ठों के लेख, सम्पादकीय, भाषण, भूमिका, पत्र आदि की रचना की। जिस युग में प्रेमचंद ने कलम उठाई थी, उस समय उनके पीछे ऐसी कोई ठोस विरासत नहीं थी और न ही विचार और न ही प्रगतिशीलता का कोई मॉडल ही उनके सामने था सिवाय बांग्ला साहित्य के। उस समय बंकिम बाबू थे, शरतचंद्र थे और इसके अलावा टॉलस्टॉय जैसे रुसी साहित्यकार थे। लेकिन होते-होते उन्होंने गोदान जैसे कालजयी उपन्यास की रचना की जो कि एक आधुनिक क्लासिक माना जाता है।

❖ ओपी

संकलन : ओम प्रकाश प्रजापति

रॉबिन उथप्पा की तूफानी पारी से जीता हरारे हरिकेंस

एजेंसी। हरारे

हरारे हरिकेंस के कप्तान रॉबिन उथप्पा ने अपनी टीम के लिए शानदार तूफानी पारी (नाबाद 88) खेली और केप टाउन सैंप आर्मी के खिलाफ शुक्रवार को यहां हरारे स्पोर्ट्स क्लब में जिम एफ्रो टी10 के उद्घाटन संस्करण के एलिमिनेटर में 9 विकेट से शानदार जीत दिला दी। पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहे जाने पर, केप टाउन सैम्प आर्मी ने रहमानुल्लाह गुरबाज और भानुका राजपक्षे के साथ अच्छी गति से शुरूआत की और 10 से अधिक रन प्रति ओवर बनाए। जहां राजपक्षे तीसरे ओवर में 11 गेंदों में 25 रन की तेज पारी खेलकर आउट हुए, वहीं गुरबाज दूसरे छोर पर शानदार प्रदर्शन कर रहे थे। तदिवानाशे मारुमानी शून्य पर आउट होने वाले अगले खिलाड़ी थे, जो नांद्रे बर्गर का मैच का दूसरा विकेट बने। इससे गुरबाज के साथ करीम जनत, जो

अच्छी स्थिति में हैं, मध्य में आए और उन्होंने 49 रनों की ठोस साझेदारी की। गुरबाज गेंदबाजों की इकोनॉमी रेट को गंभीर नुकसान पहुंचा रहे थे जबकि जनत उनका अच्छा साथ दे रहे थे। जनत को हालांकि छठे ओवर में मोहम्मद नबी ने आउट कर दिया और फिर गुरबाज और सीन विलियम्स ने जिम्मेदारी संभाली। दोनों ने रनों का अंबार लगाया और गेंदबाजों पर कोई दया नहीं दिखाई और बेहद तेज गति से रन बनाए। उन्होंने गुरबाज के अर्धशतक के साथ 68 रन जोड़े, जिससे केप टाउन सैंप आर्मी ने टूर्नामेंट में बनाए गए सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सैंप आर्मी का स्कोर 10 ओवर में 145/3 था, जिसमें गुरबाज ने 26 गेंदों में 6 छक्के और चार चौके लगाकर 62 रन बनाए। जवाब में, हरारे हरिकेन्स, जो दिन में चौथी बार एक पारी में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ने का लक्ष्य रख रहे थे, रॉबिन उथप्पा और एविन लुईस की अनुभवी जोड़ी के साथ ब्लॉक से जल्दी ही बाहर आ गए और गेंद पर बहुत ही सफाई से प्रहार कर रहे थे।

जबकि लुईस अच्छे दिख रहे थे लेकिन फिर अपनी शुरूआत को बड़े स्कोर में बदलने में असफल रहे और 12 रन बनाकर आउट हो गए, उसके बाद उथप्पा को डोनोवन फरेरा का साथ मिला और उन्होंने फ्लडलाइट्स के नीचे बड़े शॉट खेले। पांचवें ओवर में ही उथप्पा ने अपना अर्धशतक पूरा किया, जो टूर्नामेंट में उनका दूसरा अर्धशतक था। उथप्पा और फरेरा ने जल्द ही दूसरे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी पूरी कर ली थी और वे तेजी से आगे बढ़ रहे थे, आसानी से गैप ढूंढ रहे थे और नियमितता के साथ बाउंड्री पार कर रहे थे। अंतिम दो ओवरों में हरिकेन को 26 रनों की जरूरत थी और अनुभवी भारतीय बल्लेबाज आक्रामक मूड में थे।

2024 का टी20 विश्व कप 4 से 30 जून तक खेला जाएगा : रिपोर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

2024 पुरुष टी20 विश्व कप अगले साल 4 से 30 जून तक कैरेबियाई और संयुक्त राज्य अमेरिका में 10 स्थानों पर खेला जाएगा। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार 2024 पुरुष टी20 विश्व कप अगले साल 4 से 30 जून तक वेस्टइंडीज और यूएसए के 10 अलग-अलग स्थानों पर खेला जाएगा। यह समझा जा रहा है कि इस सप्ताह आईसीसी की एक टीम ने यूएसए में कुछ शॉर्टलिस्ट किए गए स्थानों का निरीक्षण किया, जो पहली बार एक अंतर्राष्ट्रीय वैश्विक क्रिकेट कार्यक्रम की मेजबानी करेगा। इनमें फ़्लोरिडा का लॉडरहिल भी शामिल है, जो पहले भी अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मेजबानी कर चुका है। साथ ही

भारत अपने वेस्टइंडीज दौरे पर लॉडरहिल में दो टी20 मैच भी खेलने वाला है। इसके अलावा यूएसए में मॉरिसविल, डलास और न्यूयॉर्क को भी आईसीसी ने शॉर्टलिस्ट किया है। मॉरिसविले और डलास वर्तमान में यूएसए में मेजर लीग क्रिकेट के उद्घाटन संस्करण की मेजबानी कर रहे हैं। डलास (ग्रैंड प्रायर स्टेडियम), मॉरिसविले (चर्च स्ट्रीट पार्क) और न्यूयॉर्क (ब्रॉक्स में वैन कोर्टलैंड पार्क) के मैदानों को अभी तक अंतर्राष्ट्रीय स्थल का दर्जा नहीं मिला है, जो आईसीसी नियमों के अनुसार अनिवार्य है। आयोजन स्थलों पर अंतिम निर्णय अगले कुछ महीनों में क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) और यूएसए क्रिकेट (यूएसएसी) के साथ मिलकर आईसीसी द्वारा लिया जाएगा। इस सप्ताह आयरलैंड, स्कॉटलैंड और पापुआ न्यू गिनी ने आईसीसी द्वारा निर्धारित क्षेत्रीय क्वालीफायर टूर्नामेंटों के माध्यम से टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। जहां पीएनजी पूर्वी एशिया क्वालीफायर राउंड में शीर्ष पर रहा, वहीं आयरलैंड और स्कॉटलैंड यूरोपीय क्षेत्र के क्वालीफायर राउंड में शीर्ष दो स्थानों पर रहे।

वनडे विश्व कप 2023 के लिए नहीं मिलेगी ई-टिकट

प्रशंसक फिजिकल टिकट लेकर आएं : सचिव शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पुष्टि की है कि आगामी वनडे विश्व कप 2023 के लिए कोई ई-टिकट नहीं होगा। प्रशंसकों को आयोजन स्थलों पर फिजिकल टिकट ही ले जाना होगा। राज्य संघों के साथ बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है। ई-टिकट केवल द्विपक्षीय सीरीज पर ही उपलब्ध होंगे।

अहमदाबाद में हुए आईपीएल फाइनल से पहले अफरा तफरी की स्थिति देखी गई थी जब क्रिकेट प्रशंसक फाइनल के लिए अपने ई-टिकट भुनाने आए थे। व्यवस्था न गड़बड़ाए इसलिए शाह ने आश्वासन दिया है कि टिकटों के सुचारू वितरण के लिए 7-8 केंद्र होंगे। कार्यक्रम में बदलाव और स्थानों में बदलाव होगा और नई

तारीखें जल्द ही साझा की जाएंगी। शाह ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम कोशिश कर रहे हैं कि मैचों और आयोजन स्थलों, विशेषकर आयोजन स्थलों में कम बदलाव हों। साथ ही, दो से तीन देशों ने कार्यक्रम में बदलाव का अनुरोध किया है। आईसीसी और बीसीसीआई लॉजिस्टिक्स टीमें इस पर काम कर रही हैं और दो से चार दिनों में सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। हम कुछ बदलाव देख सकते हैं।

पहले यह बताया गया था कि बहुप्रतीक्षित भारत बनाम पाकिस्तान कार्यक्रम को पुनर्निर्धारित किया जा सकता है क्योंकि 15 अक्टूबर को शहर में नवरात्रि समारोह का शुरूआती दिन है और सुरक्षा अधिकारी पहले से ही ओवरटाइम काम कर रहे होंगे। एक गेम का शेड्यूल बदलने से पूरे शेड्यूल पर फर्क पड़ सकता है। खेल को 14 अक्टूबर को स्थानांतरित करने की बात चल रही थी लेकिन उस दिन पहले से ही दो खेल निर्धारित किए गए हैं और एक ही तारीख में ट्रिपल हेडर नहीं हो सकते।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए मलेशियाई हॉकी टीम चेन्नई पहुंची

एजेंसी। चेन्नई

मलेशिया की पुरुष हॉकी टीम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 में भाग लेने के लिए शनिवार को यहां पहुंची, जो 3 से 12 अगस्त तक प्रतिष्ठित मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में आयोजित होने वाली है। एशिया की हॉकी शक्तियों में से एक के रूप में, मलेशिया ने मैदान पर लगातार उल्लेखनीय कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया है। वे टूर्नामेंट के इतिहास में पांच बार तीसरे स्थान पर रहे हैं और अब उनकी नजर पहली बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने पर होगी। टीम ने हाल के दिनों में शानदार प्रदर्शन किया है, जकार्ता-पालेमबांग में 2018 एशियाई खेलों में रजत पदक जीता और पिछले साल जकार्ता में हीरो एशिया कप में उपविजेता भी रही। मलेशियाई टीम टूर्नामेंट के दौरान जापान, कोरिया, पाकिस्तान,

चीन और मेजबान भारत से भिड़ेगी। मलेशिया अपने अभियान की शुरूआत 3 अगस्त को पाकिस्तान के खिलाफ करेगा। टूर्नामेंट प्रारूप के अनुसार, शीर्ष चार टीमों के सेमीफाइनल में जाने से पहले सभी छह टीमें राउंड रॉबिन चरण में पांच मैच खेलेंगी। मलेशिया के कप्तान मारहान जलील ने कहा, मैं फिर से भारत वापस आकर खुश और उत्साहित हूं। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हमारी तैयारी सही रास्ते पर है और हम टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ देने का लक्ष्य बना रहे हैं। मैं मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में हॉउसफुल होने की उम्मीद कर रहा हूं।" इस बीच, मलेशिया के कोच अरुल एंथोनी ने अपनी टीम के हालिया प्रदर्शन और उनके खेल की नई संरचना के बारे में बात की। एंथोनी ने कहा, हम खेल की एक नई संरचना के साथ आए और अपने हालिया मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

जर्मनी की नोमा नोहा अकुगी हैम्बर्ग ओपन के फाइनल में पहुंची

एजेंसी। हैम्बर्ग

जर्मनी की युवा नोमा नोहा अकुगी ने पहली बार किसी डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में खेलते हुए हैम्बर्ग यूरोपियन ओपन टेनिस के फाइनल में प्रवेश कर लिया । दुनिया की 207वीं नंबर की खिलाड़ी 19 वर्ष की नोहा अकुगी ने रूस की डायना स्नाइडेर को 6 . 3, 6 . 3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। हैम्बर्ग की ही रहने वाली नोहा अकुगी को टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड के जरिये प्रवेश मिला था। अभी तक वह निचले दर्जे के आईटीएफ टूर्नामेंट ही खेलती आई है और फ्रेंच ओपन तथा विम्बलडन के क्वालीफाइंग दौर से बाहर हो गई थी । अब उनका सामना नीदरलैंड की 32 वर्ष की अरांतजा रूस से होगा जिसने डारिया साविले को 2. 6, 6. 3, 6.1 से हराया। पुरूष वर्ग

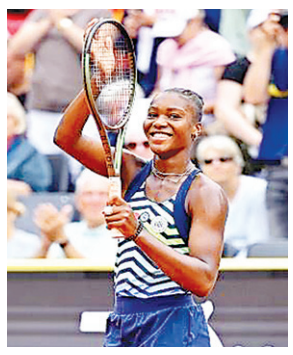

में शीर्ष वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को आर्थर फिल्स ने 6 .0, 6 . 4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा जिसने लुका वान आशे को 6 . 3, 6 . 4 से हराया। वहीं लाज्लो जेरे ने गत चैम्पियन लोरेंजो मुसेत्ती को 7.5, 6.3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां वह चीन के झांग झिझेन से खेलेंगे।

सरे सेमीफाइनल में चेन्नई लायंस का मुकाबला पुनेरी पलटन टेबल टेनिस से

एजेंसी। पुणे

मौजूदा चैंपियन चेन्नई लायंस शनिवार को महालुंगे-बालेवाड़ी स्थित शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जारी इंडियनऑयल अल्टीमेट टेबल टेनिस के चौथे सीजन के दूसरे सेमीफाइनल में पुनेरी पल्टन टेबल टेनिस से भिड़ेंगे। चेन्नई लायंस अपना पिछला मुकाबला दबंग दिल्ली टी.टी.सी के खिलाफ हार गई थी। अब सीजन 4 के फाइनल में पहुंचने के लिए वह जीत की पटरी पर वापसी करना चाहेगी। सत्यन गणशेखरन से अपना पिछला मैच हारने के बावजूद अचंत शरत कमल फ्रेंचाइजी के लिए प्रमुख खिलाड़ी होंगे और उसे फाइनल में ले जाना चाहेंगे। इसके अलावा विश्व नंबर 33 बेनेडिक्ट डूडा और यांग्जी लियू अंतिम-4 दौर में अपना विजय क्रम जारी रखना चाहेंगे। डूडा ने टीम के अहम मुकाबले से पहले कहा, पिछला मुकाबला करीबी था। हम पुनेरी पलटन टेबल टेनिस के खिलाफ अगले मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हैं। हमारी टीम में काफी क्वालिटी है। हम मौजूदा चैंपियन हैं और इस कारण जब हम किसी के खिलाफ खेलते हैं तो इससे हमें काफी आत्मविश्वास मिलता है। दूसरी ओर, पुनेरी पलटन टेबल टेनिस को अपने युवा खिलाड़ी मानुष शाह पर भरोसा होगा, जिन्होंने पिछले लीग मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 17 कादरी अरुणा को हराकर इस सीजन का अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर किया था। इसके अलावा अर्चना कामथ और इस टीम के पूर्व ऑल-अफ्रीका गेम्स चैंपियन अंतरराष्ट्रीय स्टार वर्ल्ड नंबर 21 उमर अस्सर भी टीम को आगे ले जाना चाहेंगे। मानुष ने कहा, हम शानदार फॉर्म में हैं और पिछले मुकाबले में भी अच्छा प्रदर्शन किया था, जो यू मुंबा टीटी के खिलाफ था और काफी अच्छा रहा था। उमर अस्सर शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने हमें ठोस शुरूआत दी है। चेन्नई लायंस वास्तव में इस लीग में कठिन टीम है। हमारा ध्यान किसी भी हाल में अगला मुकाबला जीतने पर है।

एशेज के बाद रिटायर नहीं होना चाहते एंडरसन, बोले

मैं अभी भी टीम को बहुत कुछ दे सकता हूं

एजेंसी। लंदन

इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा कि वह पांचवें एशेज टेस्ट के बाद क्रिकेट को अलविदा नहीं कहना चाहते क्योंकि अभी वह अपनी टीम को बहुत कुछ दे सकते हैं। इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक विकेट ले चुके एंडरसन रविवार को 41 वर्ष के हो जायेंगे । उन्होंने इस एशेज श्रृंखला में पांच ही विकेट लिये हैं लेकिन उनका मानना है कि उन्होंने खराब गेंदबाजी नहीं की। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैंने खराब गेंदबाजी की या मेरी रफ्तार कम हुई है। मुझे लगता है कि अभी भी इस टीम को बहुत कुछ दे सकता हूं। उन्होंने कहा, जहां तक संन्यास का सवाल है तो मैं जल्दी ही नहीं लेने वाला। अभी मैं बहुत कुछ दे सकता हूं। आप दुआ करते हैं कि खराब दौर बड़ी श्रृंखलाओं में नहीं आये लेकिन मेरे साथ ऐसा हो रहा है । वैसे मेरे पास टीम के लिये कुछ करने का एक और मौका है मैंने आज अच्छी गेंदबाजी की और कल कुछ विकेट ले सकूंगा। एशेज श्रृंखला के बाद इंग्लैंड को अब जनवरी में भारत में खेलना है और एंडरसन को उम्मीद है कि वह तब तक खेलेंगे। उन्होंने कहा, गेंदबाज के तीस पार करते हुए लोग पूछने लगते है कि अब कितना समय बचा है । लेकिन पिछले तीन चार साल में मैंने अच्छी गेंदबाजी की है। मैं फिट हूं और अच्छा खेल रहा हूं।

शुभमन गिल की फॉर्म चिंता का विषय नहीं है : अभिनव मुकुंद

एजेंसी। ब्रिजटाउन

युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल का भारत के मौजूदा वेस्टइंडीज दौरे पर प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। लेकिन भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज अभिनव मुकुंद का मानना है कि गिल का कम स्कोर भारतीय टीम के लिए चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। शुभमन गिल आईपीएल 2023 में सबसे अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप के विजेता बनकर उभरे। उन्होंने आईपीएल 2023 में 890 रन बनाए। हालांकि उसके बाद से अब तक वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी छाप नहीं छोड़ पाए हैं। उन्होंने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में द ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 13 और 18 रन बनाए। इसके बाद उनका बल्ला वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी खामोश दिखा। गिल ने 6, 10 और नाबाद 29 रन का स्कोर दर्ज किया।

केंसिंग्टन ओवल में एकदिवसीय श्रृंखला के शुरूआती मैच में, गिल ओपनिंग करने उतरे।

लेकिन 115 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए 16 गेंदों में केवल सात रन बनाकर पवेलियन लौट गए। अभिनव मुकुंद ने कहा, "मुझे लगता है कि शुभमन गिल की विफलता के बारे में बात करना जल्दबाजी होगी क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। हम हमेशा प्रारूपों को एक दूसरे से मिलाते रहते हैं। टेस्ट प्रारूप समाप्त हो गया है। जहां तक वनडे का सवाल है तो शुभमन गिल हमारे शीर्ष खिलाड़ी हैं और मुझे लगता है कि उन्हें विश्व कप में जाना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि उनकी फॉर्म चिंता का विषय है। मुझे यकीन है कि वह धमाकेदार वापसी करेगा।"

बैडमिंटन टूर्नामेंट

जापान ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त

लक्ष्य सेन सेमीफाइनल में क्रिस्टी से हारे

एजेंसी। तोक्यो

भारत के युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन शनिवार को यहां इंडोनेशिया के पांचवीं वरीयता प्राप्त जॉनाथन क्रिस्टी से सेमीफाइनल में तीन गेम तक चले संघर्षपूर्ण मैच में हार कर जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता और विश्व में 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी की और अपने प्रतिद्वंदवी को दबाव में रखा लेकिन आखिर में वह विश्व में नौवें नंबर के खिलाड़ी और एशियाई खेलों के चैंपियन क्रिस्टी से 15-2, 21-13, 16-21 से हार गए। यह मैच एक घंटे और छह मिनट तक चला।

अल्मोड़ा के रहने वाले 21

वर्षीय सेन के बाहर होने से भारत की जापान ओपन में चुनौती भी समाप्त हो गई। सेन ने इस महीने के शुरू में कनाडा ओपन सुपर 500 का खिताब जीता था। इस मैच से पहले इन दोनों का आपस में रिकॉर्ड 1-1 से बराबर था। सेन को कोर्ट पर अपनी गति के लिए जाना जाता है जबकि क्रिस्टी के शॉट दमदार होते हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने इस रोमांचक मुकाबले में अपने कौशल का खुलकर प्रदर्शन किया। इंडोनेशिया के खिलाड़ी ने हालांकि शुरू में गलतियां की जिनका फायदा उठाकर सेन ने 7-4 से बढ़त हासिल कर ली। भारत के खिलाड़ी ने इसके बाद कुछ गलतियां की जिससे क्रिस्टी ने स्कोर बराबर कर दिया। सेन ने दो करारे स्मैश लगाकर इंटरवल तक दो अंक की बढ़त हासिल कर ली। क्रिस्टी ने हालांकि इसके बाद अच्छा खेल दिखाया तथा 32 शॉट की रैली जीतकर 15-12 से बढ़त हासिल कर ली।

इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और पहला गेम अपने नाम किया। भारतीय खिलाड़ी को अपनी रणनीति में बदलाव करने की जरूरत थी तथा दूसरे गेम में शुरू में कड़े संघर्ष के बाद उन्होंने लय हासिल कर ली। सेन ने कुछ शानदार स्मैश और ड्रॉप शॉट के दम पर दूसरे गेम में इंटरवल तक 11-5 की मजबूत बढ़त बना ली थी। उन्होंने इसके बाद भी अच्छा खेल दिखाया तथा सात गेम प्वाइंट हासिल किए। क्रिस्टी का शॉट बाहर जाने से उन्होंने यह गेम जीत कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। निर्णायक गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला लेकिन वह क्रिस्टी थे जिन्होंने खेल पर नियंत्रण रखा और 9-6 से शुरूआती बढ़त बनाई। इंडोनेशिया का खिलाड़ी दो शानदार रिटर्न के दम पर इंटरवल तक चार अंक आगे था। सेन ने इसके बाद अपना सब कुछ झोंक दिया तथा एक समय स्कोर 13-17 था। क्रिस्टी ने सटीक स्मैश से स्कोर 19-15 किया तथा इसके बाद पांच मैच प्वाइंट हासिल किए। सेन ने एक मैच प्वाइंट बचाया लेकिन इसके बाद उनका शॉट नेट पर टकरा गया जिससे क्रिस्टी फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे।

सोयाबीन व धान का रकबा बढ़ा

अरहर, मूंगफली और कपास का घटा

एजेंसी। नई दिल्ली

सप्ताह खरीफ फसलों की बोआई पिछड़ गई। खरीफ फसलों की बोआई में मामूली गिरावट दर्ज की गई है, जबकि पिछले सप्ताह तक इन फसलों का रकबा बढ़ा था। दलहन फसलों की बोआई कम होने के कारण बोआई पिछड़ रही है। इस सप्ताह तक दलहन फसलों का रकबा करीब 11 फीसदी घटा है। खरीफ सीजन की प्रमुख फसल धान के रकबा में बढोतरी दर्ज की गई। मोटे अनाज, तिलहन और गन्ने का रकबा भी बढ़ा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 28 जुलाई को समाप्त सप्ताह तक 830.31 लाख हेक्टेयर में खरीफ फसलों की बोआई हो चुकी है, जो पिछली समान अवधि के 832.82 लाख

हेक्टेयर से 0.30 फीसदी कम है। खरीफ सीजन की सबसे बड़ी फसल धान 237.58 लाख हेक्टेयर में बोई जा चुकी है, पिछली समान अवधि में यह आंकड़ा 233.25 लाख हेक्टेयर था। इस तरह धान की बोआई में करीब 2 फीसदी इजाफा हुआ है। गन्ने का रकबा 2.7 फीसदी बढ़कर 56 लाख हेक्टेयर,जबकि कपास का रकबा एक फीसदी गिरकर 116.75 लाख हेक्टेयर रहा। इस सप्ताह तक 96.84 लाख हेक्टेयर में दलहन फसलों की बोआई हो चुकी है, जो पिछली समान अवधि की बोआई 109.15 लाख हेक्टेयर से 11.3 फीसदी कम है। अरहर का रकबा 16 फीसदी घटकर 31.51 लाख हेक्टेयर, मूंग का रकबा 7.2 फीसदी घटकर 27.64 लाख हेक्टेयर और उड़द का रकबा 14.1 फीसदी घटकर 25.83 लाख हेक्टेयर रहा। इस सप्ताह तिलहन फसलों की बोआई ज्यादा हुई। 28 जुलाई तक 171.02 लाख हेक्टेयर में तिलहन फसलों की बोआई हो चुकी है, जो पिछली समान अवधि की 167.61 लाख हेक्टेयर में हुई बोआई से 2 फीसदी अधिक है। खरीफ सीजन की प्रमुख तिलहन फसल सोयाबीन का रकबा 3.7 फीसदी बढ़कर 119.91 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया। तिल की बोआई भी मामूली बढ़कर 10.7 लाख हेक्टेयर रही। हालांकि खरीफ सीजन की दूसरी प्रमुख तिलहन फसल मूंगफली का रकबा 2.6 फीसदी घटकर 37.58 लाख हेक्टेयर रह गया।

चीनी कंपनी हायर के दफ्तरों पर आयकर का छापा

प्रमोटरों के कई ठिकानों की भी तलाशी जारी

एजेंसी। नई दिल्ली

चीन की होम अप्लायंसेज कंपनी हायर के कार्यालयों में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने छापेमारी की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के मुंबई, पुणे और नोएडा ऑफिस में छापेमारी चल रही है। इसके साथ ही कंपनी के प्रमोटरों के परिसरों की तलाशी भी ली जा रही है। कंपनी और इसके प्रमोटरों पर इनकम और रॉयल्टी पेमेंट की पूरी जानकारी नहीं देने और कर की चोरी करने का आरोप है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। एक अधिकारी ने बताया, 'यह छापेमारी आय कम बताने और रॉयल्टी भुगतान में गड़बड़ी से संबंधित है।' उन्होंने कहा कि 28 जुलाई को शुरू हुआ तलाशी अभियान खत्म होने के बाद

इस बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। सूत्रों ने बताया कि तलाशी अभियान देर शाम तक जारी रहा और टैक्स अधिकारी एक और दिन तक तलाशी जारी रख सकते हैं। अधिकारी ने कहा कि टीम बुक्स की जांच कर रही है और आगे की जांच के लिए लैपटॉप और अन्य डिजिटल रिकॉर्ड कलेक्ट किए हैं। टैक्स अधिकारी रॉयल्टी भुगतान के नाम पर टैक्स चोरी पर कड़ी नजर रख रहे हैं। खासकर चीनी कंपनियों पर नजर रखी जा रही है।

31 जुलाई तक भर दें इनकम टैक्स रिटर्न, नहीं तो होगा नुकसान

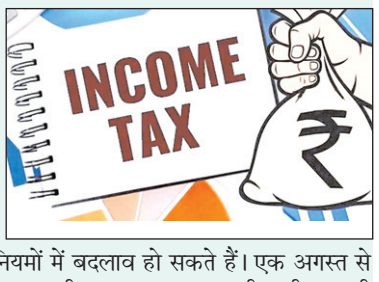

नई दिल्ली। जुलाई का महीना अब अपने अंतिम पड़ाव पर है और नया महीना अगस्त आने वाला है। दरअसल देश हर महीने की एक तारीख को कई नियमों में बदलाव होते हैं। ऐसे में आने वाले महीने अगस्त में भी कई नियमों में बदलाव हो सकते हैं। एक अगस्त से कई नियम बदल जाएंगे जिसका सीधा असर आम आदमी यानी आपकी जेब पर होगा। ऐसे आपके भी कुछ जरूरी काम बचे हैं तो उसे 31 जुलाई से निपटा लें। ऐसे न करने पर आर्थिक नुकसान भी हो सकता है। इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है। ऐसे में अगर आपने अभी तक अपना आईटीआर फाइल नहीं किया है तो जल्द से अपना रिटर्न दाखिल कर लें। क्योंकि एक अगस्त से पेनाल्टी देकर ही आप इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। एक जुलाई से ट्रैफिक से जुड़े नियमों बड़ा बदलाव होना जा रहा है। एक जुलाई से ड्राइविंग लाइसेंस और इंश्योरेंस के बिना गाड़ी चलाने वालों को 5-5 हजार रुपये का जुमार्ना देना पड़ सकता है। वहीं ड्रंक एंड ड्राइव यानी नशे में गाड़ी चलाने वालों को जुमार्ने के साथ-साथ 6 महीने जेल की हवा भी खानी पड़ सकती है। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की अमृत कलश स्कीम में निवेश करने की अंतिम तारीख 15 अगस्त 2023 है।

पावरग्रिड के निदेशक मंडल ने बॉन्ड के जरिए 5,700 करोड़ रुपए जुटाने की मंजूरी दी

नई दिल्ली। पावर ग्रिड कॉरपोरेशन के निदेशक मंडल ने चालू वित्त वर्ष में बॉन्ड के जरिए विभिन्न किस्तों में 5,700 करोड़ रुपए जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। कंपनी ने बयान में बताया कि जुटाए गए धन का उपयोग पूंजीगत व्यय, पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनियों/ संयुक्त उपक्रमों को कर्ज देने और आम कॉरपोरेट जरूरतों के लिए किया जाएगा। बयान के अनुसार यह मार्च 2034 तक चार परिचालन एसपीवी (विशेष प्रयोजन वाहन)- पावरग्रिड भुज ट्रांसमिशन, पावरग्रिड खेतड़ी ट्रांसमिशन सिस्टम, पावरग्रिड मेदिनीपुर जीरात ट्रांसमिशन सिस्टम और पावरग्रिड वाराणसी ट्रांसमिशन सिस्टम के नकदी प्रवाह के प्रतिभूतिकरण द्वारा किया जाएगा। कंपनी पहली किस्त में 500 करोड़ रुपए जुटाएगी और 'ग्रीन शू' विकल्प के तहत अतिरिक्त 1,400 करोड़ रुपए जुटा सकती है।

गैर-बासमती चावल के बाद अब चावल की भूसी पर भी बैन करेगी सरकार

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने गैर-बासमती चावल के बाद अब तेल रहित चावल की भूसी पर भी बैन लगाने का फैसला किया है। सरकार ने यह रोक 30 नवंबर, 2023 तक के लिए लगाया है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड के द्वारा शुक्रवार को जारी किए गए नोटिफिकेशन में इसकी जानकारी दी गई है। ध्यान देने वाली बात ये है कि भारत विश्व में तेल रहित चावल की भूसी का निर्यात करने वाला बड़ा देश है। भारत हर साल 10 लाख टन से अधिक चारे को विदेशों में निर्यात करता है। ऐसे में सरकार के इस फैसले का असर दुनियाभर पर पड़ेगा। तेल रहित चावल की भूसी का इस्तेमाल आमतौर पर जानवरों के चारे के लिए किया जाता है। इसके अलावा इसका इस्तेमाल शराब बनाने के लिए और कई बीमारियों की दवाई जैसे कोलेस्ट्रॉल,दिल, मोटापे, उच्च रक्तचाप आदि के इलाज के लिए किया जाता है। गौरतलब है कि भारत में पिछले कुछ महीनों में दूध के दामों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है।

हिंडनबर्ग आरोपों की स्वतंत्र रूप से कोई जांच नहीं करेगी एसीसी

एजेंसी। नई दिल्ली

सीमेंट बनाने वाली कंपनी एसीसी लिमिटेड ने कहा कि वह अमेरिकी वित्तीय शोध और निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के वित्तीय गड़बड़ी के आरोपों को लेकर स्वतंत्र रूप से कोई जांच नहीं करेगी। एसीसी अब अडानी समूह का हिस्सा है। एसीसी सीमेंट ने अपनी पहली तिमाही के परिणामों की घोषणा करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अडाणी समूह पहले ही स्वतंत्र रूप से काम करने वाली विधि कंपनियों से समीक्षा करवा चुकी है। उनकी राय से स्पष्ट हो गया कि कंपनी लागू कानूनों व विनियमों का पालन कर रही है। कंपनी ने कहा, इसलिए नियामक जांच के आ चुके तथा लंबित परिणाम और संबंधित कार्यवाही को ध्यान में रखते हुए इसमें अलग से कोई स्वतंत्र जांच नहीं कराने का फैसला किया गया है। वित्तीय परिणामों में इस संबंध में कोई समायोजन नहीं किया गया है। हिंडनबर्ग रिसर्च ने 24 जनवरी को अडानी पर शेयरों की कीमतों में हेराफेरी करने और खातों में धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। साथ ही अमेरिकी कंपनी ने फर्जी कंपनियों के जरिए धन के गुपु-चुप लेनदेन का भी आरोप लगाया था। रिपोर्ट आने के बाद समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार मूल्य सबसे निचले स्तर पर 150 अरब डॉलर से भी नीचे पहुंच गया था और अडानी को सबसे अमीर भारतीय होने का तमगा खोना पड़ा था।

'चिप डिजाइनिंग के लिए सात भारतीय स्टार्टअप को मंजूरी'

एजेंसी। बेंगलुरु

सरकार का लक्ष्य अगले 10 साल में वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में मजबूत और प्रतिस्पर्धी उपस्थिति दर्ज कराना है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने शनिवार को बताया कि इस दिशा में पहल करते हुए अब तक सात चिप डिजाइन स्टार्टअप के लिए वित्त पोषण और सहायता मंजूर की गई है। 'सेमीकॉन इंडिया 2023' के दूसरे दिन अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में भारत का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा, अब तक सात चिप

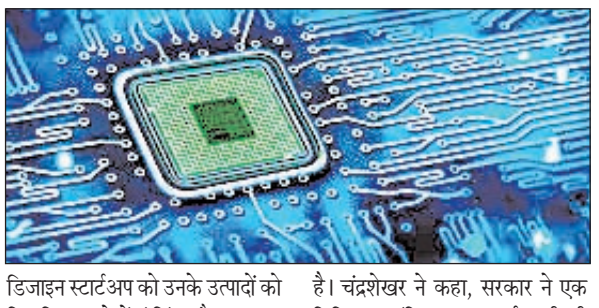

डिजाइन स्टार्टअप को उनके उत्पादों को विकसित करने में फंडिंग और सहायता के लिए मंजूरी दी गई है। यह पहल लगातार विश्वास और समर्थन प्राप्त कर रही है। यह स्टार्टअप के लिए गहरी तकनीक और सेमीकंडक्टर डिजाइन में उतरने का एक अपेक्षाकृत नया अवसर है। चंद्रशेखर ने कहा, सरकार ने एक डिजिटल इंडिया आरआईएससी-वी कार्यक्रम (डीआईआर-वी) लॉन्च किया है और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास बड़ी संख्या में स्टार्टअप और इन्क्यूबेशन सेंटर आरआईएससी-वी के भविष्य और इसके द्वारा संचालित उपकरणों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सम्मेलन के दूसरे दिन, सीडीएसी ने आर्म फ्लेक्सिबल एक्सेस फॉर स्टार्टअप्स कार्यक्रम के माध्यम से देश में सेमीकंडक्टर स्टार्टअप को सशक्त बनाने के लिए दुनिया की अग्रणी सेमीकंडक्टर आईपी कंपनी आर्म के साथ साझेदारी की घोषणा की। आर्म इंडिया के अध्यक्ष गुरु गणेशन ने कहा, इनोवेटिव सिलिकॉन स्टार्टअप सेमीकंडक्टर उद्योग के भविष्य को आगे बढ़ाएंगे क्योंकि वे एआई से लेकर स्वायत्त वाहनों और आईओटी तक के क्षेत्रों में जीवन बदलने वाली नई तकनीक विकसित करेंगे।

विदेश

चांद की ओर बढ़ रहा भारत का स्पेसक्राफ्ट

वाशिंगटन। भारत का चंद्रयान-3 स्पेसक्राफ्ट चांद के अपने मिशन पर है। अभी तक चंद्रयान अपनी स्पीड को बढ़ाने के लिए पृथ्वी का चक्कर लगा रहा था। लेकिन अब यह चांद के अपने रास्ते पर सीधे जा रहा है। स्पेस से जुड़ी घटनाओं पर नजर रखने वाले लोग चंद्रयान-3 को ट्रैक कर रहे हैं। अंतरिक्ष यान अब 1 अगस्त को ट्रांसलूनर इंजेक्शन से गुजरने के लिए पूरी तरह तैयार है। लैंडर और रोवर के 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर उतरने की उम्मीद है। वहीं, प्रपल्शन मॉड्यूल कम्युनिकेशन रिले के लिए चंद्रमा की कक्षा में रहेगा और पृथ्वी पर वापस डेटा भेजेगा। 20 जुलाई को चंद्रयान-3 ने अपना चौथा ऑर्बिट मैन्यूवर पूरा किया। इसके बाद जर्मनी स्थित अमेचर (शौकिया) रेडियो सैटेलाइट संगठन अटरअळ-ऊछ ने जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी होराइजन्स डेटा का उपयोग करके अंतरिक्ष यान को ट्रैक किया। स्कॉट टिली जो खुद को एक शौकिया खगोलशास्त्री बताते हैं का कहना है कि वह चंद्रयान को ट्रैक कर रहे हैं।

सावधान ! धरती पर तेजी से गिर रहा ब्रिटेन का एयोलस सैटेलाइट

एजेंसी। लंदन

पृथ्वी पर ब्रिटेन का एक सैटेलाइट क्रैश होने वाला है। यह सैटेलाइट पहले ही पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर चुका है। अगले कुछ घंटों में यह सैटेलाइट पृथ्वी पर गिरकर नष्ट हो जाएगा। इसका नाम एयोलस बताया जा रहा है, जिसे यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने पांच साल पहले लॉन्च किया था। इस सैटेलाइट को जानबूझकर पृथ्वी पर गिराया जा रहा है, जिसकी हर पल की निगरानी की जा रही है। संभावना है कि यह सैटेलाइट अटलांटिक महासागर में गिरकर नष्ट हो जाएगा। एओलस सैटेलाइट ने 2018 से यूरोप भर के मौसम केंद्रों को जरूरी डेटा प्रदान किया है। अब यह सैटेलाइट बेकार हो चुका है। ऐसे में अंतरिक्ष कचरे

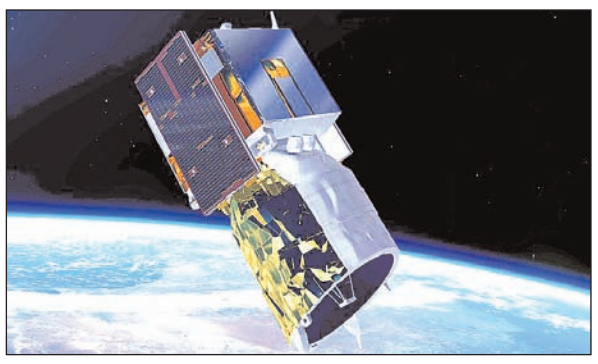

की जगह इसे धरती पर गिराकर नष्ट करने का फैसला किया गया। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष मलबा कार्यालय ने बताया कि एलोयस सैटेलाइट वायुमंडल में प्रवेश कर चुका है। एओलस को अपने मिशन के अंत में नियंत्रित तरीके से पृथ्वी पर गिरकर नष्ट करने के लिए डिजाइन नहीं किया गया था। लेकिन, जब अंतरिक्ष एजेंसी ने इसकी जांच की तो उसे सैटेलाइट में थोड़ा सा ईंधन बचा हुई मिला। वैज्ञानिकों ने इसी ईंधन का इस्तेमाल धरती की कक्षा में सैटेलाइट को फिर से प्रवेश कराने के लिए किया। इसके बाद बचा हुआ काम धरती के गुरुत्वाकर्षण ने कर दिया। हालांकि, इस बात का ध्यान रखा गया कि यह सैटेलाइट ऐसी जगह पर क्रैश हो, जहां कोई जनहानि न हो। सामान्य परिस्थितियों में एओलस उपग्रह का अधिकतर हिस्सा पृथ्वी के वायुमंडल में जलकर नष्ट हो जाएगा। बचा हुआ हिस्सा ही समुद्र में गिरेगा। इसे भविष्य के उपग्रहों के पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश के लिए डेटा इकट्ठा करने और अभ्यास करने के तौर पर भी देखा जा रहा है। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में अग्रणी देश और दूसरे संगठन भी इसका अनुसरण करेंगे। शुक्रवार शाम को यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि जर्मनी में एयोलस मिशन कंट्रोल टीम एक हफ्ते के मुश्किल ऑपरेशन के बाद अब अपने अभियान का समापन कर रही है।

अजूबा

जिंदा हो गया 46,000 साल पुराना कीड़ा

वज्ञानिकों ने कहा, नई तबाही का दस्तक तो नहीं

एजेंसी। मॉस्को

वैज्ञानिकों ने 46,000 साल पहले जमे हुए एक कीड़े को फिर से जीवित किया है। जब इस पृथ्वी पर वुली मैमथ, बड़े दांतों वाले बाघ और विशाल एल्क का राज था, तब यह कीड़े देखने को मिलते थे। मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट ऑफ मॉलिक्यूलर सेल बायोलॉजी एंड जेनेटिक्स में प्रोफेसर एमेरिटस टेयमुरास कुर्जचालिया का कहना है कि यह राउंडवर्म साइबेरियाई पर्माफ्रॉस्ट में सतह से 40 मीटर नीचे सुप्तावस्था में जीवित रहा। इसकी प्रजाति अज्ञात थी। यह जिस हिसाब से जिंदा रहा उसे क्रिप्टोबायोसिस के रूप में जाना जाता है। क्रिप्टोबायोटिक अवस्था में जीव पानी या ऑक्सीजन की पूर्ण अनुपस्थिति में रह सकते हैं। इसके अलावा बेहद ठंडे तापमान के साथ अत्यधिक नमकीन परिस्थितियों में जीवित रह सकते हैं। कुर्जचालिया का कहना है कि यह मृत्यु और जीवन के बीच की स्थिति होती है,

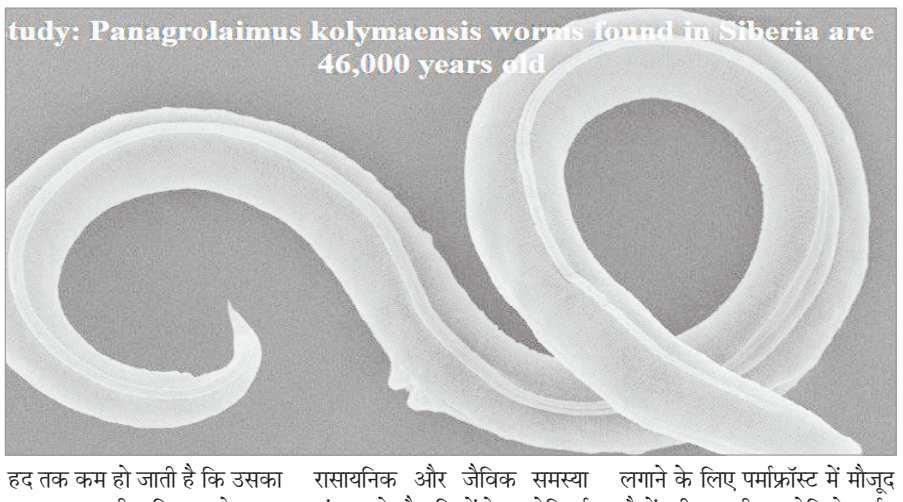

जिसमें मेटाबोलिक एक्टिविटी इस हद तक कम हो जाती है कि उसका पता लगाना ही मुश्किल हो जाता है। उन्होंने इसे एक प्रमुख खोज बताते हुए कहा कि कोई भी जीव इस स्थिति में अपना जीवन रोक सकता है और फिर उसे शुरू कर सकता है। उन्होंने आगे बताया कि जो जीव पहले इस तरह की स्थिति में मिले हैं वह हजारों साल पुराने होने की जगह कुछ सैकड़ों साल पहले के ही थे। पांच साल पहले रूस में मृदा विज्ञान में भौतिक रासायनिक और जैविक समस्या संस्थान के वैज्ञानिकों ने साइबेरियाई पर्माफ्रॉस्ट में दो राउंडवर्म प्रजातियों का पता लगाया था। इसके शोधकर्ताओं में से एक अनास्तासिया शातिलोविच ने कहा कि दो कीड़ों को केवल पानी से रिहाइड्रेट करके वापस जिंदा किया गया है। आगे के विश्लेषण के लिए 100 कीड़ों को जर्मनी ले जाया गया। इन वर्म को निकालने के बाद वैज्ञानिकों ने इसके समय का पता लगाने के लिए पर्माफ्रॉस्ट में मौजूद पौधों की सामग्री का रेडियोकार्बन विश्लेषण किया। इसमें पता चला कि यह लगभग 46,000 साल पुराने हैं। हालांकि तब तक वैज्ञानिकों को नहीं पता था कि यह वर्म एक ज्ञात प्रजाति है या नहीं। ड्रेसडेन और कोलोन में वैज्ञानिकों ने जब इस पर आनुवंशिक विश्लेषण किया तो पता चला कि यह एक नई प्रजाति है। शोधकताओं ने इसे पैनाग्रोलाईमस कोलीमेनिस नाम दिया।

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयलाइंस हुई खस्ताहाल सभी बैंक खाते हुए फ्रीज

वाशिंगटन। पाकिस्तान की तरह ही उसकी प्रमुख एयरलाइन भी कंगाली की मार झेल रही है। फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू ने कथित तौर पर करों का भुगतान न करने के पर देश की प्रमुख एयरलाइन पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के सभी बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार ढक्अ के प्रवक्ता अब्दुल्ला हफीज ने बताया कि एयरलाइन का प्रबंधन एफबीआर के संपर्क में था। उन्होंने कहा कि खातों को अवरुद्ध करने के बावजूद, पीआईए की उड़ान संचालन और अन्य गतिविधियां हमेशा की तरह जारी रहीं। सूत्रों के मुताबिक ढक्अ पर एफबीआर का करीब 2.8 अरब रुपये टैक्स बकाया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि एयरलाइन का दावा है कि उसका बकाया लगभग 1.3 अरब रुपए है। यह पहली बार नहीं है कि पीआईए के खाते फ्रीज किए गए हैं। पिछले साल जनवरी में इसी मुद्दे पर 53 खाते फ्रीज कर दिए गए थे। बाद में करों की शीघ्र निकासी के लिए ढक्अ प्रशासन के आश्वासन के बाद बैंक खाते बहाल कर दिए गए थे।

पेज एक के शेष

गिरिडीह : मुहर्रम के ...

कर्मतांड में पहुंचा, तो अखाड़ा के बीच ताजिया घुसाने के दौरान ही कुछ लोगों को लाठी से चोट लग गई, जिससे उन लोगों का गुस्सा भड़क गया और वो ताजिया लिए घुसने का प्रयास कर रहे लोगों पर लाठी चलाना शुरू कर दिए। किसी तरह उस वक्त हालात को संभाल लिया गया लेकिन कुछ देर बाद ही पालमरुआ के अदरसा मदरसे के समीप दोनों पक्ष आमने सामने हो गए, और एक दूसरे पर जमकर लाठी चलाने के साथ रोड़ेबाजी भी किया, जिसमें दर्जन भर लोग घायल हो गए। तिसरी थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि शांति कायम है और पुलिस बल तैनात हैं।

चुनावी राज्यों के...

विजयवर्गीय को 2015 में भाजपा का राष्ट्रीय महासचिव और साथ ही पश्चिम बंगाल का प्रभारी बनाया गया था। विदिशा के रहने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता सौदान सिंह को भी फिर से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। सौदान सिंह पहले भोपाल संभाग के संगठन महामंत्री रह चुके हैं। उनको राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री बनाकर छत्तीसगढ़ का प्रभार दिया गया था। उनके पास लंबे समय तक छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी रही। पिछली बार राष्ट्रीय टीम में उनको उपाध्यक्ष बनाया गया था। उनको उसी पद पर कायम रखा गया है। संघ से जुड़े होने के कारण उनका देश के कई राज्यों में संगठन के कार्यों का अनुभव है। डिंडौरी जिले से पूर्व विधायक ओमप्रकाश धुर्वे भी राष्ट्रीय सचिव पद पर बरकरार हैं। धुर्वे अनुसूचित जनजाति वर्ग से आते हैं। धुर्वे ने उमा भारती, बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान की सरकारों में कई मंत्रालयों में काम किया है। 2016 में उन्हें खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण, श्रम मंत्री के रूप में शिवराज सिंह चौहान के कैबिनेट मंत्रालय में शामिल किया गया था। 2018 में वह अपना चुनाव हार गए थ

राजस्थानः राजस्थान से 3 नेताओं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, सुनील बंसल और डॉ. अल्का गुर्जर को शामिल किया गया है। वसुंधरा राजे पहले से ही पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष थीं, उनके पद को बरकरार रखा गया है। अल्का गुर्जर को राष्ट्रीय सचिव और सुनील बंसल को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। अल्का को केंद्रीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जगह देकर भाजपा ने राजस्थान के गुर्जर समाज को साधने का काम किया है। शाह के चहेते सुनील बंसल पहले की तरह नड्डा की टीम में हैं।

छत्तीसगढ़ः भाजपा ने जिन 13 नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है उसमें से अकेले तीन छत्तीसगढ़ से हैं। ये हैं- पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, सरोज पांडे और लता उसेंडी। 2018 विधानसभा चुनाव में रमन सिंह सरकार सत्ता से बेदखल हो गई। उसके बाद रमन को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया था। राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय को भी पदोन्नति मिली है। उन्हें राष्ट्रीय महासचिव के पद से हटाकर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का पद दिया गया है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ से पूर्व मंत्री लता उसेंडी को भी राष्ट्रीय उपाध्यक्षों की लिस्ट में जगह मिली है। लता को पहली बार भाजपा कार्यकारिणी में जगह दी गई है।

तेलंगानाः दक्षिण के राज्य तेलंगाना से आने वालीं डीके अरुणा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष , सांसद संजय बंदी को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। संजय राज्य इकाई के अध्यक्ष रह चुके हैं। लेकिन पूर्वोत्तर के राज्य मिजोरम में भी साल के अंत में चुनाव हैं, लेकिन यहां से किसी नेता को नड्डा की टीम में जगह नहीं मिली है।

उत्तर प्रदेशः सबसे ज्यादा 80 लोकसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश से तीन उपाध्यक्ष, दो महामंत्री और एक को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। पार्टी के कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल भी उत्तर प्रदेश के हैं। सांसद रेखा वर्मा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत बाजपेयी और विधान परिषद सदस्य व अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। तारिक मंसूर को यह पद देकर पसमांदा मुसलमानों को रिझाने की कोशिश की जाएगी। लेकिन आम व गरीब मुसलमानों में जो तारिक दूर -दूर तक नहीं जाने जाते हैं , उस अकादमी वाले आदमी को भाजपा कुछ बी बना दे उससे मुसलमानों का वोट नहीं मिलने वाला। केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह के रिश्तेदार व राज्य सभा सांसद अरुण सिंह पहले की तरह राष्ट्रीय महासचिव बने रहेंगे। अरुण सिंह के साथ ही उप्र के गोरखपुर के राधामोहन अग्रवाल जो राज्यसभा सांसद भी हैं , को भी राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। राधामोहन गोरखपुर से विधायक रह चुके हैं। जहां से अब योगी आदित्यनाथ पार्टी के विधायक हैं।

बिहार, बंगाल और महाराष्ट्रः ये तीनों राज्य लोकसभा सीटों के लिहाज से उप्र के बाद सबसे बड़े राज्यों में शामिल हैं। तीनों राज्यों में 40 व उससे ज्यादा सीटें हैं। 40 लोकसभा सीट वाले बिहार से केवल एक चेहरे को नई कार्यकारिणी में जगह मिल सकी है। ऋतुराज सिन्हा को पार्टी का राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री राधामोहन सिंह को नड्डा ने अपनी टीम हटा दिया। 42 लोकसभा सीट वाले बंगाल से आने वाले अनुपम हाजरा को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। 48 लोकसभा सीटों वाले महाराष्ट्र से विनोद तावड़े को राष्ट्रीय महासचिव ,पूर्व केंद्रीय मंत्री गोपीनाथ मुंडे की बेटी और विधायक पंकजा मुंडे पार्टी की राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। हालाँकि पंकजा महाराष्ट्र की राजनीति करना चाहती हैं , लेकिन केन्द्रीय साहबान उनको महाराष्ट्र से बाहर हटाना चाहते हैं। राष्ट्रीय सचिव बनाई गईं विजया राहटकर भी महाराष्ट्र से आती हैं।

मुस्लिम चेहरेः नई टीम में दो मुस्लिम को जगह दी गई है। इसमें एक नाम एमएलसी तारिक मंसूर का है। जो अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के कुलपति रहे हैं। दूसरे चेहरा केरल से आने वाले अब्दुल्ला कुट्टी का है। कुट्टी पहले भी नड्डा की टीम का हिस्सा थे। उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में बरकरार रखा गया है। कांग्रेस छोड़ भाजपा में आने वाले केरल के अनिल एंटनी (कांग्रेस के नेता व केन्द्रीय मंत्री रहे एके एंटनी के पुत्र)को राष्ट्रीय सचिव बना दिया गया। पाला बदलने से पहले अनिल केपीसीसी डिजिटल मीडिया संयोजक और एआईसीसी सोशल मीडिया समन्वयक थे।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist &
Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए
50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज
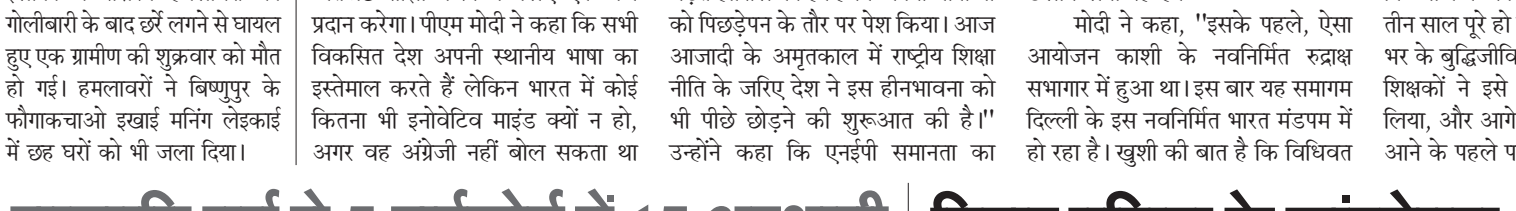
CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

मणिपुर में हिंसा जारी

2 लोगों की मौत, 6 घायल, 6 घर फूंके

इंफाल। मणिपुर में हिंसा की अलग-अलग घटनाओं में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और सुरक्षाकर्मियों सहित छह अन्य घायल हो गए, जबकि हमलावरों ने बिष्णुपुर में छह घरों में आग लगा दी। पुलिस ने शुक्रवार रात यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि हमलावरों ने फौगाकचाओ इखाई, हेइकोल, तेराखोंगसांगबी (बिष्णुपुर) और कांगवई (चूरचांदपुर) इलाकों में गोलीबारी की, जिसमें एक नागरिक की मौत हो गई और दो सुरक्षाकर्मियों सहित छह अन्य घायल हो गए। इस बीच खबर है कि मंगलवार को हेइकोल और फौगाकचाओं इखाई इलाकों में सशस्त्र हमलावरों की गोलीबारी के बाद छर्रे लगने से घायल हुए एक ग्रामीण की शुक्रवार को मौत हो गई। हमलावरों ने बिष्णुपुर के फौगाकचाओ इखाई मनिंग लेइकाई में छह घरों को भी जला दिया।

दो दिवसीय अखिल भारतीय शिक्षा सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

स्थानीय भाषाओं में पढ़ाई में मदद करेगी नई शिक्षा नीति

एजेंसी। नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के लागू होने से भारतीय छात्र अपनी स्थानीय भाषा में पढ़ाई कर सकेंगे, जिससे उन्हें सर्वांगीण विकास में फायदा होगा। प्रधानमंत्री प्रगति मैदान में दो दिवसीय अखिल भारतीय शिक्षा सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। इस सम्मेलन को अखिल भारतीय शिक्षा समागम के नाम से भी जाना जाता है। सम्मेलन शिक्षाविदों, क्षेत्र के विशेषज्ञों और उच्च शिक्षा तथा कौशल संस्थानों को एनईपी 2020 को लागू करने में अपनी अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि सभी विकसित देश अपनी स्थानीय भाषा का इस्तेमाल करते हैं लेकिन भारत में कोई कितना भी इनोवेटिव माइंड क्यों न हो, अगर वह अंग्रेजी नहीं बोल सकता था

तो उसकी प्रतिभा को जल्दी स्वीकार नहीं किया जाता था। दुनिया के ज्यादातर विकसित देशों ने अपनी भाषा की बदौलत बढ़त हासिल की है। हमने अपनी भाषाओं को पिछड़ेपन के तौर पर पेश किया। आज आजादी के अमृतकाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिए देश ने इस हीनभावना को भी पीछे छोड़ने की शुरूआत की है।" उन्होंने कहा कि एनईपी समानता का समर्थन करता है और उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में स्थानीय भाषा में भी बात की।

पीएम ने कहा कि इससे "भाषा की राजनीति करके अपनी नफरत की दुकान चलाने वालों का भी शटर डाउन हो जाएगा।" पीएम ने छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही देश का भविष्य बदल सकती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति हमारे देश के लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। पीएम ने कहा कि ज्ञान के लिए परामर्श जरूरी है और शिक्षा के लिए चर्चा जरूरी है। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि परामर्श और चर्चा के साथ वे भविष्य में छलांग लगा रहे हैं।

मोदी ने कहा, "इसके पहले, ऐसा आयोजन काशी के नवनिर्मित रुद्राक्ष सभागार में हुआ था। इस बार यह समागम दिल्ली के इस नवनिर्मित भारत मंडपम में हो रहा है। खुशी की बात है कि विधिवत रूप से भारत मंडपम के लोकार्पण के बाद यह यहां पहला कार्यक्रम है, और यह शिक्षा से जुड़ा कार्यक्रम है।"

उन्होंने कहा, "काशी के रुद्राक्ष से लेकर इस आधुनिक भारत मंडपम तक, अखिल भारतीय शिक्षा समागम की इस यात्रा में एक संदेश भी छिपा है। यह संदेश है-प्राचीनता और आधुनिकता के संगम का!" उन्होंने कहा कि एक ओर हमारी शिक्षा व्यवस्था भारत की प्राचीन परम्पराओं को सहेज रही है, तो दूसरी तरफ आधुनिक साइन्स और हाइटेक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी हम उतनी ही तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पीएम ने कहा कि आज के कार्यक्रम के साथ एनईपी के तीन साल पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा, देश भर के बुद्धिजीवियों ने, शिक्षाविदों ने और शिक्षकों ने इसे एक मिशन के रूप में लिया, और आगे बढ़ाया है। अभी मैं यहां आने के पहले पास के पैवेलियन में लगी प्रदर्शनी देख रहा था। इस प्रदर्शनी में हमारे कौशल और शिक्षा क्षेत्र की ताकत को, उसकी उपलब्धियों को दिखाया गया है। मुझे वहाँ बाल-वाटिका में बच्चों से मिलने का, और उनके साथ बात करने का भी मौका मिला। बच्चे खेल-खेल में कैसे कितना कुछ सीख रहे हैं, कैसे शिक्षा और स्कूलिंग के मायने बदल रहे हैं, यह देखना मेरे लिए वाकई उत्साहजनक था।" उन्होंने कहा कि तीन साल पहले जब एनईपी पेश की गई थी, उस समय इसे हासिल करने का एक लक्ष्य था। प्राथमिक शिक्षा के बारे में बोलते हुए, पीएम ने कहा कि एक नया पाठ्यक्रम शुरू करने और स्थानीय भाषा में किताबें लाने और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने के लिए, शिक्षाविदों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि 10+2 एजुकेशन सिस्टम की जगह अब '5+3+3+4' प्रणाली पर अमल हो रहा है। पढ़ाई की शुरूआत भी अब तीन साल की आयु से होगी। इससे पूरे देश में एकरूपता आएगी। हाल ही में संसद में नेशनल रिसर्च फाउंडेशन बिल पेश करने के लिए कैबिनेट ने अपनी मंजूरी दे दी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क भी जल्द ही लागू हो रहा है। मुझे बताया गया है कि फाउंडेशन स्टेज यानी तीन से आठ साल के बच्चों के लिए फ्रेमवर्क तैयार भी हो गया है। बाकी के लिए करिकुलम बहुत जल्द तैयार हो जाएगा।" पीएम ने कहा कि अब पूरे देश में सीबीएसई स्कूलों में एक तरह का पाठ्यक्रम होगा। इसके लिए एनसीईआरटी नई पाठ्यपुस्तकें तैयार कर रहा है। तीसरी से 12वीं कक्षाओं तक लगभग 130 विषयों की नई किताबें आ रही हैं। अब शिक्षा क्षेत्रीय भाषाओं में भी दी जानी है, इसलिए ये पुस्तकें 22 भारतीय भाषाओं में होंगी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 5 हाईकोर्ट में 15 अस्थायी जजों की स्थायी जज के रूप में नियुक्ति की

एजेंसी। नई दिल्ली
राष्ट्रपति ने पांच हाईकोर्ट में 15 अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में और दो हाईकोर्ट में छह अस्थायी जजों की नियुक्ति की है। राष्ट्रपति ने गौहाटी हाईकोर्ट में पांच अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में, कलकत्ता हाईकोर्ट के तीन अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में, बॉम्बे हाई कोर्ट के दो अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में, केरल हाईकोर्ट के चार अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में और छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के एक अस्थायी जज को स्थायी जज के रूप में नियुक्त किया है। राष्ट्रपति ने तेलंगाना हाईकोर्ट में तीन अस्थायी जजों और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट में तीन अस्थायी जजों की नियुक्ति की है। राष्ट्रपति ने गौहाटी हाईकोर्ट के जिन अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में नियुक्त किया है उनमें जस्टिस कखेटो सेमा, जस्टिस देवाशीष बरुआ, जस्टिस मालाश्री नंदी, जस्टिस मारली वानकुंग और जस्टिस अरुण देव चौधरी शामिल हैं। राष्ट्रपति ने कलकत्ता हाई कोर्ट के जिन अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में नियुक्त किया है उनमें जस्टिस कृष्णा राव, जस्टिस बिभास रंजन डे और जस्टिस अजय कुमार मुखर्जी शामिल हैं। राष्ट्रपति ने बॉम्बे हाई कोर्ट के जिन अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में नियुक्त किया है, उनमें जस्टिस अनिल लक्ष्मण पानसारे और जस्टिस संदीपकुमार चन्द्रभान मोरे शामिल हैं। राष्ट्रपति ने केरल हाईकोर्ट के जिन अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में नियुक्त किया है, उनमें जस्टिस बसंत बालाजी, जस्टिस चंद्रशेखरन कर्ता जयचंद्रन, जस्टिस सोफी थॉमस और जस्टिस पुथेन वीडु गोपाला पिल्लै अजीतकुमार शामिल हैं। राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के अस्थायी जज जस्टिस दीपक कुमार तिवारी को स्थायी जज के रूप में नियुक्त किया है। तेलंगाना हाई कोर्ट के लिए लक्ष्मी नारायण आलिशेट्टी, अनिल कुमार जुकांती और सुजाना कलासिकम को एडिशनल जज के रूप में नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति ने हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के लिए रंजन शर्मा, बिपिन चंद्र नेगी और राकेश कैंथला को एडिशनल जज के रूप में नियुक्त किया है।

बिहार पुलिस के कांस्टेबल की पीट-पीटकर हत्या

एजेंसी। मुजफ्फरपुर
बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना क्षेत्र में बिहार पुलिस के एक कांस्टेबल की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। हत्या का कारण भूमि विवाद बताया जा रहा है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बिहार पुलिस के कांस्टेबल पद पर कार्यरत बिपेंद्र कुमार सिंह छुट्टी में अपने घर जदु छपरा गांव आया था। बताया जाता है कि पड़ोसी (गोतिया) से पहले से ही एक जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। सुबह में जब बिपेंद्र अपने घर के बाहर खड़े थे, इसी दौरान पाटीदारों ने लाठी-डंडे से उनके ऊपर हमला बोल दिया, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन

में परिजनों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मुजफ्फरपुर (पश्चिम) के पुलिस उपाधीक्षक अभिषेक आनंद ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में करके पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही।

बंगाल के हालात से भी रूबरू हो विपक्षी सांसदों का दल: अनुराग

एजेंसी। नई दिल्ली
केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मणिपुर में विपक्षी दलों के सांसदों के दौरे पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के हालात भी खराब हैं तो क्या सांसदों का यह दल पश्चिम बंगाल भी जाएगा? उन्हें पश्चिम बंगाल के हालात से भी रूबरू होना चाहिए। पश्चिम बंगाल के दौरे पर शनिवार को पहुंचे अनुराग ठाकुर ने ट्वीट करके कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र लाचार है, मानवता शर्मसार है। ममता दीदी की शह से आज बंगाल में अपराधियों, गुंडों, दंगाइयों का बोलबाला है।

कानून व्यवस्था ध्वस्त है, जनता त्रस्त है। ममता राज में तृणमूल कांग्रेस अपराधियों को संरक्षण दे रही है, उनको पाल पोस रही है। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के नेताओं पर हमले हो रहे हैं। क्या वे अपने कार्यकर्ताओं को यू हीं मरने देंगे। पश्चिम बंगाल में मणिपुर से कई गुना ज्यादा घटनाएं हुई हैं। मणिपुर गए विपक्षी सासंदों का दल पश्चिम बंगाल भी आएगा क्या? उन्हें पश्चिम बंगाल के हालत भी देखने चाहिए। केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा कि ममता सरकार हर मोर्चे पर विफल है। बंगाल की जनता ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में पिछली बार की तुलना में इस बार दोगुनी सीटें जनता ने भाजपा को दी है। भाजपा ने इस बार 11 हजार से ज्यादा सीटें जीती हैं। पार्टी ने पिछले लोकसभा चुनाव में 18 सीटें जीती थीं और इस बार 35 जीतेगी।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट में 8 लोगों की मौत

कृष्णागिरि। तमिलनाडु के कृष्णागिरि जिले में एक पटाखा फैक्टरी में विस्फोट से तीन महिलाओं सहित आठ लोगों की शनिवार को मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। जिले के पझयापेट्टाई में पटाखा फैक्टरी के गोदाम में अचानक विस्फोट होने की घटना में कई लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के कारण आसपास कुछ दुकानें और मकान क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस और दमकल सेवा के कर्मी मौके पर पहुंच गए हैं।

मुंबई में फिर से 26/11 जैसे हमले की आशंका

कोलाबा के छाबड़ा हाउस में बढ़ाई गई सुरक्षा

एजेंसी। मुंबई
मुंबई पुलिस ने कोलाबा स्थित छाबड़ा हाउस के पास से 26/11 जैसे आतंकवादी हमलों का इनपुट मिला है। इसी वजह से मुंबई पुलिस ने छाबड़ा हाउस के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है। यह इनपुट पुणे में गिरफ्तार दो आतंकवादियों से पूछताछ के दौरान महाराष्ट्र एंटी टेरोरिस्ट स्कॉड (एटीएस) को मिला है। पुणे में पुलिस ने मोहम्मद इमरान मोहम्मद यूनुस खान और मोहम्मद यूनुस मोहम्मद याकूब साकी नामक दो आतंकवादियों को

पकड़कर एटीएस को सौंपा था। इन दोनों से पूछताछ के बाद एटीएस ने कोलाबा स्थित छाबड़ा हाउस का गूगल मैप बरामद किया है। इसके बाद एटीएस ने यह इनपुट मुंबई पुलिस को दिया, जिस पर कोलाबा के यहूदी सामुदायिक केंद्र छाबड़ा हाउस और उसके आसपास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एटीएस की टीम आतंकी संगठन अलसुफा से जुड़े दोनों आतंकवादियों से गहन छानबीन कर रही है।

महाराष्ट्र : दो बसों की टक्कर में 6 की मौत, 25 जख्मी

मुंबई। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के मलकापुर में मुंबई-नागपुर हाई-वे पर शनिवार की भोर में दो निजी बसों की आमने-सामने की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 25 लोग घायल हुए हैं, जिनमें पांच की हालत गंभीर है। सभी घायलों को बुलढाणा जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। इनमें से पांच गंभीर घायलों का इलाज जिला अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में किया जा रहा है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

सेमीकॉन इंडिया 2023 | **चिप डिजाइनिंग के लिए 7 भारतीय स्टार्टअप को मंजूरी**

भारत के लिए यह बड़ा अवसर

एजेंसी। बेंगलुरु
सरकार का लक्ष्य अगले 10 साल में वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में मजबूत और प्रतिस्पर्धी उपस्थिति दर्ज कराना है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने शनिवार को बताया कि इस दिशा में पहल करते हुए अब तक सात चिप डिजाइन स्टार्टअप के लिए वित्त पोषण और सहायता मंजूर की गई है। 'सेमीकॉन इंडिया 2023' के दूसरे दिन अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में भारत का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा, अब तक सात चिप डिजाइन स्टार्टअप को उनके उत्पादों को विकसित करने में फंडिंग और सहायता के लिए मंजूरी दी गई है। यह पहल लगातार विश्वास और समर्थन प्राप्त कर रही है। यह स्टार्टअप के लिए गहरी तकनीक और

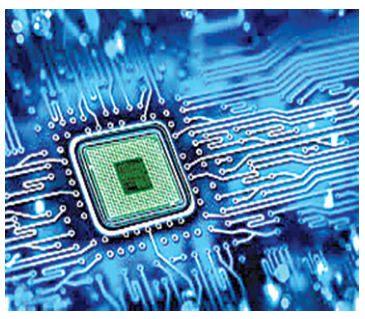

सेमीकंडक्टर डिजाइन में उतरने का एक अपेक्षाकृत नया अवसर है। चंद्रशेखर ने कहा, सरकार ने एक डिजिटल इंडिया आरआईएससी-वी कार्यक्रम (डीआईआर-वी) लॉन्च किया है और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास बड़ी संख्या में स्टार्टअप और इन्क्यूबेशन सेंटर आरआईएससी-वी के भविष्य और इसके द्वारा संचालित उपकरणों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सम्मेलन के दूसरे दिन, सीडीएसी ने आर्म फ्लेक्सिबल एक्सेस फॉर स्टार्टअप्स कार्यक्रम के माध्यम से देश में सेमीकंडक्टर स्टार्टअप को सशक्त बनाने के लिए दुनिया की अग्रणी सेमीकंडक्टर आईपी कंपनी आर्म के साथ साझेदारी की घोषणा की। आर्म इंडिया के अध्यक्ष गुरु गणेशन ने कहा, इनोवेटिव सिलिकॉन स्टार्टअप सेमीकंडक्टर उद्योग के भविष्य को आगे बढ़ाएंगे क्योंकि वे एआई से लेकर स्वायत्त वाहनों और आईओटी तक के क्षेत्रों में जीवन बदलने वाली नई तकनीक विकसित करेंगे। सेमीकंडक्टर डिजाइन में शामिल दो और स्टार्टअप/एमएसएमई को 'सेमीकॉनइंडिया फ्यूचरडिजाइन डीएलआई' योजना में भागीदार घोषित किया गया। उनमें से एक चेन्नई में स्थित अहिसा डिजिटल इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड (अहिसा) है, जो दूरसंचार, नेटवर्किंग और साइबर सुरक्षा डोमेन पर केंद्रित है। दूसरा स्टार्टअप बेंगलुरु स्थित कैलिगो टेक्नोलॉजीज है जो एचपीसी, बिग डेटा और एआई/एमएल सेगमेंट में वैश्विक कंपनियों को सेवा प्रदान करता है। डीएलआई योजना का लक्ष्य इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी), चिपसेट, सिस्टम ऑन चिप्स (एसओसी), सिस्टम और आईपी कोर और सेमीकंडक्टर लिंक्ड डिजाइन के लिए पांच साल में सेमीकंडक्टर डिजाइन के विकास और तैनाती के विभिन्न चरणों में वित्तीय प्रोत्साहन के साथ-साथ डिजाइन बुनियादी ढांचे को समर्थन प्रदान करना है। भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु के सेंटर फॉर नैनो साइंस एंड इंजीनियरिंग और लैम रिसर्च इंडिया के बीच एक समझौता ज्ञापन के माध्यम से एक महत्वपूर्ण सहयोग भी शुरू किया गया।

FILMY हलचल

परेश की 'द स्टोरीटेलर' का प्रीमियर सत्यजीत रे को श्रद्धांजलि है फिल्म

परेश रावल की फिल्म 'द स्टोरीटेलर' अगले महीने अगस्त में मेलबर्न के इंडियन

फिल्म फेस्टिवल में ऑस्ट्रेलियाई प्रीमियर के लिए पूरी तरह तैयार है। इस खबर के बारे में बात करते हुए परेश रावल ने कहा, मैं उस फिल्म का हिस्सा बनकर बिल्कुल रोमांचित और खुश हूं, जिसका प्रीमियर ऑस्ट्रेलिया में होगा। मेरा अनुभव बहुत रोमांचकारी और संतुष्टिदायक था। इस तरह की कहानी अपने आप में दुर्लभ है और मेरे सह-कलाकार इसमें अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। मैं अपने निमार्ताओं और निर्देशक अनंत महादेवन जी का सदैव आभारी हूं।" अनंत नारायण महादेवन द्वारा निर्देशित, यह फिल्म महान सत्यजीत रे की शॉर्ट स्टोरी 'गोलपो बोलिये तारिणी खुरो' पर आधारित है। परेश के साथ, फिल्म में आदिल हुसैन, रेवती, तनिष्ठा चटर्जी, अनिंदिता बोस और जयेश मोरे जैसे असाधारण कलाकार शामिल हैं।

फिल्म 'रॉकी और रानी..' देख भड़कीं कंगना रनौत

फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' शुक्रवार 28 जुलाई को

सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। करण जौहर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में हैं। दर्शक फिल्म की सराहना कर रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर कंगना रनौत ने करण जौहर की आलोचना की है। कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट कर करण जौहर की आलोचना की, एक ही फिल्म को इतनी बार बनाने के लिए करण जौहर को शर्म आनी चाहिए। आप खुद को भारतीय सिनेमा का ध्वजवाहक कहते हैं। पैसा बर्बाद मत करो, यह फिल्म उद्योग के लिए कठिन समय है। कंगना ने अपनी इंस्टा स्टोरी में कहा, रिटायर हो जाइए और नए फिल्म निमार्ताओं को आने दीजिए, जो नई और बेहतर फिल्में बनाएंगे।

सुष्मिता सेन स्टारर वेब सीरीज 'ताली' का टीजर हुआ रिलीज

एक्ट्रेस सुष्मिता सेन इन दिनों अपनी आने वाली वेब सीरीज 'ताली' को लेकर चर्चा में हैं। वेब सीरीज 'ताली' 15 अगस्त को रिलीज होगी। इस वेब सीरीज का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया है। वेब सीरीज 'ताली' एक सामाजिक कार्यकर्ता गौरी सावंत पर आधारित है, जो लगातार तीसरे वर्ग के लिए काम करती हैं। इसमें सुष्मिता सेन मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस वेबसीरीज का टीजर इस वक्त चर्चा में है। हाल ही में रिलीज हुए वेबसीरीज 'ताली' के टीजर की शुरूआत गौरी सावंत के परिचय से होती है। हाय मैं गौरी हूं। सचमुच आपकी, गौरी सावंत। कोई उन्हें हिजड़ा कहता है, कोई सामाजिक कार्यकर्ता, कोई नाटककार तो कोई गेम चेंजर। यह कहानी इसी यात्रा के बारे में है। इस डायलॉग में गली से ताली तक,

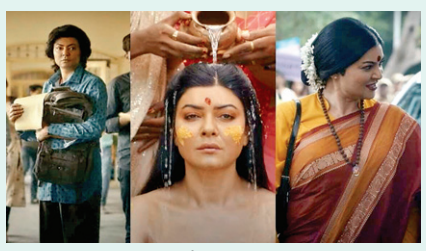

आत्मसम्मान, सम्मान और आजादी, मुझे तीनों चाहिए सुनाई देता है। इसमें सुष्मिता सेन का भी स्टनिंग लुक नजर आ रहा है। इस वेब सीरीज का निर्देशन रवि जाधव ने किया है। इसे क्षितिज पटवर्धन ने लिखा है। यह वेबसीरीज जियो सिनेमा पर दिखाई जाएगी। इस वेब सीरीज में कुल 6 एपिसोड होंगे।